धनबाद
सोमवार 28.10.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-245 पृष्ठ- 12
कार्तिक कृष्ण पक्ष-12
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

# बिहार ऑब्जर्वर

## महंगाई पर अंकुश लगाने पर पूरी तरह विफल रही है केंद्र सरकार : सीएम

**रांची (एजेंसी):** सीएम हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि केंद्र सरकार लगातार बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने में पूरी तरह विफल साबित हुई है.

आवश्यक वस्तुओं, दवाइयों से लेकर रोजमर्रा की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं. इस स्थिति में आम नागरिक की स्थिति दिन-प्रतिदिन मुश्किल होती जा रही है.

**मईयां सम्मान योजना को रोकने के लिए कोर्ट पहुंच गई**

झारखंड सरकार ने जब मईयां सम्मान योजना के माध्यम से आम परिवारों को राहत देने का प्रयास किया, तो केंद्र सरकार तुरंत इसे रोकने के लिए न्यायालय पहुंच गई.

यही सरकार उद्योगपतियों को अरबों-खरबों रुपये की सब्सिडी देते समय मौन साध लेती है, परंतु जनकल्याण की बात आते ही विरोध में खड़ी हो जाती है.

झारखंड में ये जन-विरोधी नीतियों का क्रियान्वयन करना चाहते हैं.

**सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत**

सीएम ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करें, न कि उसे कमजोर.

गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को और अधिक सशक्त किया जाए. यह समय है जनहित की नीतियों को प्राथमिकता देने का, न कि उन्हें कमजोर करने का.

उन्होंने कहा कि दिसंबर की १० तारीख़ से हर माह झारखंड बहनों को २५०० रुपये की सम्मान राशि मिलेगी.

**सीएम ने गिनाई केंद्र की नाकामियां**

ये पहले भी ११ लाख राशन कार्ड कैंसिल कर चुके हैं.

ये पहले भी १३००० स्कूल बंद कर चुके हैं.

ये झारखंड में भी ३ लाख बुजुर्गों के पेंशन रद्द कर चुके हैं.

## पीएम मोदी ने इन्फैंट्री दिवस के अवसर पर सैनिकों को किया सलाम

**नई दिल्ली (ईएमएस):** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्फैंट्री दिवस के अवसर पर इन्फैंट्री के सभी अधिकारियों और सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों की अदम्य हिम्मत और साहस की सराहना की.

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया: इन्फैंट्री दिवस पर हम सभी इन्फैंट्री के सभी अधिकारियों और सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों की अदम्य हिम्मत और साहस को सलाम करते हैं जो निरंतर हमारी रक्षा करते हैं.

वे सदैव किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ खड़े रहते हैं और हमारे राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं.

इन्फैंट्री शक्ति, वीरता और कर्तव्य का सार है जो हर भारतीय को प्रेरित करती है.

## कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, प्रचलित शब्दों में बदलाव जरूरी : जगदीप धनखड़

**नई दिल्ली (ईएमएस):** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि न्यायपालिका हमारे देश का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, इसमें सबऑर्डिनेट शब्द की कोई जगह नहीं है। कोई भी न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं, इसमें बदलाव होना चाहिए।

उन्होंने न्यायपालिका पर टिप्पणी करते हुए कहा, जब मजिस्ट्रेट या जिला जज फैसला लिखता है उनके मन में एक शंका रहती है कि मेरे फैसले पर क्या टिप्पणी होगी। वह फैसला उसके भविष्य को निर्धारण करता है।

उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को इनके प्रति सहानुभूति रखनी चाहिए। राजस्थान के जयपुर में एआईआर पुस्तकालय के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अधिवक्ता संघ को संबोधित करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि उद्योगपति एवं कॉर्पोरेट समूहों को अन्य संस्थानों को प्रदान की जाने वाली सहायता की तर्ज पर न्यायपालिका के कार्यान्वयन में भी सहायता प्रदान करनी चाहिए।

अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि कॉर्पोरेट्स के पास उच्च फंड है और उनको लोकल अदालतों में इन्वेस्ट करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने इसे औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने वाली एक महत्वपूर्ण घटना बताया।

उन्होंने इसे दंडविधान से न्यायविधान की यात्रा बताते हुए कहा कि लंबे समय की मांग के बाद अंग्रेजों द्वारा बनाए गए इन कानूनों को निरस्त किया गया है जोकि नए वकीलों के लिए एक वरदान है। भारतीय न्याय संहिता सहित तीन कानूनों के पारित होते समय राज्यसभा के सभापति के रूप में स्वयं की उपस्थिति के अनुभवों को याद करते ▶▶ 5

## केंद्र का दीपावाली तोहफा, 80 साल से ज्यादा उम्र वालों को मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

**नई दिल्ली (ईएमएस):** केंद्र ने सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन में एक नई सुविधा जोड़ दी है। सरकार ने ८० साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अनुकंपा भत्ता देने का फैसला लिया है। यह जानकारी लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा दी गई है।

मंत्रालय के मुताबिक ८० साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अब अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिससे पेंशन का वितरण आसान और तेजी से किया जा सकेगा। सीसीएस (पेंशन) नियम २०२१ के नियम ४४ के तहत पेंशनर्स को मूल पेंशन के साथ अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता मिलेगा। जिसमें ८० से ८५ साल के लिए मूल पेंशन का २०फीसदी, ८५ से ९० के लिए मूल पेंशन का ३० फीसदी, ९० से ९५ साल के लिए मूल पेंशन का ४० फीसदी, ९५ से १०० साल के लिए मूल पेंशन का ५० फीसदी और १०० साल से ज्यादा उम्र के लिए मूल पेंशन का १०० फीसदी शामिल है। जैसा कि यदि किसी पेंशनर की आयु ८१ साल है और उसे ५,००० रुपए की पेंशन मिल रही है, तो उसे अतिरिक्त पेंशन के रूप में १,००० रुपए और मिलेंगे। इसी तरह ८५ से ९० साल के पेंशनर को १५०० रुपए अनुकंपा भत्ता मिलेगा। मंत्रालय के मुताबिक जब पेंशनर की ▶▶ 5

## सरकार के प्रमुख से मिलना डील होना नहीं:सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़

### वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं, अगर पत्रों पर निर्भर रहेंगे तो काम नहीं होगा

**पुणे (ईएमएस):** सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि सरकार के प्रमुख जब हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से मिलते हैं तो इन मुलाकातों में राजनीतिक परिपक्वता होती है। मुंबई के एक कार्यक्रम सीजेआई ने कहा कि हम राज्य या केंद्र सरकार के मुखिया से मिलते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई डील हो गई।

चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि हमें राज्य के सीएम के साथ बातचीत करनी होती है, क्योंकि वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं। यदि मुलाकात न करके केवल लेटर्स पर निर्भर रहें तो काम नहीं होगा। ये मीटिंग पॉलिटिकल मैच्योरिटी का एक साइन है। मेरे करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी सीएम ने कभी भी मुलाकात के दौरान किसी लंबित केस के बारे में कुछ कहा हो। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट और सरकार के बीच का एडमिनिस्ट्रेटिव रिलेशन, ज्यूडिशियरी के काम से अलग है। सीएम या चीफ जस्टिस त्योहारों या शोक में एक-दूसरे से मिलते हैं। यह हमारे काम पर कोई असर नहीं डालता।

**जजों को सोचने का समय नहीं**

अदालतों में छुट्टियों को लेकर उठने वाले सवालों पर सीजेआई ने कहा- लोगों को यह समझना चाहिए कि जजों पर काम का बहुत बोझ है। उन्हें सोचने-विचारने का भी समय चाहिए होता है, क्योंकि उनके फैसले समाज का भविष्य तय करते हैं। मैं खुद रात ३:३० बजे उठता हूं और सुबह ६:०० बजे से अपना काम शुरू कर देता हूं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट एक साल में १८१ केस निपटाता है। जबकि भारतीय सुप्रीम कोर्ट में इतने केस तो एक ही दिन में निपटाए जाते हैं। हमारा सुप्रीम कोर्ट हर साल ५०,००० केस निपटाता है।

**कोलेजियम की जिम्मेदारी राज्य-केंद्र और ज्यूडिशियरी में बंटी**

सीजेआई ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम एक यूनियन सिस्टम है, जहां जिम्मेदारियां अलग-अलग लेवल पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ज्यूडिशियरी में बंटी हैं। इसमें आम सहमति बनती है, लेकिन कमी-कभी ऐसा भी होता ▶▶ 5

## रेव पार्टी में पकड़े गए 21 लड़के, 14 लड़कियां

**हैदराबाद (ईएमएस):** तेलंगाना के साइबराबाद में रेव पार्टी का खुलासा हुआ है। एक हाई प्रोफाइल छापेमारी में फॉर्महाउस पर रेव पार्टी करते गए ३५ लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस रेव पार्टी के तार यज्ञक्रम के करीबी से जुड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामाराव के रिश्तेदार माने जाने वाले राज पाकला के जणवाड़ा फार्महाउस पर एक हाई-प्रोफाइल छापेमारी में अवैध शराब और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। नरसिंगी पुलिस, विशेष अभियान दल, और आबकारी अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की गई। बताया गया कि मकिला पुलिस स्टेशन क्षेत्र के ▶▶ 5

## पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने फिर 30 को सीबीआई दफ्तर तक रैली निकालने का फैसला किया

**कोलकाता (ईएमएस):** पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों ने एक बार फिर ३० अक्टूबर को सीबीआई दफ्तर तक रैली निकालने का फैसला किया है। यह निर्णय शनिवार देर रात आयोजित सम्मेलन के बाद लिया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों के साथ सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधि और बांग्ला मनोरंजन उद्योग के कलाकार भी शामिल हुए। सम्मेलन के बाद डॉक्टरों ने कैंडल मार्च निकाला।

आंदोलन की अगुवाई कर रहे अनिकेत महतो ने बताया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए ३० अक्टूबर को सीबीआई दफ्तर के बाहर रैली निकालने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले हुए सम्मेलन का आयोजन पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम (डब्ल्यूबीजेडीएफ) ने किया। जिसमें फोरम के ३२ प्रतिनिधियों के साथ-साथ सिविल सोसाइटी और अन्य क्षेत्रों के लोग शामिल हुए। यह सम्मेलन छह घंटे से अधिक समय तक चला।

२१ अक्टूबर को डॉक्टरों ने अपना अनशन समाप्त किया था, जो ५ अक्टूबर से चल रहा था। प्रमुख आंदोलनकारी किनजल नंदा ने कहा, हमने मजिस्ट्रेट जांच की मांग इसलिए की थी क्योंकि हमें सच्चाई जाननी है। न केवल न्याय चाहिए, बल्कि हमें पूरे सिस्टम की सफाई भी चाहिए। ज्ञात हो कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर का शव मिलने के बाद ९ अगस्त को जूनियर डॉक्टरों ने 'सीज-वर्क' आंदोलन शुरू किया था, जो ४२ दिनों तक चला।

## केएमएस 2024-25 के तहत 185 एलएमटी का लक्ष्य पूरा किया जाएगा : प्रल्हाद जोशी

**नई दिल्ली (ईएमएस):** केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री और ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने आज पंजाब राज्य में निर्बाध धान और कस्टम मिल्ड चावल (सीएमआर) के अधिप्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए उपायों पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। मंत्री ने दोहराया है कि खरीफ विपणन सीजन (केएमएस) २०२४-२५ के लिए निर्धारित १८५ एलएमटी का लक्ष्य पूरी तरह से खरीदा जाएगा और धान का एक भी दाना बिना तैयार नहीं छोड़ा जाएगा। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि चावल मिल मालिकों की शिकायत निवारण के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल शीघ्र ही लॉन्च किया जाएगा ताकि हितधारकों के सामने आने वाली किसी भी कठिनाई का तुरंत समाधान किया जा सके। पंजाब में, ▶▶ 5

## शाह करेंगे बंगाल में सदस्यता अभियान की शुरुआत

### भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने जानकारी देते हुए बांद्रा हादसे पर भी कह दी बड़ी बात

**कोलकाता (ईएमएस):** बीजेपी नेता राहुल सिन्हा ने रविवार को कई मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त की, जिसमें मुंबई के बांद्रा टर्मिनल पर हुई भगदड़ की घटना और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे भी शामिल है। सिन्हा ने कहा कि देशभर में बीजेपी का सदस्यता अभियान जारी है। हालांकि, पश्चिम बंगाल में आरजी कर की घटना सहित कुछ अन्य कारणों से यहां सदस्यता अभियान की प्रक्रिया थोड़ी देर से शुरू हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जल्द ही बंगाल दौरे पर आएंगे, जहां वह सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके बाद, बंगाल में तेजी से इस अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा नए सदस्य बनाए जा सकें।

मुंबई में हाल ही में हुई भगदड़ के बारे में उन्होंने कहा कि यह एक दुखद घटना है। प्लेटफॉर्म पर भारी भीड़ थी, जिसके कारण यह समस्या पैदा हुई। हालांकि, मुझे विश्वास है कि जिन परिवारों को नुकसान हुआ है या जो घायल हुए हैं, उनके लिए सरकार और रेलवे की ओर से व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं घायलों के परिजनों के साथ खड़ा हूं।

सिन्हा ने आगे कहा कि बीजेपी के खौफ के चलते टीएमसी में डर है। जब उन्हें पता चला कि पवन सिंह आसनसोल आने वाले हैं, तो उनमें खलबली मच गई, जिसके कारण उन्होंने ▶▶ 5

## मोदी जी जो फण्ड पश्चिम बंगाल में भेजते हैं वो यहाँ भ्रष्टाचार की बलि चढ़ जाता है: गृहमंत्री

**नई दिल्ली (ईएमएस):** गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल में भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के ₹४८७ करोड़ की लागत से पैट्रापोल के यात्री टर्मिनल भवन एवं मैत्री द्वार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केन्द्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर, केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, गृह मंत्रालय में सचिव सीमा प्रबंधन डॉ राजेन्द्र कुमार, सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और ख़ुफ़िया ब्यूरो के अध्यक्ष आदित्य मिश्रा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अमित शाह ने कहा कि आज यहां इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट, यात्री टर्मिनल बिल्डिंग और मैत्री द्वार का उद्घाटन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर क्षेत्र में नई जान फूंकने के दृष्टिकोण का परिचायक है।

## लोक गायिका शारदा सिन्हा की हालत नाजुक, मंत्री जेपी नड्डा ने एम्स पहुंचकर हालचाल जाना

**नई दिल्ली (ईएमएस):** आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती लोक गायिका शारदा सिन्हा की हालात नाज़ुक बनी हुई है। उन्हें आईसीयू में रखा गया है। शनिवार रात केंद्रीय बीजेपी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने एम्स पहुंचकर उनका हालचाल जाना।

पद्मभूषण से सम्मानित लोक गायिका शारदा सिन्हा की पिछले दिनों तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उनको दिल्ली के एम्स में एडमिट कराया गया था। रविवार सुबह शारदा सिन्हा की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। शारदा सिन्हा को एम्स के अंकोलॉजी मेडिकल डिपार्टमेंट में एडमिट किया गया है। उनका बोन मैरो कैंसर का इलाज चल रहा है। वे साल २०१७ से मल्टीपल मायलोमा, जो कि एक प्रकार का बोन मैरो कैंसर होता है, से ग्रस्त हैं।

आपको बता दें कि हाल ही में उनके पति का ब्रेन हैमरेज से निधन हुआ था। शारदा सिन्हा पिछले एक सप्ताह से दिल्ली एम्स में इलाज करा रही हैं। उनको खाने-पीने में काफी समस्याएं आ रही हैं। शनिवार को अचानक उनकी स्थिति काफी बिगड़ गई थी। इसके बाद उनको एम्स के इमरजेंसी में एडमिट किया गया। फिलहाल डॉक्टरों की टीम शारदा सिन्हा के स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। उनकी स्थिति चिंताजनक ▶▶ 5

## मोदी सरकार साइबर सिक्योर भारत के निर्माण के प्रति संकल्पित है: गृहमंत्री

**नई दिल्ली (ईएमएस):** केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि पुलिस, सीबीआई, नार्कोटिक्स या आरबीआई अधिकारी बनकर फ्रॉड करने वालों के द्वारा लोगों को वीडियो कॉल पर धमकाने के कई मामले सामने आए हैं। मोदी जी ने ऐसी धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताने के साथ-साथ देशवासियों को बताया कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से जांच नहीं करती। इस तरह की साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए मोदी जी ने रुको, सोचो और एक्शन लो का मंत्र दिया और ऐसे मामले सामने आने पर इनकी जानकारी तुरंत १९३० हेल्पलाइन नंबर या एनटीटीपीएस://साईबरक्राईम.गोव.इन पर देने की अपील भी की। मोदी सरकार साइबर सिक्योर भारत के निर्माण के प्रति संकल्पित है।

## शक्तिकांत दास लगातार दूसरे साल दुनिया के टॉप-बैंकर बने

### आरबीआई गवर्नर को ग्लोबल फाइनेंस ने दिया यह अवॉर्ड, उन्हें सेंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड 2024 में ए+ ग्रेड मिला

**नई दिल्ली (ईएमएस):** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार दूसरे साल दुनिया के टॉप सेंट्रल बैंकर चुने गए हैं। शक्तिकांत दास को सेंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड २०२४ में एक बार फिर ए+ ग्रेड मिला है। आरबीआई गवर्नर को यह अवॉर्ड अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में ग्लोबल फाइनेंस ने दिया है।

आरबीआई ने शक्तिकांत दास की अवॉर्ड रिसीव करते हुए कुछ फोटोज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की हैं। ग्लोबल फाइनेंस ने इस अवॉर्ड की अनाउंसमेंट दो महीने पहले की थी। शक्तिकांत दास को महंगाई पर कंट्रोल, इकोनॉमिक ग्रोथ, करेंसी में स्टेबिलिटी और ब्याज दरों पर कंट्रोल के लिए यह सम्मान दिया गया है। वे पिछले साल भी टॉप सेंट्रल बैंकर चुने गए थे और उन्हें ए+ रेटिंग ही मिली थी। दास को पिछले साल जून में लंदन के सेंट्रल बैंकिंग अवॉर्ड्स २०२३ में गवर्नर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

**इन पैमानों पर गवर्नरों को रेटिंग**

ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन के अनुसार, उनके द्वारा दिए गए ग्रेड, इन्फ्लेशन कंट्रोल, इकोनॉमिक डेवलपमेंट गोल्स, करेंसी स्टेबिलिटी और इंटरेस्ट रेट मैनेजमेंट में सफलता के लिए ए से एफ के पैमाने पर आधारित होते हैं। ए आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस और एफ कंप्लीट फेलियर को रिप्रेजेंट करता है। मैगजीन में कहा गया है कि ग्लोबल फाइनेंस का ईयरली सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड उन बैंक गवर्नरों को सम्मान देता है जिनकी रणनीतियों ने मौलिकता, रचनात्मकता और दृढ़ता के माध्यम से अपने समकक्ष बैंकों से बेहतर प्रदर्शन किया है। सेंट्रल बैंकर रिपोर्ट कार्ड १९९४ से अमेरिका की ग्लोबल फाइनेंस मैगजीन में हर साल पब्लिश किया जाता है। इसमें १०१ देशों, क्षेत्रों और जिलों के केंद्रीय बैंक ▶▶ 5

# हेमंत सरकार के इशारे पर पुलिस कर रही काम : राज सिन्हा

**धनबाद (कासं) :** रविवार को कोला कुसमा के उत्सव रिसोर्ट में

दिवंगत शिक्षक राहुल कुमार मिश्रा को ब्राह्मण समाज की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बता दें कि पिछले दिनों राहुल कुमार मिश्रा की संदेहास्पद स्थिति में बरवाअड्डा थाना अंतर्गत कशियाटांड़ में शव पाया गया था।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने राहुल मिश्रा के मौत मामले में हेमंत सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि हेमंत सरकार में अपराध चरम पर है। अपराध को नियंत्रित करने के लिए इस सरकार का जाना जरुरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस भी सरकार के इशारे पर काम कर रही है। निश्चित रूप से राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी और राज्य वासियों को एक भयमुक्त माहौल देने का काम हमारी सरकार करेगी। समाजसेवी रमेश पाण्डेय ने सीधे तौर पर राहुल मिश्रा मौत मामले को हत्या करार देते हुए बरवाअड्डा पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाये हैं। उन्होंने कहा राहुल मिश्रा जिस स्कूल के शिक्षक थे, उसी स्कूल के पास उनका शव पाया गया।

पुलिस अभीतक स्कूल के सीसीटीवी फुटेज खंगालने का भी प्रयास नहीं कर रही है और ना ही स्कूल प्रबंधन पुलिस को सीसीटीवी फुटेज ही उपलब्ध करायी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पुलिस अगर ४८ घंटे के भीतर जाँच पूरी कर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करती है तो आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। उन्होंने पूरे मामले की सीबीआई से भी जाँच कराने की मांग की है। श्रद्धांजलि सभा में रमेश पांडे, गणेश पांडे, विवेक पांडे, कुम्भनाथ सिंह, विक्रम पांडे, बॉबी पांडे समेत ब्राह्मण समाज के अन्य लोग व दिवगंत राहुल मिश्रा के परिजन उपस्थित थे।

# वाहिनी परिसर में बनेगा स्टेडियम : कमांडेंट

**गोविंदपुर (सस) :** झारखंड सशस्त्र वाहिनी तीन के कमांडेंट अंबर लकड़ा ने बताया कि वाहिनी परिसर में स्टेडियम



बनाया जाएगा। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय रांची भेजा गया है। वहां से स्वीकृति मिलने के साथ ही स्टेडियम का निर्माण शुरू हो जाएगा। यह स्टेडियम गैलरी युक्त होगा और विभिन्न तरह के खेलों का आयोजन हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वाहिनी में बड़ी संख्या में प्रशिक्षु जवान प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते हैं। इनकी संख्या १०० से लेकर ३०० तक होती है और अधिक संख्या में आने के कारण यहां जगह की कमी हो जाती है। इसके लिए वाहिनी परिसर में चार बैरेक का भी निर्माण किया जाएगा। इसका भी प्रस्ताव रांची भेज दिया गया है और वहां से स्वीकृति मिलते ही बैरक का निर्माण शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि गर्मी में पानी की भी समस्या उत्पन्न होती है। इसका भी समाधान गर्मी आने के पूर्व कर लिया जाएगा। कमांडेंट श्री लकड़ा ने कहा कि वाहिनी के जवान राज्य के विभिन्न भागों में अपनी सेवा दे रहे हैं। बेहतर सेवा ही वाहिनी परिवार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि यह वाहिनी बहुत पुरानी है और यहां के जवानों ने देश के विभिन्न भागों में सेवा के दौरान शहादत भी दी है।

# अपर्णा पब्लिक स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता

**धनबाद (कासं) :** इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन डिस्ट्रिक्ट ने गोविंदपुर रोड गोसाईडीह स्थित अपर्णा पब्लिक स्कूल में दिवाली के मद्देनज़र दीया डेकोरेशन व रंगोली बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक खूबसूरत, आकर्षक दीया बनाया। इसके आलावे रंग बिरंगी कैंडल बनाकर लोगों को प्रभावित किया। अपर्णा पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर एवं इनर व्हील क्लब ऑफ धनबाद माइलस्टोन के पदाधिकारी रेनू कौशल ने कहा कि रंगोली प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में रंगोली कला को बढ़ावा देना है।

प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों की प्रतिभा निखरती है और बच्चों ने अपनी रचनात्मक कौशल का परिचय दिया है। रंगोली एक बहुत ही प्राचीन कला है। इसके पीछे की भावना और संस्कृति में बहुत समानता है। अपर्णा स्कूल में विगत कई दिनों से प्राचार्य अनुपम नायक एवं वर्ग शिक्षिकाओं की देखरेख में बच्चे प्रतियोगिता के लिए अभ्यासरत थे। विजेता प्रतिभागियों को उपहार एवं प्रमाण पत्र दिए गए। साथ ही स्कूल प्राचार्य अनुपम नायक को विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और आर्टवर्क के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ़ धनबाद माइलस्टोन की उपाध्यक्ष लीना झा, सचिव रितु श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रेनू कौशल और मनीषा प्रसाद इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में सक्रिय थी।

# पूर्णिमा नीरज सिंह को जिताने में जुटी कांग्रेसी

**झरिया (ससे) :** झरिया विधानसभा से इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह की जीत सुनिश्चित करने के लिए एक आवश्यक बैठक झरिया कतरास मोड़ कार्यालय में रखी गई। बैठक की अध्यक्षता झरिया विधानसभा कांग्रेस प्रभारी प्रितम रवानी एवं झरिया नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव ने की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य सभी वार्डों में एवं सभी बूथों के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर घरघर तक जाकर पूर्णिमा नीरज सिंह के द्वारा किए गए विकास कार्यों की चर्चा, झारखंड सरकार द्वारा मंईयां सम्मान योजना एवं अन्य लाभ जो वर्तमान सरकार से आम जनमानस को



मिली। इन सभी बिंदुओं पर घरघर जाकर पूर्णिमा नीरज सिंह के संदेशों को बताने के लिए रूपरेखा तैयार की गई जो सोमवार से प्रारंभ की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से झरिया विधानसभा कांग्रेस के प्रभारी प्रीतम रवानी, झरिया नगर कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष रत्नेश यादव, धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव अशोक बरनवाल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद सिंह चंद्रवंशी, जिला सचिव महेश शर्मा, अनुसूचित विभाग के अध्यक्ष राकेश पासवान, झरिया विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रवि सिंह, अशोक वर्णवाल, प्रीतम रवानी, प्रमोद सिंह चंद्रवंशी, अशोक चंद्रवंशी, मणि भूषण तिवारी, कमल शर्मा, कुंदन मोदक, कृष्णा पटेल, भीम निशाद, राकेश मिश्रा, राजीव पांडे, राजू महतो, पवन पांडे, संजिव सिंह, बजरंगी सिंह, प्रीति बर्मा, चांदनी कुमारी, सरजू मलाह सहित सैकड़ों कांग्रेसी उपस्थित थे।

# बांग्ला भाषा उन्नयन समिति का विजया सम्मेलन

**धनबाद (कासं) :** रविवार को झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति द्वारा विजया सम्मेलन रेलवे इंस्टीच्यूट माझेरपारा दुर्गा मंदिर में मनाया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सम्राट चौधरी एवं संचालन जिला सचिव राणा चट्टराज ने किया। सर्वप्रथम सभी ने एक दूसरे को विजया शुभकामना एवं बधाई दी। कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि बंगाली सामुदायिक का प्रमुख उत्सव दुर्गापूजा है और दशमी को विजयादशमी मानते हैं। उसी के संदर्भ में आज का कार्यक्रम रखा गया। देश नहीं पूरे दुनिया में बांग्ला संस्कृति एवं परंपरा का एक अलग पहचान रखते है। आज की युवा पीढ़ी जो अधिकतर इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ते हैं, उन बच्चों के माता-पिता से अपील करते हैं कि अपने बच्चों को बांग्ला शिक्षा एवं संस्कृति को हर हाल में अवगत कराएं। ताकि आने वाला पीढ़ी अपने संस्कृति एवं परंपरा को भूले नहीं। समिति का आगामी कार्यक्रम दिसंबर महीना को रवींद्रनाथ टैगोर नज़रुल इस्लाम एवं सुकांतो भट्टाचार्य के विषयों को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा। समिति द्वारा प्रत्येक बार की तरह इस बार भी बांग्ला जात्रा का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से कल्याण भट्टाचार्य, कल्याण घोषाल, सुशोभन चक्रवर्ती, बादल सरकार, टनि बनर्जी, कल्याण राय, जयदीप बनर्जी, बुरो विश्वास, बादल पात्र, सुमंतो मुखर्जी, बापी विश्वास, तोरूण गोस्वामी, टुबाई बनर्जी, गौरव मंडल, अमिताभ बनर्जी, अभिक घोष, सुशील घोष, अभिषेक राय, सुभाशीष गुहा व राजा चटर्जी आदि लोग शामिल थे।

## लोगों को वोटिंग करने की दिलाई गई शपथ

**धनबाद (कासं) :** विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने रविवार को न्यू टाउन हॉल में रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ बैठक की।

नगर आयुक्त ने कहा कि शहरी क्षेत्र के मतदाता मतदान में कम रुचि दिखाते हैं। जिस कारण मतदान प्रतिशत कम दर्ज होता है। उन्होंने एसोसिएशन से सोसाइटी के हर मतदाता को आगामी २० नवंबर को मतदान करने के लिए प्रेरित करने, उनके एकएक वोट का महत्व समझाने, मतदान केंद्रों में मतदाताओं के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई सुविधाओं के बारे में बताने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक के समापन पर सभी को विधानसभा चुनाव में निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने और अपने आसपास के लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई।

# लोहार विकास मंच ने की श्राद्धकर्म की व्यवस्था

**धनबाद (कासं) :** बुद्धू कर्मकार के पुत्र राजकुमार कर्मकार का निधन विगत दिनों हो गया था। वह महुदा का रहने वाला था। उनके चार पुत्री और एक पुत्र है, जो अभी छोटेछोटे हैं। इसकी जानकारी लोहार विकास मंच को यशवंत राणा के माध्यम से हुई। उन्होंने मंच से ब्रह्म भोज की व्यवस्था का प्रस्ताव रखा तो यशवंत राणा ने अध्यक्ष लखी शर्मा से यह गुहार लगाई कि उनके मौसा का परिवार इतना सक्षम नहीं है कि वह उनका ब्रह्म भोज कर सके। मंच के अध्यक्ष लखी विश्वकर्मा और उनकी टीम ने यथाशीघ्र सरसो तेल, रिफाइन मैदा, चावल, आटा, आलू आदि की व्यवस्था की गई। टेंपो के माध्यम से यशवंत राणा के भाई करण राणा को सुपुर्द किया गया। इस नेक कार्य में अरविंद विश्वकर्मा, दीपक कर्मकार, दिवाकर विश्वकर्मा, ओमकार शर्मा का योगदान रहा।

# भारतीय क्लब में लोकार्पण समारोह आयोजित

**कतरास (ससे) :** भारतीय क्लब में महादेव चटर्जी के द्वारा लिखी गई पुस्तक जुलूस के सपने और अन्य कविताओं का रविवार को जनवादी लेखक संघ के द्वारा लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉक्टर अली इमाम, डॉ मृणाल, डाक्टर अशोक कुमार, डाक्टर सत्येन्द्र, विजय कुमार झा, डाक्टर स्वामी नाथ पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुस्तक के लेखक ने बताया कि कविता संग्रह जुलूस के सपने मेरी दूसरी, प्रकाशित कविता संग्रह है।

इस संग्रह में कुल ६५ कविताएं हैं। चुकी संग्रह में पहली कविता का शीर्षक जुलूस के सपने है। इसलिए पूरे संग्रह का नाम भी जुलूस के सपने रखा गया है। मैं अपनी कविताओं के बारे में ज्यादा कुछ बोलना नहीं चाहूंगा, सिर्फ इतना ही बोल सकता हूं कि जीवन में जन्म के दिन से लगभग ८० वर्ष के उम्र तक जैसा देखता गया इसके अनुरूप मनोभावना उत्पन्न हुई। विवेक की आवाज मिलती गयी मैं दिन पर दिन लिखते गये। अत्यन्त करूण वास्तव है, पुस्तक को जिनके नाम से मैं उत्सर्ग कर रहा हूँ। स्व.चण्डी चरण चटर्जी वह मेरे सबसे छोटे भाई थे। वह मात्र २७ वर्ष के आयु में हमें छोड़कर चले गये। स्मरण करने से कष्ट होता है। इसके पीछे कुछ ईश्वर तो कुछ समाज का दायित्व तो बनता ही है। अगर मेरी कविता में इसकी अनुगूंज सुनाई पड़ता है तो आश्चर्य क्या है ? अब सवाल है, कविता के बारे में मैं क्या बोलूं ? मेरे परम विद्वान मित्र डॉ. अली ईमाम खान साहब 'जुलूस के सपने' की एक विस्तृत भूमिका प्रस्तुत कर चुके हैं।

मैं मानता हूं यह भूमिका पूरे संग्रह को एक नजर में देख लेने का एक आईना है, तो मैं और इससे अधिक क्या बोल सकता हूं। कार्यक्रम में जनवादी लेखक संघ के डॉक्टर मृणाल, विजय कुमार झा, उदय सिंह, प्रभाष मिश्रा, उमेश ऋषि, राजेंद्र प्रसाद राजा, योगेन्द्र सिंह, नारायण प्रजापति, स्वामी नाथ पाण्डेय, विकास कुमार ठाकुर, निर्मल कुमार भाष्कर, अरविंद कुमार झा, एप्टा कलाकार विष्णु सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

## आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

**धनसार (सस) :** धनसार के नई दिल्ली कॉलोनी मे कांग्रेस नेता मदन सिंह के घर पर गोलीबारी करने के आरोपी छोटू धाड़ी व राहुल पंडित के घर पर धनसार पुलिस ने रविवार को इश्तेहार चिपकाया है। बताया जाता है कि २७ फरवरी २४ को नई दिल्ली मे ओबी गिराया जा रहा था। जहां रंगदारी को लेकर इन दोनों ने ठेकेदार मनोज के साथ मारपीट कर रहे थे। मनोज भागकर कांग्रेस नेता मदन सिंह के घर मे घूस गए थे। जहां इन दोनों अपराधियों ने मदन के घर पर चढ़कर गोलीबारी की थी। जहां धनसार पुलिस ने मदन के घर के दरवाजे मे फंसे गोली भी बरामद कि थी। इस मामले में धनसार पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

# एसडीओ ने चुनाव पदाधिकारियों के संग की बैठक

**धनबाद (कासं) :** विधानसभा चुनाव को लेकर एसडीओ सह धनबाद विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसर राजेश कुमार ने धनबाद विधानसभा के सभी बूथ में एश्योर्ड मिनिमम फैसेलिटी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने



कहा कि इसमें किसी प्रकार की कमी होने पर उसे यथाशीघ्र ठीक कराते हुए सभी कमी को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया। एसडीओ ने कहा कि ५६ दिनों के भीतर सभी बूथ का फील्ड वेरिफिकेशन के पश्चात पुनः एश्योर्ड मिनिमम फैसेलिटी को लेकर एक बैठक की जाएगी। बैठक में बीडीओ सारथ पल्लवी, सीओ शशिकांत सिंकर, एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट रविन्द्र नाथ ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

# धनबाद फुटबॉल टीम ने गढ़वा को हराया

**धनबाद (कासं) :** सिजुआ स्टेडियम में आयोजित अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता में रविवार को धनबाद जिला टीम ७१ से गढ़वा को पराजित किया। धनबाद के पंकज हेंब्रम दो गोल, रवि लाल हेंब्रम, निमाई मोदी, नितेश प्रध्या, सन्नी हीरो, ईजाज ने एकएक गोल किया किया। मैच में मुख्य अतिथि बर्ड्स गार्डन स्कूल राजगंज के निदेशक सह प्रिंसिपल प्रमोद चौरसिया को संघ के कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलाउद्दीन एवं सिजुआ एजुकेशनल एंड स्पोर्ट्स क्लब के सचिव सुरेंद्र सिंह ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात सभी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी मृदुल बोस, डॉ विकास रमन, शुभंकर सरकार, सतीश सिंह, मैच कमिश्नर उदय मिश्रा आदि उपस्थित थे। निर्णायक की भूमिका अर्जुन उरांव, प्रकाश चंद्र सवैया, जोरागं एस टोपनो (सभी रांची) मनोज कुमार महतो( बोकारो) ने निभायी। सभी ने टीम की जीत पर खिलाड़ियों के साथसाथ मुख्य कोच सुभाष लोध, असिस्टेंट कोच लखन सिंह, टीम मैनेजर ताहिर अंसारी को बधाई दी। कल धनबाद बनाम रामगढ़ के बीच मैच होगा।

# भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह के पक्ष में आया मारवाड़ी युवा मंच

**झरिया (ससे) :** भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह के सम्मान में मारवाड़ी युवा झरिया समृद्धि शाखा द्वारा झरिया अग्रवाल धर्मशाला में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। मारवाड़ी युवा झरिया समृद्धि शाखा के सदस्यों ने प्रत्याशी रागिनी सिंह को पट्टा और गुलदस्ता भेंट कर जीत की अग्रिम बधाई दी। मौके पर झरिया चुनाव प्रभारी नितेश चंद्रवंशी भी उपस्थित थे। मारवाड़ी युवा झरिया समृद्धि शाखा के सदस्यों ने प्रत्याशी को समर्थन देते हुए कहा कि इस बार पूर्ण रूप से भाजपा की सरकार ही बनेगी।

चुनाव प्रभारी नितेश चंद्रवंशी ने कहा कि जामताड़ा से पार्टी की महिला प्रत्याशी सीता सोरेन के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल किया है। आदिवासी महिला सीता सोरेन को इरफान अंसारी ने रिजेक्टेड माल बोला है, उनको शर्म करनी चाहिए। इरफान अंसारी ने केवल सीता सोरेन का अपमान नहीं किया बल्कि झारखंड की बहनों और बेटियों का अपमान किया है। हर व्यक्ति हेमंत सरकार से छुटकारा पाना चाहता है। छात्रों, महिलाओं सहित हर व्यक्ति ने हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने का फैसला कर लिया है। प्रत्याशी रागिनी सिंह ने कहा कि राज्य में पिछले पांच वर्षों से गठबंधन की सरकार है। यह सरकार केवल लूट खसोट की सरकार बनकर रह गई। हमारा झरिया बहुत बहुत मायूस दिख रही है। ५ सालों में क्या खोया है। झरिया देवतुल्य जनता भली भांति जान रही है। चुनाव आते ही सड़क और नाली बनने लगा। वह भी नाली और सड़क पानी के बहाव में बह गया। भाजपा के कार्यकाल में ही राजा तालाब का फंड पास हुआ था। डीपीआर के तहत राजा तालाब का सौंदर्यकरण होना था। क्या हुआ सिर्फ लीपापोती का करने का काम किया। राज्य की जनता को बरगलाने के लिए मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की गई और पेंशन, विधवा, वृद्धा पेंशन विकलांग पेंशन योजनाओं को बंद कर दिया गया। कांग्रेस कार्यकाल में व्यापारी वर्ग अपना व्यवसाय सही नहीं कर पा रहे थे। डरे सहमे थे। रंगदारी के लिए धमकाया जाता था जब मैंने आवाज उठाया तो हमें भी धमकी मिली। सिंह मेंशन परिवार हमेशा जनता के बीच रहा है। झरिया की जनता अब जान चुकी है कौन जनता को छलने का काम किया है। भाजपा के पक्ष में मतदान कर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत कर एक अच्छी सरकार बनाए।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

# राष्ट्रीय मानवाधिकार ने पूर्णिमा नीरज सिंह को किया सम्मानित



**धनबाद (कासं) :** राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद ने झरिया विधायक सह सचेतक पूर्णिमा नीरज सिंह को कतरास मोड़ स्थित कार्यालय में स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। बता दें कि राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद एक प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्था है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा एवं विविध सामाजिक सरोकारों में बेहतरीन कार्य करनेवाले समाजसेवियों को सम्मानित कर उनका प्रोत्साहन बढ़ाती है। परिषद के धनबाद जिला अध्यक्ष लखन विश्वकर्मा ने कहा झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह की कार्यशैली से हम सब बहुत प्रभावित हैं। उनका समाज के प्रति लगाव देखकर हम सबको प्रेरणा मिलती है कि वे न दिन देखतीं हैं न रात, अपने लोगों के लिए हमेशा प्रतिबद्धता से समर्पित रहतीं हैं। हम उनके इस जज्बे को सलाम करते हैं। परिषद् के महासचिव अशोक पाण्डेय ने कहा विधायक के द्वारा झरिया में हुए विकास कार्यों ने पूरे झरिया को एक नया भविष्य दिया है जहाँ कभी पूरे झरिया को हटाने की बात कही जाती थी अब यहां अस्पताल, कॉलेज आदि की सुविधा वापस लौटी और झरिया के लोगों का हौसला बढ़ा कि हम सुरक्षित नेतृत्त्व में हैं. विधायक के सामाज सेवा के भाव को दर्शाता है और उन्हें सम्मानित कर यह संस्था स्वयं सम्मानित हुई है। विधायक ने परिषद के प्रति आभार जताते हुए कहा यह झरिया की जनता का सम्मान है और उनके स्नेह, प्यार और भरोसे ने ऐसे कई मौके दिए हैं और भविष्य में और भी मौके देंगे।

विधायक ने आगे कहा मैंने झरिया के विकास का जो बीड़ा उठाया है, उसे हर हाल में पूरा करके रहूँगी और अब तक जो वायदे हमने किए थे, उसे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पूरा किया है। आगे के कार्यों के लिए भी प्रतिबद्ध हूँ। मौके पर परिषद के मीडिया प्रभारी उमेश सिंह, झरिया सचिव राकेश गुप्ता, श्याम प्रसाद, मनोरजंन सिंह और बबलू कुमार आदि शामिल रहे।

## निर्दलीय प्रत्याशी कुणाल करेंगे नामांकन आज

**धनबाद (कासं) :** आवासीय कार्यालय में प्रेस वार्ता कर कुणाल कुमार ने बताया कि सोमवार को धनबाद विधानसभा सभा के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन करेंगे। श्री कुमार ने कहा वर्तमान में कुपोषण, एनीमिया, अशिक्षा, उच्च गुणवत्ता का प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा का अभाव नतीजा कौशल विकसित तथा तर्कशील मानव संसाधन, स्वास्थ्य सेवा में समानता तथा स्वास्थ्य संरचना आदि का अभाव है। स्वास्थ्य क्षेत्र में धनबाद विधानसभा अंतर्गत सुपर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, स्टील गेट, धनबाद और एसएसएलएनटी अस्पताल हावड़ा मोटर, पुराना बजार, धनबाद को सुचारू रूप से चालू करेंगे तथा हर वार्डपंचायत में १० बेड का स्थानीय अस्पताल की स्थापना। रोजगार-रोजगाबाद विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत पांच हजार दुकान बनाकर छोटेछोटे दुकानदारों को दिया जायेगा।

# झारखंड में अराजकता का माहौल : रागिनी सिंह



**झरिया (ससे) :** भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह रविवार को झरिया के पुराना बालिका विद्या मंदिर, ४ नंबर सब्जी बगान, लिलौरी पथरा, भौरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान चलाकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की ग्रामीणों से अपील की। जनसंपर्क के दौरान सब्जी बगान में ग्रामीणों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने प्रत्याशी को बिजलीपानी जैसे मूलभूत समस्याओं से अवगत कराया। महिलाओं ने बताया कि सब्जी बगान का रास्ता पाइप बिछाने के दौरान सड़क को बर्बाद कर दिया। आमजनों को आने जाने में काफी दिक्कत उठाना पड़ रहा है। पाइप बिछा कर सिर्फ छोड़ दिया गया है। लोग यही आस लगाए हुए है कि पाइप से पानी कब गिरेगा।

बैठक में रागिनी सिंह ने कहा कि झारखंड में राज्य में अराजकता का माहौल है। विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का बोलबाला है। भाजपा की सरकार में सरकार की हर घर नल जल योजना का फंड पास हुआ था। भाजपा की योजना था इसलिए झारखंड सरकार ने धरातल पर नहीं उतारा।

पाईप बिछाकर सिर्फ ये लोग सिर्फ जनता का पैसा लूटने का काम किया है। भाजपा की सरकार बनते ही हर घर नल जल योजना पर पहले प्राथमिकता होगी कि हर घरों पानी पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा झारखंड का निर्माण किया है। विकास भी भाजपा ही कर सकती है। वर्तमान में राज्य के लोग बदलाव के मुड में है। भाजपा के पक्ष में वोट देकर भ्रष्टाचार सरकार को उखाड़ फेंके।

# दिलीप सिंह के आवासीय कार्यालय पहुंचे राज सिन्हा



**धनबाद (कासं) :** भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा रविवार को जनसंपर्क अभियान के दौरान युवा नेता दिलीप सिंह के आवासीय कार्यालय गाँधी रोड पहुंचे। दिलीप सिंह के नेतृत्व में युवा संघर्ष मोर्चा के कार्यकर्ताओं राज सिन्हा का माला पहनाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर राज सिन्हा ने समाजसेवा के क्षेत्र में दिलीप सिंह एवं उनके संगठन युवा संघर्ष मोर्चा के सदस्यों के निरंतर बढ़चढ़कर गरीब जरूरतमंदों के मदद को आतुर रहने की भावना की प्रशंसा की। राज सिन्हा ने कहा कि दिलीप सिंह युवाओं को साथ लेकर चलने का काम कर रहे हैं। दिलीप सिंह युवा शक्ति के रूप में पहचान बनाई है.युवाओं के प्रति उनके सकारात्मक सोंच की सरहाना करते हैं.आनेवाले चुनाव में निश्चित तौर पर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने जा रही है. सरकार बनते ही युवाओ के लिए रोजगार,शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना हमारी सरकार की प्राथमिकता होगी यह विश्वास दिलाता हूँ।

उन्होंने कहा कि धनबाद समेत राज्य में अपराध चरम पर है. लोग भय के माहौल में जी रहे हैं। प्रदेश में अपराध को नियंत्रित करने के लिए वर्तमान सरकार का जाना जरुरी है और जनता भी यह मन बना चुकी है. फिर से नया सवेरा होगा और यह झारखण्ड भाजपा के सरकार में खुशहाल झारखण्ड की ओर बढ़ेगा. समाजसेवियों उदय प्रताप सिंह ने समारोह को सम्बोधित कर कहा कि आने वाला समय बहुत ही कठिन निर्णायक समय है,अपना कीमती वोट सोच समझकर दे.युवाओं के बेहतरी के लिए कार्य करने के दिशा में राज सिन्हा के किए गए वादे के लिए दिलीप सिंह ने राज सिन्हा का धन्यवाद किया. कोरोना काल से जरूरतमंदो की मदद करते आ रहे समाजसेवी दिलीप सिंह एवं उनके साथ के युवा साथियों को राज सिन्हा ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. स्वागत समारोह का संचालन रीपू सिंह ने किया.मौक़े पर मनोज सिंह, गोलू सिंह, रत्नेश साहू, संतोष सिंह, मनोज राय, गिरि जी, लालबाबू प्रसाद सिंह, पिंटू मोदी, ब्रजेश कुमार, सुजीत सिन्हा, विकास कुमार, राजीव साहू उपस्थित हुए।

# ठेका मजदूरों के लिए बोनस का आया बड़ा अपडेट

**धनबाद (कासं) :** देश की कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया में ठेका मजदूरों के बोनस को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। सूचना के अनुसार कोल इंडिया ने ठेका मजदूरों के बोनस भुगतान से संबंधित लेटर जारी कर दिया है। सूत्र बताते हैं कि शुक्रवार को हुई कोल इंडिया बोर्ड की बैठक में बोनस भुगतान का निर्णय लिया गया था। इस काम में तेजी लाते हुए शनिवार को ही पत्र सभी अनुषंगी कंपनियों को जारी कर दिया गया। सभी ठेका मजदूरों को साल भर के वेतन का ८.३३ प्रतिशत यानी लगभग एक महीने का वेतन बोनस के रूप में मिलेगा।

कोल इंडिया एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों में लगभग ९५ हजार ऑन रिकॉर्ड ठेका मजदूर हैं। इसके अलावा भी ऑफ रिकॉर्ड ठेका मजदूर काम करते हैं। ऑन रिकॉर्ड ९५,००० हजार ठेका मजदूरों में ४० हजार के लगभग झारखंड में है। यह सवाल भी उठ रहे हैं कि क्या विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता के कारण कोई पेंच फंस सकता है .लेकिन इस संबंध में ट्रेड यूनियन नेताओं का कहना है की बोनस भुगतान हर वर्ष होता है। इसलिए इसमें कोई परेशानी नहीं आएगी। यह भी पता चला है की माइनिंग से जुड़े ठेका मजदूरों को ही बोनस भुगतान का निर्णय लिया गया है। अब गैर माइनिंग ठेका मजदूरो के बोनस के लिए भी मांग तेज होगी. यह रकम दिवाली के पहले भुगतान करने को कहा गया है।

# ट्रक के धक्के से बाइक सवार घायल

**तोपचांची (ससे) :** तोपचांची बाजार में रविवार की शाम तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। युवक अरुण महतो महुदा की कांड्रा बस्ती का रहने वाला है। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, युवक अपनी बाइक से राजगंज की ओर से आ रहा था, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे चपेट में ले लिया। युवक ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उसकी जान बच गई। तोपचांची पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांचपड़ताल में जुट गई है।

# अपना दीया अपनी दीवाली कार्यक्रम का उद्घाटन



**धनबाद (कासं) :** दीवाली के अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ९९ ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ के द्वारा मेमको मोड़ में अपना दीया अपनी दीवाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वही कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन ई सी रेलवे के सीनियर डीपीओ अजित कुमार, सीनियर डीएफएम राहुल कुमार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सीनियर मैनेजर पल्लवी परासर, सीआरपीएफ की डिप्टी कमांडेंट प्रतिभा यादव संत जेवियर स्कूल के सुजय चटरजी, कविता सरकार और ९९ ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ के सीएमडी श्याम पांडेय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। वही २७ अक्टूबर से ३० अक्टूबर तक चलनेवाले इस आयोजन का थीम वर्ल्ड कप रखा गया है। वही इस मौके पर कार्यक्रम में आये अतिथियों के अलावे सेंट जेवियर्स इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने भी अपने हाथों से मिट्टी के दिये बनाये। वही इस मौके पर कार्यक्रम में आये अतिथियों ने ९९ ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की।

## जोगता में पुलिस का फ्लेग मार्च

**कतरास (ससे) :** चुनाव को लेकर विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर जोगता थाना प्रभारी जोगिंदर कुमार के नेतृत्व मे फ्लेग मार्च निकाला गया। थाना के पदाधिकारी ओर जवान शामिल थे ,वही थाना प्रभारी ने चुनाव के दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं पुलिस को सहयोग करने की जनता से अपील की।,

इस दौरान जोगता थाना से शुरू होकर फ्लैग मार्च टाटा सिजुआ, भद्रीचक, १० नंबर मोड़ और नया मोड़ से होते हुए निकाला गया, कई जगहों पर थाना प्रभारी जोगिंदर कुमार ने लोगों से शांतिपूर्ण ढंग चुनाव संपन्न कराने में प्रशासन कि मदद करने की अपील की।

# सपा प्रत्याशी सूरज महतो करेंगे नामांकन आज

**कतरास (ससे) :** जन शक्ति दल के सुप्रीमो सूरज महतो ने बताया कि समाजवादी पार्टी के बैनर तले नामांकन बाघमारा विधानसभा से सोमवार २८ तारीख को सुबह ९ बजे करेंगे। उनके साथ टुंडी विधानसभा से सपा प्रत्यासी के रूप में अजमूल अंसारी भी नामांकन करेंगे। यह जानकारी श्री महतो ने कांको स्थित जन शक्ति दल के कार्यालय में रविवार को दिया। इस मौके पर सपा प्रत्याशी सूरज महतो ने कहा कि



बाघमारा विधानसभा में फैले अराजकता, बेरोजगारी, लूट खसोट इत्यादि को दूर करने के लिए एवं माता बहनों के मान सम्मान के लिए चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. श्री महतो ने कहा की बाघमारा विधानसभा के मतदाताओं, माताओं बहनों एवं भाइयों से बाघमारा के विकास के लिए आशीर्वाद स्वरूप वोट दे कर विजय बनाए।

# पुलिस ने गिट्टी लोड डंपर को पकड़कर छोड़ा



**जामाडोबा (ससे) :** रविवार को सुदामडीह थाना क्षेत्र के नुनूडीह में खनन विभाग ने गिट्टी लोड डंपर को पकड़ कर जोड़ापोखर पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। बिना चालान की बलियापुर से बड़े पैमाने पर गिट्टी की खपत होता है। पिछले दिनों एक वाहन को गिट्टी के साथ पकड़ा गया था। काफी पैरवीकारों के चलते पुलिस को छोड़ना पड़ा। आज करीब १० बजे खनन विभाग की टीम जोड़ापोखर एवं अंचल जोड़ापोखर में सर्च अभियान चलाया। इसके बाद नुनूडीह में गिट्टी लोड डंपर को पकड़ा और जोडापोखर थाना को सुपुर्द कर दिया है। ज्ञात हो कि एक सप्ताह पूर्व सीआईएसएफ जेलगोड़ा यूनिट के विजय कुमार शर्मा ने बरारी बन्द रोपवे में छापेमारी कर जेसीबी मशीन सहित दो बोलेरो पर लोहा लोड के साथ पकड़ा था। पुनः बालू खनन माफिया बालू की तस्करी कर रहे हैं। इधर गिट्टी लोड डंपर पकड़ाने के बाद डिगवाडीह और शालीमार के सफेदपोश नेता थाना के आसपास घुम रहे हैं।

# धनबाद क्रिकेट संघ की बैठक



**धनबाद (कासं) :** धनबाद में आयोजित कूच बिहार ट्रॉफी के दो मैचों के आयोजन को लेकर रविवार को धनबाद क्रिकेट संघ की प्रबंध समिति की बैठक हुई। धनबाद क्लब में आयोजित इस बैठक में आयोजन पर चर्चा की गई और पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। टाटा डिगवाडीह स्टेडियम में दोनों मैच खेले जाएंगे। पहला मैच छह से नौ नवंबर तक झारखंड और राजस्थान के बीच जबकि दूसरा मैच २८ नवंबर से एक दिसंबर तक महाराष्ट्र के बीच खेला जाएगा।

बैठक में इसके अलावा डीसीए के नए क्रिकेट सत्र के आयोजन को लेकर भी चर्चा की गई। पहले टूर्नामेंट २८ अक्टूबर से शुरू करने की योजना थी, लेकिन वर्षा की वजह से ग्राउंड तैयार नहीं हो पाने के कारण फिलहाल इसे टाल दिया गया है। इसके अलावा प्लेइंग कंडीशन में बदलाव को लेकर आई संबंधित कमेटी की रिपोर्ट की प्रबंध समिति की स्वीकृति मिल गई। प्रबंध समिति ने धनबाद की अनंदिता किशोर को वीमेंस अंडर-१९ चैलेंजर ट्राफी के लिए इंडिया सी टीम में चुने जाने पर बधाई दी।

बैठक में अध्यक्ष मनोज कुमार, महासचिव उत्तम विश्वास, जेएससीए के कार्यकारिणी सदस्य बिनय कुमार सिंह, डीसीए के वरीय उपाध्यक्ष साधवेंद्र सिंह, उपाध्यक्षों में रविजीत सिंह डांग, संजीव झा, जावेद खान, कोषाध्यक्ष ललित जगनानी, सहायक कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, संयुक्त सचिव बीएच खान, सहायक सचिवों में धर्मेंद्र कुमार, अभिजीत घोष व रत्नेश कुमार सिंह के अलावा राजन सिन्हा, डा. राजशेखर सिंह, संजीव राणा, सुधीर पांडेय, जितेंद्र कुमार सिंह, मनीष कुमार, महेश गोराई आदि उपस्थित थे।

# सिर्फ चुनाव में ही होती है झरिया बचाने की बात : जहीरूद्दीन

**जोड़ापोखर/जामाडोबा (ससे) :** जबजब चुनाव आता है झरिया बचाने की बात की जाती है, परंतु झरिया उजड़ती जा रही है और स्थिति यह है कि यह अपनी अंतिम घड़ी गिन रहा है यानी वेंटिलेशन पर है। झरिया बचाने की बात करने वाले ही झरिया को लूटने का काम किया है। उक्त बातें प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राष्ट्रीय जन क्रांति मोर्चा झरिया विधानसभा प्रत्याशी जहीरूद्दीन खान ने कही। श्री खान ने कहा कि झरिया को बचाने की बात झूठा आश्वासन और वोट लेने का एक तरीका है। इसलिए उन्होंने कहा कि अगर उन्हें झरिया विधानसभा की जनता ने नेतृत्व प्रदान किया तो न्यू झरिया धनबाद शहर के आसपास पूरी सुविधा के साथ बसाने के लिए पहल होगी और इसे अमली जामा पहनाया जाएगा। न्यू झरिया बनने पर झरिया की जनता स्वतः इस झरिया को छोड़कर चली जाएगी। जहां जान माल सुरक्षित रहेगा और सरकार को भी फायदा होगा।

सरकार भी काफी तेजी से जल रहे कीमती कोयले को निकाल कर मालामाल हो जाएगी। इस प्रकार न्यू झरिया बनने पर कोई विरोध भी नहीं होगा और उन राजनीतज्ञों की दुकान बंद हो जाएगी जो झरिया को लूट रहे हैं।

बचाने के नाम पर श्री खान ने यह पूछे जाने पर कि आप अपनी टक्कर किससे मानते हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उनकी टक्कर सीधे-सीधे उन माफिया शक्तियों से है जिन्होंने झरिया को बरसों से लूटने का काम किया और एकबार फिर चुनावी मैदान में हैं। श्री खान ने कहा कि झरिया में सर्वाधिक समस्या विस्थापन के साथसाथ लोगों की जान और माल को बचाना पानी प्रदूषण की है।

इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित राष्ट्रीय जन क्रांति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अब्दुल मोबिन रिजवी ने कहा कि झारखंड में तीसरा मोर्चा में हमारी पार्टी राष्ट्रीय जन क्रांति मोर्चा शामिल है। १५ राजनीतिक दलों का घटक दल मिलकर पूरे झारखंड की ८१ सीट पर चुनाव लड़ रहा है। झारखंड के २५ वर्षों के इतिहास में १३ मुख्यमंत्री बन चुके है यह झारखंड का दुर्भाग्य है। यहां बेरोजगारी की प्रमुख समस्या है लोग बाहर जाते हैं प्रवासी मजदूर के रूप में और मौत को गले लगाते हैं। उन्होंने कहा कि उनका घटक इसबार चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने जा रहा है।



उन्होंने कहा कि झरिया में हमने वरिष्ठ पत्रकार जहीरूद्दीन खान को अपना प्रत्याशी बनाया है जिनकी झरिया विधानसभा में अच्छी पकड़ है। बुद्धिजीवियों के बीच हर जाति और समाज के बीच इसलिए यहां हमारी जीत सुनिश्चित है।

इस मौके पर मुख्य रूप से स्वर्णिम नारी शक्ति सुरक्षा फाउंडेशन की चेयरपर्सन माया पांडे, रूबी सिंह, मुजफ्फर हुसैन, शिव शंकर यादव, नौशाद खान, जमाल खान आदि ने सशक्त प्रत्याशी जहीरूद्दीन को जीत की अग्रिम बधाई दी।

# धनबाद में पार्टी अधिकृत तो बागी भी करेंगे नामांकन

**धनबाद (कासं) :** दूसरे चरण की वोटिंग का २९ अक्टूबर को नामांकन की आखिरी तारीख है। २८ अक्टूबर को झरिया से भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह, निरसा से भाजपा प्रत्याशी अपर्णा सेनगुप्ता सहित कई लोग नामांकन करेंगे। सिंदरी सीट से अब माले के उम्मीदवार के तौर पर बबलू महतो भी नामांकन कर सकते है। कांग्रेस ने तो अभी बोकारो और धनबाद में प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। इधर, सूचना आ रही है कि कई नाराज लोग भी नामांकन सोमवार को कर सकते है। इसमें बाघमारा से अभी हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए रोहित यादव का नाम भी लिया जा रहा है. उधर, यह भी चर्चा है कि दीप नारायण सिंह सोमवार को टुंडी विधानसभा से जदयू के खाते में नामांकन करेंगे। टुंडी सीट पर भी भाजपा ने अभी किसी को उम्मीदवार नहीं बनाया है।

यह सीट भाजपा के खाते में जरूर आ गई है। लेकिन कहा जाता है कि सुदेश महतो सिल्ली के अलावा टुंडी से भी चुनाव लड़ सकते है। भाजपा ने उन्हें समय दिया है कि वह अपना निर्णय फाइनल करे। सूत्र यह भी बताते हैं कि अगर सुदेश महतो खुद टुंडी से चुनाव लड़ेंगे तो भाजपा टुंडी सीट छोड़ सकती है। वैसे, जानकारी यह भी है कि सुदेश महतो टुंडी सीट को लेकर अपने विश्वसनीय समर्थकों से सर्वे करा रहे है। जानना चाह रहे हैं कि टुंडी सीट उनके लिए कितनी हितकारी साबित होगी। वैसे, गठबंधन में आजसू को झारखंड में १० सीट मिली है। अगर टुंडी भी आजसू के खाते में चली जाए, तो यह संख्या बढ़कर ११ हो सकती है। यह बात अलग है कि इस बार आजसू भी बगावत का दश झेल रही है।

कई लोग पार्टी से बगावत कर दूसरे दलों में जाकर चुनाव लड़ रहे है। २०१९ में आजसू-भाजपा का गठबंधन नहीं था। लेकिन २०२४ में फिर एक बार गठबंधन बना है। लेकिन टुंडी सीट पर सस्पेंस बना हुआ है. बोकारो और धनबाद सीट को लेकर भी कांग्रेस में सस्पेंस बना हुआ है। जानकारी मिली है कि कांग्रेस प्रदेश प्रभारी शनिवार को रांची से दिल्ली गए है. उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष भी गए है. हो सकता है कि टिकट पर बात फाइनल हो जाए. वैसे ,सूत्र यह भी बताते हैं कि अब प्रदेश के नेताओं के हाथ में कुछ नहीं है। सूची आलाकमान को सौंप दी गई है और वही इस पर फाइनल निर्णय ले सकता है।

# बालू उठा कर निकल रहे ट्रैक्टर को प्रशासन ने रोका

**धनबाद (कासं) :** चिरकुण्डा पुलिस द्वारा डुमरकुंडा बालू घाट से बालू लेकर निकल रहे ट्रैक्टर को रोके जाने पर ट्रेक्टर मालिकों ने थाना प्रभारी रामजी राय के समक्ष आपत्ती जतायी। ट्रैक्टर मालिकों ने कहा की डुमरकुंडा दक्षिण पंचायत के मुखिया संगीता पासवान द्वारा जारी सरकारी चालान मिलने के बाद हमलोग ट्रैक्टर चला रहे है। फिर प्रशासन द्वारा क्यों रोका जा रहा है। मौके पर मौजूद थाना प्रभारी श्रीराय ने कहा कि उन्हें निरसा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर गाड़ियों को रोका गया है। इसी दौरान एसडीपीओ रजत मणिक बाखला भी पहुंचे तथा चालान की जांच की जांचोपरान्त उन्होंने कहा की उन्हें सुचना मिली थी की मुखिया द्वारा जारी चालान का ट्रैक्टर मालिकों द्वारा दुरूपयोग किया जा रहा है। ट्रेक्टरो के माध्यम से बालू का व्यवशायीकरण किया जा रहा है। इस संदर्भ में एग्यारकुंड सीओ कृष्ण कुमार मरांडी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया की जिन्हे चालान दिया जा रहा है। उन्हें बालू की आपूर्ति करनी है मगर सुचना के अनुसार अगर बालू का व्यवशायिकरण किया जा रहा है वह गलत है। थाना प्रभारी को चालान का जांच करने का निर्देश दिया गया है। ताकि इसका व्यवशायिकरण ना हो अंत में सभी ट्रेक्टर को छोड़ दिया गया तथा चालान का जांच करने हेतु सभी नव चालान को जब्त किया गया जिसकी जांच जारी हैं।

# संपादकीय

## उमर के लिए चुनौतियों से भरी राह...



जम्मू-कश्मीर में लंबे समय के बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव कराए गए और वहां की जनता की चुनी हुई सरकार सत्ता में आई। यह उम्मीद की गई कि वहां अब लोकतंत्र की नई बयार बहेगी और स्थानीय लोगों को अपनी अन्य समस्याओं के साथ सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद से राहत मिलने का रास्ता खुलेगा। मगर जम्मू-कश्मीर में सरकार के गठन के बाद आतंकवादी संगठनों ने जिस तरह सुनियोजित तरीके से लगातार हमला करना शुरू कर दिया है, उससे ऐसा लगता है कि इन हमलों के जरिए वे यह संदेश देना चाह रहे हैं कि वहां सरकार का स्वरूप चाहे जो हो, मगर आतंकवादी उसके सामने चुनौती खड़ी करेंगे। यों प्रदेश में आतंकी हमले कभी कम कभी ज्यादा के स्वरूप में होते रहे हैं, लेकिन हाल में लगातार लक्ष्य बना कर हत्या करने से लेकर सुरक्षा बलों पर हमले जैसी कई घटनाएं सामने आई। इससे साफ लगता है कि आतंकवादी समूह अब हताशा के गर्त में गहरे डूब कर बेलगाम हो रहे हैं।

गौरतलब है कि गुरुवार को सेना के एक वाहन पर आतंकवादियों ने घात लगा कर हमला किया, जिसमें दो जवान शहीद हो गए और उस टुकड़ी के साथ कुली का काम करने वाले दो अन्य लोगों की भी जान चली गई। कई लोगों को बुरी तरह घायल अवस्था में अस्पतालों में दाखिल कराया गया। दूसरी ओर, त्राल इलाके में एक प्रवासी मजदूर पर भी गोलीबारी की गई, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। इससे पहले हाल ही में 20 अक्तूबर को गांदरबल और 18 अक्तूबर को शोपियां में आतंकियों ने लक्षित हमले करके सात लोगों की हत्या कर दी थी।

जम्मू-कश्मीर में एक चुनी हुई सरकार के काम करना शुरू करने के बाद हाल के कुछ दिनों के दौरान आतंकवादियों ने जिस तरह लगातार लक्ष्य बना कर प्रवासी मजदूरों के साथ-साथ वहां के स्थानीय लोगों और सुरक्षा बलों की हत्या करना तेज कर दिया हैं, उससे एक अलग आशंका खड़ी होती है। आतंकी संगठनों के हमले में सुरक्षा बलों की शहादत हो रही है और प्रवासी मजदूरों की जान जा रही। ऐसा करके शायद यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि प्रदेश आतंकवाद से बुरी तरह प्रभावित है और वहां के निवासी हमेशा जोखिम में हैं।हैरानी की बात यह है कि ये उन्हीं अलगाववादी संगठनों से जुड़े लोग हैं, जो वहां की आबादी के हित में लड़ाई लड़ने का दावा करते रहते हैं और स्थानीय लोगों को बरगलाने की कोशिश भी करते हैं। सवाल है कि आए दिन सुरक्षा बलों के शिविरों से लेकर अन्य राज्यों से रोजी-रोटी की तलाश में पहुंचे लोगों की हत्या करके उनका मकसद कैसे पूरा हो जाएगा या वे वहां किस तरह का भविष्य बनाएंगे!

हालांकि यह साफ है कि कश्मीर के इलाके में जैसे-जैसे उनकी जड़ कमजोर हो रही है, स्थानीय आबादी के बीच आतंकियों की जगह खत्म हो रही है और लोकतंत्र के प्रति समर्थन तेजी से बढ़ रहा है, वैसे-वैसे आतंकवादी संगठनों के बीच हताशा गहरा रही है। यह चुनावों के दौरान भी साफ दिखा कि जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी राजनीति के असर या आतंकवाद के डर को धता बता कर आम लोगों ने बढ़-चढ़ कर मतदान किया और अपनी पसंद की सरकार बनाई। अब लोगों को यह भी उम्मीद है कि नई सरकार आतंक के माहौल से भी उन्हें छुटकारा दिलाएगी। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि केंद्र और जम्मू-कश्मीर की सरकार सुरक्षा बलों के साथ उचित तालमेल बना कर प्रदेश में आतंकी तत्वों से निपटने के लिए एक व्यापक कार्ययोजना और नई रणनीति पर काम करे।

## चार हजार तीन सौ टन उपग्रहीय कचरा



दुनिया भर में धरती पर कचरे की वजह से प्रदूषण से लेकर अन्य गंभीर समस्याएं चुनौती बनी हुई हैं। मगर यह समस्या केवल धरती तक सीमित नहीं है। मनुष्य की गतिविधियां अंतरिक्ष में भी कचरा फैला रही हैं। विडंबना यह है कि इसकी चिंता वे बड़े देश भी नहीं कर रहे जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। खासतौर पर अमेरिका, चीन, रूस और फ्रांस जैसे कुछ देशों ने जिस तरह प्रयोगों के मामले में होड़ मचाई है, उसी का नतीजा है कि आज अंतरिक्ष में हजारों टन कचरा पृथ्वी की कक्षा के लिए खतरा बन गया है। दूसरे ग्रहों पर जीवन और पानी खोज में या एक दूसरे की जासूसी के लिए सैन्य तथा दूरसंचार उपग्रह आज भी लगातार छोड़े जा रहे हैं। चिंता की बात है कि इनमें से ज्यादातर अपना निर्धारित समय पूरा होने के बाद कबाड़ में बदल जाते हैं। पृथ्वी की कक्षा में इनके आने से स्वाभाविक रूप से जोखिम बढ़ जाता है। इस समय अंतरिक्ष में बड़ी संख्या में निष्क्रिय उपग्रह और राकेट हैं जो आपस में टकरा कर न केवल अंतरिक्ष स्टेशन, बल्कि पृथ्वी के लिए भी खतरा बन सकते हैं। इस समय चार हजार तीन सौ टन उपग्रहीय कचरा मौजूद है। पचास के दशक में शुरू हुआ अंतरिक्ष युग का सुनहरा दौर एक बुरे सपने में बदल जाएगा, यह किसने सोचा था। पिछले दिनों एक अमेरिकी संचार उपग्रह के बीस टुकड़े में बंटने के बाद यह बहस हो रही है कि अब इसके कबाड़ का क्या होगा? अंतरिक्ष में कचरे की पहचान करना और उन्हें नष्ट करना आज भी वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। जितनी बड़ी संख्या में अंतरिक्ष कबाड़ खिसकते हुए पृथ्वी की कक्षा में चले आए हैं, वह सचमुच डरावना है। यह कचरा धरती पर गिरा तो भारी तबाही मच सकती है। अमेरिकी संचार उपग्रह 'इंटेलसैट-33 ई' का अपनी कक्षा में टूट जाना कोई सामान्य घटना नहीं। चिंताजनक यह है कि इसके मलबे के इतने हिस्से बने होंगे कि इसको देख पाना भी मुश्किल होगा। यह अकेली घटना नहीं है। इससे पहले भेजे गए कई उपग्रह प्रयोग में आने के बाद कबाड़ हो चुके हैं। नासा का कहना है कि बीस हजार से अधिक कबाड़ पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं। सवाल यह है कि जिन देशों की वजह से अंतरिक्ष में मलबा जमा हो रहा है, उनकी कोई जिम्मेदारी है कि नहीं?

## आज का कार्टून




## भारत-जर्मनी के निरंतर प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्ध

**भारत और जर्मनी के बीच 18 डाक्यूमेंट्स पर साझा सहमति बनी है। जिसमें म्युचुअल लीगल असिस्टेंट इन क्रिमिनल मैटर्स, क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन, ग्रीन हाइड्रोजन रोड मैप, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर रोड मैप, श्रम और रोजगार, अडवांस मटीरियल्स में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट को लेकर सहयोग, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप, के साथ स्किल डिवेलपमेंट और वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग में सहयोग सहमति बनी है, जिससे न सिर्फ दोनों देश लाभान्वित होंगे बल्कि समकालीन विश्व के देशों को भी इससे फायदा पहुंचेगा। क्योंकि भारत हमेशा तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की बात करता आया है। वहीं, भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है।**

**कमलेश पांडे**

भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है।

भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय सम्बन्ध वैसे नहीं हैं, जैसे भारत और फ्रांस के हैं, भारत और इजरायल के हैं, भारत और जापान के हैं या फिर भारत और ऑस्ट्रेलिया के हैं। यही नहीं, भारत और जर्मनी के आपसी सम्बन्ध भारत और अमेरिका या भारत और इंग्लैंड जैसे भी नहीं हैं। इसलिए भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाना दोनों देशों के नेतृत्व के लिए बहुत जरूरी है। बहुचर्चित तानाशाह हिटलर की भूमि जर्मनी में भारत और भारतीयों की दिलचस्पी स्वाभाविक है। जर्मनी से भारत के प्रगाढ़ रिश्ते इसलिए भी जरूरी हैं, ताकि पारस्परिक कारोबार बढ़े और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को एक और दिलाजिज मित्र का साथ मिले, उसी तरह से जैसे कि फ्रांस देता आया है।

हालांकि, गत दिनों भारत के दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और इंडिया के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच जो रणनीतिक बातचीत हुई है, उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि जर्मनी का नेतृत्व भी वैश्विक नजाकत और जरूरत को देखते हुए भारत के प्रति अपने पुराने रुख में बदलाव ला रहा है, जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। वास्तव में, फोकस ऑन इंडिया और लेबर स्ट्रैटिजी नाम से जारी दो जर्मन रिपोर्ट्स में इस बात का जिक्र किया जा चुका है कि जर्मनी में भारतीय मूल के ढाई लाख लोग हैं, जिनमें छात्र और स्किल्ड प्रोफेशनल्स शामिल हैं। हालिया वर्षों में यह संख्या दुगुनी हुई है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इसे समझा है और भारत के दौरे के क्रम में कहा भी है कि दुनिया में हमें मित्रों और सहयोगियों की आवश्यकता है- जैसे भारत और जर्मनी हैं। प्रिय मोदी जी, नई दिल्ली में स्नेहपूर्वक स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद। चूंकि जर्मनी में भारत से नजदीकी सम्बन्धों पर पार्टी लाइन से अलग सामूहिक राजनीतिक सोच सामने आई है। क्योंकि दोनों देशों के बीच माइग्रेशन रिश्तों की अहम कड़ी बनकर उभरा है। इसलिए दोनों देशों के बदलते और नव प्रगाढ़ हो रहे द्विपक्षीय सम्बन्धों के अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ को समझने की जरूरत है।

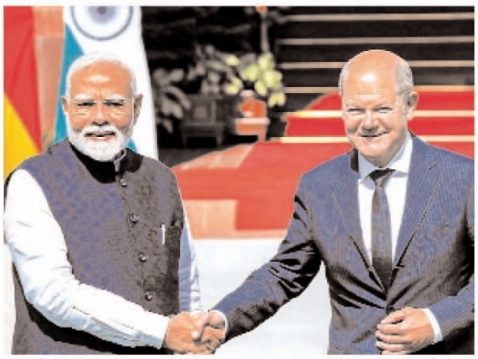

पहला, भारत और जर्मनी के बीच 18 डाक्यूमेंट्स पर साझा सहमति बनी है। जिसमें म्युचुअल लीगल असिस्टेंट इन क्रिमिनल मैटर्स, क्लासिफाइड इन्फॉर्मेशन, ग्रीन हाइड्रोजन रोड मैप, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन पर रोड मैप, श्रम और रोजगार, अडवांस मटीरियल्स में रिसर्च एंड डिवेलपमेंट को लेकर सहयोग, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप, के साथ स्किल डिवेलपमेंट और वोकेशनल एडुकेशन एंड ट्रेनिंग में सहयोग सहमति बनी है, जिससे न सिर्फ दोनों देश लाभान्वित होंगे बल्कि समकालीन विश्व के देशों को भी इससे फायदा पहुंचेगा। क्योंकि भारत हमेशा तीसरी दुनिया के देशों यानी ग्लोबल साउथ की बात करता आया है। वहीं, भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिस तरह से यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को द्विपक्षीय चिंता का विषय बताया और वैश्विक संघर्षों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर आधारित राजनीतिक समाधान की वकालत की, उसका अपना कूटनीतिक महत्व है। वहीं, उनका यह कहना कि 20वीं सदी में स्थापित वैश्विक मंच 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए सुरक्षा परिषद सहित विभिन्न बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता है।



एक बात और, समसामयिक दुनिया जिस तरह से तनाव, संघर्ष और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, उसके दृष्टिगत भी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में कानून के शासन और नौवहन की स्वतंत्रता को लेकर गम्भीर चिंताएं हैं। ऐसे समय मे भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत सहारे के रूप में उभरी है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने जर्मनी से घोषित फोकस ऑन इंडिया रणनीति का स्वागत करते हुए कहा है कि, मुझे खुशी है कि अपनी साझेदारी को विस्तार देने और बढ़ाने के लिए हम कई नई और महत्वपूर्ण पहल कर रहे हैं। क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नॉलजी, स्किल डिवेलपमेंट और इनोवेशन पर सरकार की अप्रोच को लेकर सहमति बनी है। इससे एआई (द्व) सेमीकंडक्टर और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बल मिलेगा। वहीं, रक्षा क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है।

वहीं, पीएम ने गोपनीय सूचनाओं (क्लासिफाइड इन्फर्मेशन) पर सामने आए समझौतों को बेहद अहम बताया। जबकि साझा लीगल असिस्टेंट ट्रीटी को आतंकवादी और अलगाववादी तत्वों से निपटने की दिशा में अहम कदम करार दिया। साथ ही कहा कि ग्रीन और सस्टेनेबल ग्रोथ के साझा कमिटमेंट पर दोनों देश लगातार काम कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पार्टनरशिप के दूसरे दौर पर सहमति बनाई है। दोनों देशों ने ग्रीन हाइड्रोजन रोडमैप भी लॉन्च किया।

बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी की कंपनियों को देश में आमंत्रित करते हुए ठीक ही कहा कि निवेश के लिए भारत से बेहतर कोई जगह नहीं है और देश की विकास गाथा का हिस्सा बनने का यह सही समय है। उन्होंने एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस के 18वें सम्मेलन में कहा कि विदेशी निवेशकों के लिए भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनना, मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड पहल में शामिल होने का यह सही समय है। जर्मनी ने भारत के कुशल वर्क फोर्स में जो विश्वास जताया है, वह अद्भुत है। इस यूरोपीय देश ने कुशल भारतीय वर्क फोर्स के लिए वीजा की संख्या 20,000 से बढ़ाकर 90,000 करने का निर्णय लिया है।

मोदी ने आगे यह भी कहा कि, भारत वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बन रहा है। यह आज डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिमांड और डेटा के मजबूत स्तंभों पर खड़ा है। भारत सड़कों और बंदरगाहों में रेकॉर्ड निवेश कर रहा है। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि जर्मन प्रतिनिधिमंडल को भारत की संस्कृति, भोजन और खरीदारी का भी आनंद लेना चाहिए। ताकि दोनों देश और उसके लोग एक दूसरे से भावनात्मक रूप से जुड़ सकें। बकौल मोदी, भारत और जर्मनी के बीच वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार 30 अरब डॉलर से अधिक है। जर्मनी की कई कंपनियां भारत में काम कर रही हैं, जबकि भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। वहीं, चांसलर शोल्ज ने प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में कहा कि हमारी सरकार भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत में तेजी लाने की कोशिश कर रही है। अगर मिलकर काम करें तो यह काम महीनों में पूरा हो सकता है। हमारी सरकार ने हाल में कुशल भारतीय कर्मचारियों को जर्मनी बुलाने की रणनीति पर सहमति जताई है। इससे स्पष्ट है कि कारोबारी समझौते पर तेजी लाने की कोशिश में जर्मनी है, जो सराहनीय कहा जा सकता है। यह भारत के दूरगामी हित में है। यदि जर्मनी से हमारे सम्बन्ध फ्रांस की भांति प्रगाढ़ होते हैं तो इससे यूरोपीय संघ के साथ भारत के रिश्ते को जीवंतता मिलेगी और चीन व अरब देशों पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी पड़ेगा।

## क्यों जरूरी है नए रिश्तों की तलाश?

**रिश्तों का टूटना उनका अंत होना नहीं होता। मनुष्य को उनसे बहुत कुछ मिलता है। एक समय के बाद जब जानने को कुछ नहीं बचता तो उनमें गतिशीलता नहीं रहती। ऐसे में उनको जिंदा रखना उनके साथ ज्यादती होती है। लेकिन वे पूरे होकर मनुष्य के किसी हिस्से को भी पूरेपन का अहसास दिलाते हैं, हमें इस सोच के साथ चलना चाहिए। अपने को सदैव के लिए बंद करने से जीवन ठहर जाता है। उसे चलते रहने देना ही बेहतर है। इसलिए खुले मन से चलना चाहिए।**

**संजय दुबे**



दोस्तियां एक खास उम्र से जुड़ी होती हैं। अमूमन स्कूल और कालेज की दोस्तियां ही स्थायी होती हैं। एक समय के बाद दोस्ती मुश्किल होती जाती है। हर किसी के खास दोस्त वही होते हैं जो स्कूल या कालेज से उनके साथ जुड़े रहे हों। यह रिश्ता विश्वास पर टिका होता है, लेकिन यह बहुत समय और समझ भी मांगता है। कालेज के बाद बेरोजगारी और दुनियादारी की समस्याओं के बीच किसी नए व्यक्ति के लिए जगह नहीं बचती। धीरे-धीरे पुरानी दोस्तियां औपचारिक होती जाती हैं, क्योंकि वे संदर्भ बदल जाते हैं, जिनसे वे बनी थीं। मनुष्य समय के साथ कुछ और होता जाता है और इस 'कुछ और' में होने वाले भाव को पहले से जुड़े लोगों के साथ साझा करना मुश्किल होता है। अपने बारे में लंबे समय से बनी छवि से बाहर निकलना खुद के लिए भी मुश्किल भरा होता है। ऐसे में नई दोस्ती की जरूरत व्यक्ति को हमेशा होती है। दरअसल, नई दोस्तियां व्यक्ति को नया करती हैं। जब हम किसी व्यक्ति के गहन संपर्क में आते हैं तो केवल सामने वाले को ही नहीं समझते, खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। हर दूसरा व्यक्ति किसी के लिए भी एक तरह की खिड़की है, जिससे वह दुनिया को देखने के अपने तरीके को विस्तृत करता जाता है। हम उन चीजों को फिर से सोचते हैं जो हमारे लिए पुरानी पड़ चुकी हैं, लेकिन उन्हें जिन्होंने हमें निर्मित किया है। अतीत का मूल्यांकन राष्ट्र और परंपराओं के लिए ही आवश्यक नहीं हुआ करता, एक मनुष्य के लिए, उसके निजी जीवन के लिए भी जरूरी होता है। अतीत के मूल्यांकन के बिना भविष्य धुंधला होकर दौड़भाग तक सीमित हो जाता है। दूसरे को जानने की प्रक्रिया में मनुष्य खुद को फिर से जानने लगता है। जब किसी व्यक्ति से हम बात करते हैं तो हर बार कुछ उतना ही और जानते हैं। नई दोस्ती व्यक्ति को अपनी नजर में प्रासंगिक बनाए रखती है।

यह सही है कि गहराई वक्त के साथ आती है, लेकिन रिश्तों में शुरुआती निवेश की फसल को ही व्यक्ति अक्सर भुनाता रहता है। वह यह मानकर चलता है कि अब दोस्ती जैसे झंझटों की उसे जरूरत नहीं रही। पारिवारिक और सामाजिक दायित्व भी मनुष्य को गहरे रिश्तों से दूर करते हैं। आज दूसरे से परिचय जितना आसान हो गया है, रिश्ते उतने ही मुश्किल हो गए हैं। मनुष्य हर वक्त एक मुखौटे के साथ दूसरों का, दुनिया का सामना करता है। हर कोई चाहता है कि वह इस मुखौटे के बगैर बात कर सके, लेकिन ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा और कितने ही अनजाने डर उसे खुलने नहीं देते। एक उम्र के बाद मनुष्य सोचता है कि इन सबसे कुछ भी फायदा नहीं होना, क्योंकि अपने पारिवारिक दायरे में वह इतना धंस चुका होता है कि सिर्फ जरूरी काम करने का आदी हो जाता है। वह जिम्मेदारियों और परंपराओं की भाषा में सोचने लगता है। मनुष्य अपनों के दुखी होने के डर से अपनी समस्याओं और अकेलेपन को अपने परिवार वालों को बताकर परेशान नहीं करना चाहता और धीरे-धीरे अपने में सिकुड़ने लगता है। नए लोगों के साथ ऐसी समस्या नहीं होती, इसीलिए अक्सर लोगों को अजनबियों के साथ खुलने में कम दिक्कत होती है।

एक बड़ा भ्रम यह भी है कि अच्छी दोस्तियां लंबी चलती हैं या चलनी चाहिए और आजकल किसी चीज की उम्र नहीं होती, इसलिए कोई रिश्तों के पचड़ों में नहीं पड़ना चाहता। इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि दोस्ती की उम्र सदैव उसकी गुणवत्ता के समानुपाती ही हो, यह जरूरी नहीं होता। अक्सर थोड़े वक्त के लिए मिले लोग हमारी जिंदगी में वह परिवर्तन लाने में सक्षम होते हैं जो जमाने से जुड़े लोगों से संभव नहीं होते। मनुष्य के शुरुआती दोस्त उसके स्वभाव को पूरी तरह जानते हैं, इसलिए वे उसे वैसा ही स्वीकार लेते हैं, उसके वैसा होने में कोई खामी है या किसी आदत को बदलकर वह बेहतर भी हो सकता है, ऐसा वे नहीं सोचते। बचपन में देखा और महसूस किया सब कुछ इतना प्राकृतिक लगने लगता है कि हर कोई उसके बारे में सोचना ही बंद कर देता है। मगर एक उम्र के बाद मिले अनजाने लोग हमें यह अहसास दिलाने में सक्षम होते हैं कि हम क्या है और क्यों हैं? स्कूल और कालेज की दिनचर्या से जुड़ी दोस्तियों के बाद भी मनुष्य को हर उम्र और हर पड़ाव पर नए दोस्तों की जरूरत होती है। इस वक्त में दोस्ती की गहराई चाहिए होती है, लंबाई नहीं। क्षणभंगुर जीवन को स्वीकार करके शाश्वत रिश्तों को तलाशना अपने आप से ही नहीं, दूसरे से भी बड़ी मांग है। जब सब कुछ पूरा होता है तो रिश्ते को भी एक समय में पूरा होना ही होता है। पुराने जब जाते हैं तो नए के लिए जगह भी तो बनती है। किसी पुराने के गम में सामने दिख रहे जीवन को ठुकराना भी ठीक नहीं। दोस्ती दो लोगों के बीच विश्वास, समझदारी और प्रेम से बनती है। जब एक समय के बाद इनमें से कुछ भी कम होने लगे तो समझदारी की ही सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

रिश्तों का टूटना उनका अंत होना नहीं होता। मनुष्य को उनसे बहुत कुछ मिलता है। एक समय के बाद जब जानने को कुछ नहीं बचता तो उनमें गतिशीलता नहीं रहती। ऐसे में उनको जिंदा रखना उनके साथ ज्यादती होती है। लेकिन वे पूरे होकर मनुष्य के किसी हिस्से को भी पूरेपन का अहसास दिलाते हैं, हमें इस सोच के साथ चलना चाहिए। अपने को सदैव के लिए बंद करने से जीवन ठहर जाता है। उसे चलते रहने देना ही बेहतर है। इसलिए खुले मन से चलना चाहिए।

# जीवित पेड़ों को काटने पर घटनास्थल पर शोक सभा, सचिव को बदलने की मांग

**भागलपुर,(ईएमएस) :** जिले के कहलगांव में पीछले दिनों गौशाला की जमीन से दो पेड़ों को काटने को लेकर मामला तुल पकड़ता जा रहा है। मामले को लेकर राजनीतिक, सामाजिक गतिविधि भी तेज हो गई है। इस घटना से आक्रोशित राजनीतिक, एवं सामाजिक सह आम लोगों ने आज रविवार को घटना स्थल पर जाकर जीवित पेड़ों को काटने पर शोक संवेदना व्यक्त की एवं सचिव को बदलने की भी मांग की, साथ ही नारे भी लगाये।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगो ने गौशाला में कुव्यवस्था को लेकर भी कही प्रतिक्रिया व्यक्त की। आज रविवार को शोक व्यक्त करने वालों में बजरंग दल के शिवलाल सिंह, विश्व हिंदू परिषद के अरविंद कुमार चौबे, संघ के स्वयंसेवक प्रेम कुमार एवं कन्हैया खंडेलवाल, समाजसेवी छोटू पांडे, विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकर्ता सह रवि भूषण, मानवाधिकार कार्यकर्ता विपिन कुमार शाह, गौशाला कमेटी के भूतपूर्व उपाध्यक्ष एवं कहलगांव नगर परिवार ग्रुप के संचालक भरत रुंगटा सहित शहर के स्थानीय निवासी एवं कई पत्रकार भी शामिल हुए।

मामले के तुल पकड़ने और राजनीतिक एवं सामाजिक दबाव के बाद वन विभाग के पदाधिकारी ने भी अपने बयान बदलते हुए कहा कि ,मामले को लेकर करवाई करेंगे।

आपको बता दें कि, घटना के दिन भी उन्होंने यही बातें कही थी, लेकिन घटना के बाद उन्होंने अपना बयान दिया था कि कोई भी आम ,लीची इमली के पेड़ों को काट सकता है । उस पर कारवाई नहीं होगी। वन विभाग के पदाधिकारी विजय प्रसाद सिंह का बयान सही है तो फिर आज उन्होंने रविवार को अपनी टीम घटना स्थल पर जांच के लिए क्यों भेजा ? आज रविवार को उनसे पुनः पुछा गया तो उन्होंने कहा कि, आरोप सही है। मामले को संज्ञान में लिया गया है। उन्होंने बदलते ब्यान में कहा कि, करवाई की जायेगी।

सवाल यह उठता है कि वन विभाग के बदलते बयान के पीछे आखिर कारण क्या हो सकते हैं ? अगर सामाजिक दबाव नहीं पड़ता तो क्या वन विभाग पहले बयान पे ही अड़े रहते ? इस तरह का बिहार में अन्य विभाग की भी यही स्थिति है । इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि ,बिहार में शासन किस तरह चलता है ? और अगर सामाजिक दबाव ना पड़े तो मामला दब भी जाता है !

वन विभाग के बदलते ब्यानों पर स्थानियों लोगों का विश्वास नहीं है, कि वह क्या करवाई करेंगे ?हांलाकि, करवाई क्या करते हैं यह तो देखने वाली बात होगी। फिलहाल इनके अदलते- बदलते बयान पर लोंगो को भरोसा नहीं है। स्थानिया लोग आक्रोशित हैं जो कभी भी फुट सकता है।आपको बताते चलें कि पीछले दिनों गौशाला की जमीन से हरी- भरी पेड़ों को गौशालाय कमिटी ने

अध्यक्ष को बिना संज्ञान में दिये ही काट दिया था। गौशाला कमिटी के सचिव ने पत्र में एक पेड़ काटने की बात, कही जबकी दो पेड़ों को काटा गया ! इसकी भनक ना तो अनुमंडल प्रशासन को ही लगी और ना ही वन विभाग को !

इस संबंध में जब वन विभाग के अधिकारी विजय प्रसाद सिंह से पेड़ काटने के संबंध में पुछा गया तो उन्होंने कहा कि हमें इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंन कहा कि इसकी जानकारी कर कही करवाई करेंगे। वहीं जब इस संबंध में कहलगांव एसडीओ अशोक कुमार मंडल से उनके कार्यलय में पूछा गया तो उन्होंने भी अनभिग्यता जाहिर की ।

आपको बताते चले कि, गौशाला के पदेन अध्यक्ष कहलगांव एसडीओ ही होते हैं लेकिन अध्यक्ष को बिना जानकारी दिये और बिना आदेश लिए गौशाला कमिटी ने पेड़ काटने का आदेश दे दिया। आखीर गौशाला कमिटी की मंशा क्या थी ?गौशाला की जमीन से पेड़ काटने को लेकर सचिव ने पत्र में लिखा है कि, रोड में आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होती थी, इसलिए एक पेड़ काटने का आदेश दिया जाता है,जबकी दो पेड़ों को काटा गया । अगर मान भी लिया जाए यह बात कि, पेड़ से रहगीरों को आने- जाने में परेशानी होती थी, तो पेड़ों की टहनियों की भी छटनी भी की जा सकती थी। अक्सर ऐसा ही होता है। लेकिन यहां तो हरे-भड़े वृक्ष को ही काट दिया गया ! आखिर इसकी वजह क्या थी ? आरोप लगाया जा रहा है कि ,गौशाला की जमीन को बेचने की साजिश रची जा रही है। कहा तो यह भी जा रहा है कि, गौशाला की अन्य जमीन पर अपराधियों का कब्जा है। अगर सरास्वती विद्या मंदिर ना होता तो वंहा भी अपराधियों का ही कब्जा होता।

वहीं इसे लेकर के पूर्व सचिव विजय कुमार संथालिया से उनके आवास में उनसे पूछे जाने पर उन्होंन कहा कि, मैं अस्वस्थ हूं। मुझे यह सबसे कोई लेना -देना नहीं है। श्री संथालिया ने कहा कि, लांछ कहने के बाद भी सरस्वती विद्या मंदिर गौशाला की जमीन से खाली नहीं कर रहा है।

वहीं कार्यकारिणी के एक सदस्य ने कहा कि, गौशाला की जमीन को सरास्वती विद्या मंदिर खाली करे तो हम लोग वंहा गैया पालेंगे । सवाल यह उठता है कि गौशाला की बहुत सारी जमीन खाली है उस जमीन पर गायें क्यों नहीं पाली जा रही है ?

आपको बताते चले कि, गौशाला का मुख्य उद्देश्य ही गायों को रखने पालने के लिए ही होता है। एक समय इसी गौशाला में बहुत सारी गायें रहतीं थीं। लेकिन आज कहलगांव गौशाला की जमीन पर एक भी गाय आपको नहीं मिलेंगीं, आखीर इसकी बजह क्या हो सकती है ?

फिलहाल गौशाला की जमीन पर खेती होती है। फलदार पेड़ लगे हुए हैं और उसका उपज कमिटी के निने-चुने लोग ही लेते हैं, ऐसा कहा जा रहा है। काटे गये एक पेड़ को १७००० में बेचा गया है और वह पैसा गौशाला कमिटी के अकाउंट में भेजा भी गया । लेकिन दुसरा पेड़ जो काटा गया वह पैसा कहां गया ? फिलहाल अवैध हरी- भरी पेड़ों की कटाई पर प्रशासन चुप क्यों हैं ? आखिर इसके क्या करण हो सकते है ? गौशाला के बगीचा का २००९ से रखवाली करने वाले अर्जुन मंडल भौलीदार ने कहा कि, जब मैने इस पेड़ को काटने से मना किया तो उन्हें गोली मरने की धमकी मिली !

मामले को लेकर के लिखित रूप से बिहार के राज्यपाल, पर्यवरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पुलिस महानिदेशकपटना, जिलाधीकारी भागलपुर वरीयय पुलिस अधीक्षक सहित कई अधिकारियों को गौशाला कमिटी के सदस्य कन्हैया खंडेवाल ने पत्र भेजा है।

मामले को लेकर के पुनः आज रविवार की शाम कहलगाँव एसडीओ अशोक कुमार मंडल से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ,घटना की जानकारी उन्हें नहीं प्राप्त हुई है वे जा नहीं पाए, कल सोमवार को जाएंगे तो बतायेंगे।

## यूनियन की बैठक में अरुप चटर्जी को जिताने का संकल्प

**धनबाद (ठासं) :** बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (बीसीकेयू) व कोल माइंस वर्कर्स यूनियन (सीएमडब्ल्यू) की बैठक रविवार को निरसा स्थित कार्यालय में हुई। अध्यक्षता बीसीकेयू सचिव आगम राम ने की. बैठक में निरसा विधानसभा सीट से इंडिया गठबंधन समर्थित भाकपा माले के प्रत्याशी अरूप चटर्जी को जीताने का संकल्प लिया गया। यूनियन के महामंत्री पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि केन्द्र सरकार सभी सार्वजनिक उद्योगों का निजीकरण कर रही है। श्रम कानूनों को समाप्त कर मजदूरों के अधिकार छीने जा रहे हैं. भाजपा ने झारखंड में पिछले ५ वर्षों से राज्य सरकार को अस्थिर करने का काम किया।

स्थानीय विधायक का क्षेत्र की जनता व विकास से कोई सरोकार नहीं रहा. मजदूरों की लड़ाई में हम हमेशा मजदूरों के साथ रहे हैं। माँके पर कार्तिक चन्द्र दत्ता, उपेन्द्र सिंह, जगदीश शर्मा, हरेन्द्र सिंह, रामजी यादव, श्रीकान्त सिंह, अमित मुखजी आदि मौजूद रहे।

## दर्जनों लोग भाजपा छोड़ भाकपा माले में शामिल

**बलियापुर (सर्से :** सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के भाकपा माले के प्रत्याशी चंद्रदेव महतो रविवार को क्षेत्र के बाघमारा पंचायत का सघन दौरा किया। इस दौरान पंचायत के बेदिया टोला कुंवरडीह, चालक टोला में जनसंपर्क अभियान चलाया। भाकपा माले का चुनाव चिन्ह पर वोट देने की अपील लोगों से की। इस दौरान चालक टोला में ग्रामीणों की बैठक में डेढ़ दर्जन से भी अधिक भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थकों ने भाकपा माले में शामिल होने की घोषणा की। माँके पर मौजूद भाकपा माले प्रत्याशी चंद्रदेव महतो ने भाजपा छोड़ भाकपा माले में शामिल होने वाले लोगों को माला पहनकर स्वागत किया। भाकपा माले में शामिल होने वाले लोगों में सुरेश चालक, गोपाल चालक, गौरांग चालक, शैलेंद्र चालक, धर्मवीर चालक, शिबू चालक, बबलू चालक, संतोष चालक, मेघनाथ, राकेश, निमाई, पिंकेश, अजीत, श्यामा पद आदि शामिल है।

## भाजपा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण शिविर

**बलियापुर (सर्से :** बीएड कॉलेज पहाड़पुर में रविवार को भाजपा का बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बलियापुर पूर्वी एवं पश्चिमी मंडल के विभिन्न बुथों के बूथ अध्यक्ष सचिव व बूथ एजेंट शामिल हुए। भाजपा विधानसभा प्रभारी पवन साहू ने कार्यकर्ताओं को बूथ मैनेजमेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

वोटरों से नियमित संपर्क बनाए रखने की बातें कहीं ।मौके पर सांसद ढुलू महतो, भाजपा प्रत्याशी तारा देवी, जिला अध्यक्ष घनश्याम प्रोवर, आशीष मुखर्जी, मंटू रवानी, विरेंची सिंह, विजय रवानी, राजेश कुमार महतो, पंकज सिंह, दीपक गोप, विशुत चक्रवर्ती, गौरांग मंडल, मुखिया उत्तम चौबे, राकेश चौबे, मुक्तेश्वर महतो, दिलीप कुमार महतो आदि मौजूद थे।

## भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं :बाबूलाल

**रांची (एजेंसी):** बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है. श्री मरांडी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि भगवान के घर देर है अंधेर नहीं. उठो साथियों, उठो भाइयों परिवर्तन करना होगा . रोटी बेटी माटी खातिर अब हमको लड़ना होगा. हेमंत सरकार के झूठ और फरेब की राजनीति के चलते युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है, लेकिन इसके बाद भी नौकरी के नाम पर राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के छात्रों को नियुक्ति देकर झारखंड के छात्रों को ठगा जा रहा है.

बाबूलाल ने आगे लिखा है कि छात्रों द्वारा पेपरलीक का लाख विरोध करने पर भी रिजल्ट जारी कर अपने और अपने संबंधियों को नौकरियों में भरा जा रहा है. सीटों को बेचा जा रहा है. ऐसे में छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है. हेमंत सरकार की युवा विरोधी मानसिकता को प्रदेश का हर युवा जान चुका है.

## मतदाता जागरूकता को लेकर निकाली गई साइकिल रैली

**रांची (एजेंसी):** विधानसभा चुनाव को लेकर रांची जिला में स्वीप के तहत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इसी कड़ी में रविवार को स्वीप के तहत मोरहाबादी मैदान से मतदाता जागरूकता को लेकर पूरे रांची शहर में साइकिल रैली निकाली गई.

इसमें मुख्य रूप से पुलिस उप महानिरीक्षक अनूप बिरथरे, रांची एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा, रांची डीडीसी दिनेश कुमार यादव एवं जिला स्तरीय तमाम पदाधिकारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया. मौके पर सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया.

## आनंद महतो ने कार्यालय का किया उद्घाटन

**बलियापुर (सर्से :** हवाई पट्टी मोड़ के पास रविवार को चुनावी कार्यालय का उद्घाटन पूर्व विधायक आनंद महतो ने किया। महतो ने कहा कि भाकपा माले प्रत्याशी चंद्र देव महतो की जीत के लिए एक-एक मतदाताओं से संपर्क बनाएं रखने की जरूरत है ।मौके पर शंकर महतो, शशि महतो, महादेव गोराई, वेंकटेश गोराई, फटीक दे, बंसी प्रमाणिक, दिनेश सरखेल, योगेश्वर मांझी, सौरभ सरकार, राम प्रसाद आदि मौजूद थे।

## चुनाव को हम ले रहे चुनौती के तौर पर: डॉ रविंद्र राय

**रांची (एजेंसी):** प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र राय ने रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता किया. उन्होंने कहा कि चुनाव को हम चुनौती के तौर पर ले रहे हैं. भाजपा ने झारखंड को बनाया है और यही बचाएगा. चुनाव अपने आरंभिक दौर के अंतिम छोर पर है, उन्होंने किसी भी दल का नाम लिए बिना कहा कि राजनीति में कुछ लोग कहते हैं कि उन्होंने लड़ के झारखंड लिया है. लेकिन भाजपा ने अपनी सहमति से झारखंड बनाया है.

भाजपा सबके सम्मान और सभी के हितों की रक्षा करती है. राय ने कहा कि भाजपा पूरी ताकत से उतरी है. राज्य की जनता भाजपाई है. जनता भाजपा के लिए समर्पित है. जो सपना अटल बिहारी वाजपेयी ने देखा था, उसे पीएम मोदी के नेतृत्व में पूरा कर रहे हैं. जब भी भाजपा की सरकार आई, कानून व्यवस्था को दुरुस्त किया गया. कभी किसी बेटी को पेट्रोल छिड़कर नहीं मारा. किसी बेटी के टुकड़े-टुकड़े नहीं किए.

भाजपा ने खेत खलिहान को बचाया है. उन्होंने कहा कि सामाजिक सौहार्द के वातावरण में झारखंड को आगे बढ़ाने के लिए इस चुनाव को हम चुनौती के तौर पर ले रहे हैं. राज्य में सामाजिक विभाजन के साथ किसी का अपमान नहीं किया जा सकता. राज्य के आदिवासी-गैर आदिवासी, दलित, पिछड़ों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा होगी. राजनीति में जो विभाजन का काम हो रहा है, उससे झारखंड को बचाने की जरूरत है. रवींद्र राय ने कांग्रेस और राजद पर भी तंज कसा. कहा कि कांग्रेस संप्रदायिकता को बढ़ाने का काम कर रही है. जबकि राजद जातिवाद फैलाने का काम कर रहा है. झामुमो आदिवासी और गैर आदिवासी की भावना को भड़काने का काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि राज्यवासियों को सुरक्षित रखने का काम होना चाहिए.

## मारपीट में प्रत्याशी घायल

**बलियापुर (सर्से :** पलानी में रविवार को संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी चुनावी कार्यालय के पास दो पक्षों में हुई मारपीट में पार्टी के प्रत्याशी माथुर मंडल गंभीर रूप से घायल हो गये। माथे पर चोट है। लोगों ने उसे शहीद निर्मल महतो मेमोरियल अस्पताल धनबाद भर्ती कराया गया ।घटना सुबह १० बजे की है ।माथुर मंडल का कहना है कि जन संपर्क अभियान चलाने के लिए वह पार्टी कार्यालय से बाहर निकल ही रहे थे। इसी बीच सुनील गोराई, भूदेव शर्मा, जेठू महतो लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया । माथुर मंडल का कहना है कि उसकी लोकप्रियता से घबराकर हमला बोला है ।दूसरी ओर आरोपी का कहना है कि प्रत्याशी द्वारा लगाया गया आरोप बेबुनियाद है।

## काली पूजा पंडालों के निर्माण में जुटे कारीगर

**रांची (एजेंसी):** राजधानी रांची में धनतेरस व दिवाली को लेकर लोगों का उत्साह चरम पर है. इसकी तैयारी जोरों पर चल रही है. धनतेरस २९ अक्टूबर को है, जबकि दिवाली व काली पूजा ३१ अक्टूबर को मनाई जाएगी. राजधानी के कोकर, मेनरोड, चडरी, हिनू, कांके रोड सहित अन्य स्थानों पर काली पूजा धूमधाम से मनाई जाएगी. पश्चिम बंगाल के कारीगर भव पूजा पंडाल बनाने में जुटे हुए हैं. चक्रवाती तूफान दाना के प्रभाव से पिछले ३ दिनों तक बारिश के कारण पंडालों का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ.

## पृष्ठ एक का शेषांश

### कोई न्यायालय सबऑर्डिनेट नहीं----

हुए कहा कि एक बहुत शक्तिशाली समिति ने इन कानूनों के प्रत्येक प्रावधान पर विचार किया। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने इस बदलाव में गहराई से जांच की है तथा तकनीक की मदद से प्रत्येक प्रावधान की पृष्ठभूमि को बारीकी से देखा गया है। वकीलों एवं आम आदमी की न्याय प्राप्ति पर बोलते हुए उन्होंने कहा, यदि हमें न्याय प्राप्ति को सस्ता और सुलभ बनाना है तो हमें लोगों को गुणवत्तापूर्ण न्याय देना होगा, आइए हम अपने जिला न्यायालयों, हमारे मजिस्ट्रेट, हमारे जिला न्यायाधीशों, हमारे युवा वकीलों पर प्रमुखता से ध्यान केंद्रित करें, जिला न्यायालय में वकील बहुत ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं। कोविड काल पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि, सुप्रीम कोर्ट तक के कुछ वकीलों ने वकालत छोड़ दी। ऐसे पेशे को कोई छोड़ता है तो वह आप और हम पर बहुत बड़ी टिप्पणी है।

### केंद्र का दीपावाली तोहफा---

आयु सीमा ८० साल तक पहुंचेगी, तो उस महीने के पहले दिन से अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता लागू हो जाएगा। यह निर्णय पेंशनर्स के जीवन-यापन को आसान बनाने के लिए लिया गया है, ताकि उन्हें कोई आर्थिक समस्या न हो। सभी पेंशनर्स को समय पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिले। इसके लिए मंत्रालय ने संबंधित विभागों और बैंकों को सूचना भेजने का निर्देश दिया है।

### सरकार के प्रमुख से मिलना---

है जब सहमति नहीं बन पाती। ऐसे में ज्युडिशियरी के अलग अलग लेवल पर और सरकारों के अलग-अलग लेवल पर मैच्योरिटी के साथ पिपटाया जाता है। मैं चाहता हूं कि हम एक आम सहमति बनाने में सक्षम हों। हर संस्थान में सुधार किया जा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। सीजेआई ने कहा कि जिस संस्था को हमने ही बनाया है, उसकी आलोचना करना बहुत आसान है। हर संस्था में बेहतरी का स्कोप होता है, लेकिन हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। ये संस्थाएं ७५ साल से चल रही हैं। हमें डेमोक्रेटिक गवर्नेंस के हमारे सिस्टम पर भरोसा करना चाहिए, ज्युडिशियरी भी इसी का एक भाग है। सीजेआई ने कहा कि सोशल मीडिया के कारण फैसला सुनाने में पूरी दुनिया की न्यायपालिकाओं में बदलाव आया है। हालांकि, जजों को अपनी बातों को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है। जजों को सही भाषा का इस्तेमाल करना होता है। सोशल मीडिया हमारी सोसाइटी के लिए अच्छा है, क्योंकि यह युजर्स को सोसाइटी के एक बड़े वर्ग तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

### रेव पार्टी में पकड़े गए---

अंतर्गत स्थित इस फार्महाउस में एक रेव पार्टी की सूचना मिलने पर छापेमारी कई गई थी। देर रात हुए इस छापे में अधिकारियों ने पार्टी में मौजूद ३५ लोगों को हिरासत में लिया, जिसमें २१ पुरुष और १४ महिलाएं शामिल थीं। छानबीन के दौरान १०।५ लीटर विदेशी शराब की सात बोतलें और दस भारतीय शराब की बोतलें भी बरामद की गईं, जिनके लिए कोई लाइसेंस नहीं था। यह राज्य के आबकारी कानूनों का उल्लंघन है।

### केएमएस 2024-25 के तहत---

सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए, धान की खरीद आधिकारिक तौर पर १ अक्टूबर, २०२४ को अस्थायी यार्ड सहित २७०० नामित मंडियों के साथ शुरू हुई। सितंबर में भारी बारिश और धान में नमी की मात्रा अधिक होने के कारण कटाई और खरीद में थोड़ी देरी हुई। हालाँकि, देर से शुरू होने के बावजूद, राज्य अब नवंबर २०२४ तक १८५ एलएमटी धान खरीद के अपने लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। केएमएस २०२४-२५ के लिए पंजाब में सुचारू अद्रिप्रासि संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय मौजूद हैं। २६ अक्टूबर २०२४ तक, मंडियों में ५४.५ एलएमटी आवक में से ५० एलएमटी धान की प्रापण की जा चुकी है। केएमएस २०२३-२४ के दौरान, ६५.८ एलएमटी आवक में से, २६ अक्टूबर २०२३ तक ६१.५ एलएमटी धान की प्रापण की जा चुकी थी। धान (सामान्य) के लिए एमएसपी में २०१३-१४ में १३१० रुपये/क्विंटल से २०२४-२५ में २३०० रुपये/क्विंटल तक पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। कुल ३८०० मिलर्स ने पंजीकरण के लिए आवेदन किया है, जिनमें से ३२५० मिलर्स को पंजाब सरकार द्वारा पहले ही काम आवंटित किया जा चुका है। अगले ७ दिनों में अधिक मिलर्स के पंजीकरण कराने और उन्हें काम आवंटित करने की उम्मीद है।

### शाह करेंगे बंगाल में---

भोजपुरी गीतों का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। इस तरह, राहुल सिन्हा ने बीजेपी की सदस्यता अभियान की योजनाओं के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय रखी, जो पार्टी के लिए अहम है।

### लोक गायिका शारदा सिन्हा-- बनी हुई है।

### शक्तिकांत दास लगातार---

गवर्नरों को ग्रेड दिया जाता है। इनमें यूरोपीय संघ, पूर्वी कैरेबियन सेंट्रल बैंक, सेंट्रल अफ्रीकी राज्यों के बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स के बैंक शामिल हैं।

## झामुमो बहानों की श्रृंखला बना रही हैः प्रतुल शाहदेव

**रांची (एजेंसी):** भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि अपनी निश्चित हार को देखकर झारखंड मुक्ति मोर्चा इतनी बदहवास हो गई कि वह अब बहानों की श्रृंखला बना रही है. प्रतुल ने कहा कि आदतन हर बात के लिए जांच एजेंसियों को विपक्ष आरोप लगाता है, पर वो यह भूल जाती है कि ईडी ने एनडीए के शासनकाल में अब तक १,३०,००० करोड़ से ज्यादा की अवैध संपत्ति और राशि को जब्त किया है. प्रतुल ने कहा राज्य के मुख्य निर्वाची पदाधिकारी पर आरोप लगाना घटिया राजनीतिक मानसिकता का परिचायक है. अभी चुनाव प्रचार पूरे तरीके से प्रारंभ भी नहीं हुआ और झामुमो के आरोपों की झड़ी शुरू हो गई. झारखंड मुक्ति मोर्चा यह सब दबाव की राजनीति के तहत कर रही है. लेकिन चुनाव आयोग निष्पक्ष तरीके से काम करने के लिए जाना जाता है.

प्रतुल ने कहा बिडंबना देखिए कि इन्हीं की सरकार में ऊंचे पदों पर बैठे ईमानदार पदाधिकारी पर आरोप लगाकर अपनी विकृत सोच को दिखा रहे हैं. प्रतुल ने कहा ५ वर्षों तक इन्हीं अधिकारियों ने इसी सरकार में काम किया तब तक सब ठीक था. लेकिन हार के बहाने भी तो खोजने हैं. तो इन्हीं अधिकारियों पर बेबुनियाद आरोप लगाकर ध्यान भटकाने की कोशिश हो रही है. कहा कि अब जासूसी उपन्यास की तर्ज पर झामुमो हेमंत सोरेन के प्रस्तावक की किडनैपिंग की कहानी बता रही है. उसमे भी आकरण झूठ बोलकर मुख्य निर्वाची पदाधिकारी का नाम घसीट रहे हैं. प्रतुल ने कहा कि बिना तथ्य के ऐसे आरोप लगाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा पर चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए.

# तेजस्वी ने जेडीयू नेता को भेजा कानूनी नोटिस,मुआवजे की मांग

**पटना (एजेंसी):** बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जेडीयू के विधान पार्षद नीरज कुमार को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है. शनिवार को उन्होंने अपने कानूनी सलाहकार के माध्यम से यह नोटिस भेजा. आठ पन्नों के इस कानूनी नोटिस में तेजस्वी यादव ने नीरज कुमार के आरोपों को पूरी तरह झूठा और निराधार बताया है. उन्होंने १० दिन के अंदर मानहानि के मुआवजे के तौर पर १२ करोड़ १० लाख रुपये की मांग की है. दरअसल, नीरज कुमार ने तेजस्वी पर वेतन घोटाले का आरोप लगाया था.

राजद नेता ने कहा कि अगर कोई झूठ बोलेगा, गलत जानकारी देगा और किसी का चरित्र हनन करेगा तो दूसरा चुप नहीं बैठेगा. उन्होंने कहा, लोगों को सच बोलना चाहिए. झूठ की राजनीति, धोखाधड़ी, बदनामी की राजनीति, नकारात्मक राजनीति, यह सब नहीं करनी चाहिए. कहा जा रहा है कि मैंने सैलरी घोटाला किया है. हम उन्हें लीगल नोटिस क्यों नहीं भेजेंगे. अगर कोई जवाब नहीं आएगा तो हम उनके खिलाफ अदालत जाएंगे.

आरएसएस भी बीजेपी के इस बयान का समर्थन करता है कि 'अगर बंटेंगे तो कट जाएंगे'. इस संबंध में पूछे जाने पर तेजस्वी ने कहा कि एक बात समझ लीजिए, बीजेपी इन दिनों आरएसएस और जेडीयू का चोला ओढ़े हुए है. जनता दल यूनाइटेड बीजेपी-आरएसएस के रंग में आ गया है. जो लोग दंगा कराना चाहते हैं, जो लोग देश को बांटना चाहते हैं, जो लोग समाज में जहर फैलाने का काम करते हैं, जो लोग संविधान के खिलाफ हैं, जो लोग आरक्षण के खिलाफ हैं, वे चाहते हैं कि दोनों समुदायों के बीच किसी भी तरह की लड़ाई हो. हम कहते हैं कि मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए. पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, कार्रवाई पर चर्चा होनी चाहिए. गरीबी पर चर्चा होनी चाहिए, बेरोजगारी पर चर्चा होनी चाहिए, पलायन पर चर्चा होनी चाहिए. शिक्षा, चिकित्सा पर चर्चा होनी चाहिए. लेकिन बीजेपी वाले सिर्फ नफरत की भाषा और मंदिर, मस्जिद, हिंदू, मुस्लिम, पाकिस्तान, कश्मीर जैसे जहरीले मुद्दे लेकर आते हैं. ये कोई मुद्दे नहीं है, ये लोग इस पर पूरी तरह से बहस करना चाहते हैं.

उन्होंने आगे कहा, गिरिराज सिंह कपड़ा मंत्री हैं. मुझे बताएं कि बिहार को टेक्सटाइल पार्क क्यों नहीं दिया गया. इसका क्या जवाब है? पहले जाकर पूछिए, वह १० साल तक मंत्री रहे हैं. आपने बिहार के लिए क्या किया? आपने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, विशेष पैकेज क्यों नहीं दिया? आप यहां लोगों को लड़ाने आते हैं? लोग चुप नहीं बैठेंगे.

गिरिराज सिंह या उनके जैसी सोच वाले लोग नफरत फैलाएंगे. अगर ये लोग बिहार में शांति लाने की कोशिश करेंगे तो हम चुप नहीं बैठेंगे। हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे.

दरअसल, नीरज कुमार ने तेजस्वी पर वेतन घोटाले का आरोप लगाया था. उन्होंने तेजस्वी को नोटिस भेजकर कहा था कि जब तेजस्वी विधायक और विपक्ष के नेता होते हैं तो उनकी आय कम हो जाती है. और जब वे सिर्फ विधायक होते हैं तो उनकी आय बढ़ जाती है. उन्होंने तेजस्वी से दस्तावेज दिखाकर जवाब भी मांगा था और चुनौती दी थी कि अगर उनके आंकड़े गलत हैं तो वे उनके खिलाफ केस दर्ज करें.

# बिहार के स्वास्थ्य मंत्री ने जाना शारदा सिन्हा का हालचाल

**पटना (एजेंसी):** अपने छठ गीतों के लिए दुनियाभर में मशहूर बिहार की स्वर कोकिला लोक गायिका 'पद्मभूषण' शारदा सिन्हा की अचानक तबीयत खराब हो गई. तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है.

जहां फिलहाल उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है. बता दें कि कुछ दिनों पहले ही शारदा के पति का निधन हुआ है. बताया जा रहा है कि शारदा सिन्हा की तबीयत २६ अक्टूबर की सुबह अचानक खराब हो गई थी. जिस वजह से उन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया है. बीते एक हफ्ते से शारदा सिन्हा को खाने-पीने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था, जिसका दिल्ली एम्स में इलाज भी चल रहा था लेकिन आज सुबह अचानक ज्यादा तबीयत खराब हो गई.

वहीं शारदा सिंहा के बीमार होने की जानकारी मिलने के बाद बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने उनके बेटे अंशुमन से बात की है. मंगल पांडेय ने उन्हें इलाज में हर संभव मदद का भरोसा दिया है. साथ ही उन्होंने एम्स प्रशासन से भी शारदा सिन्हा की सेहत को लेकर बात की है. शारदा सिन्हा के बेटे ने बताया कि डॉ. राजा प्रमाणिक की स्पेशल केयर यूनिट में मां का इलाज चल रहा है. स्थिति में कुछ सुधार हुआ था तो आईसीयू से बाहर निकाला गया था लेकिन फिर अचानक तबीयत खराब हो गई है. जिसके बाद उन्हें वापस आईसीयू में शिफ्ट किया गया है.

बता दें कि पद्म भूषण गायिका शारदा सिन्हा को उनके मैथिली, मगही और भोजपुरी गानों के लिए जाना जाता है. उनके द्वारा गाए गए छठ के गीत बिहार के साथ साथ विदेशों में भी काफी मशहूर हुए हैं. हर साल छठ के समय वो अपने नए गाने रिलीज करती है लेकिन पति के निधन हो जाने के कारण इस बार उन्होंने गाना नहीं बनाया है. इसके अलावा बिहार के शादी- ब्याह के मौके पर भी उनके पारंपरिक गीत खूब बजाए जाते हैं.

# लालू सबसे बड़ा पाखंडी : ललन सिंह

**पटना (एजेंसी):** बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि सरकार शराब बेचने में लिप्त है, जबकि राज्य में जहरीली शराब पीने से लगातार मौतें हो रही हैं. तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए जेडीयू नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि उनको कौन गंभीरता से लेता है. मेरा मानना है कि तेजस्वी यादव की किसी बात को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए. वह जब हम लोगों के साथ थे तो शराबबंदी के मुद्दे पर नीतीश सरकार का गुणगान करते थे. अब जब वह हमारे साथ नहीं है तो इस तरह की बात कर रहे हैं. उनकी बयानबाजी से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है. बिहार की जनता सब समझ रही है. तेजस्वी यादव के माता-पिता ने बिहार में जंगलराज कायम किया था और आज भी उनके मन में यही कल्पना है. इसीलिए तेजस्वी यादव की बातों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए.

आरजेडी में पूर्व सांसद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना और बेटा ओसामा राजद शामिल हो गए है. पूर्व राजद सांसद और बाहुबली नेता शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब अपनी मां हिना संग राजद में शामिल हो गए. लालू प्रसाद यादव और और तेजस्वी यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा कि इससे पार्टी को और भी मजबूती मिलेगी.

इसे लेकर ललन सिंह ने कहा कि अच्छी बात है. यह दर्शाता है कि वह क्या कर रहे हैं, वह किसको किसको ला रहे हैं और आरोप हम लोगों पर लगाते है. लालू यादव से बड़ा कोई पाखंडी इस देश में नहीं है. इतने लंबे समय तक देश और प्रदेश में राज किया. इस दौरान विकास की जगह भ्रष्टाचार का इतिहास कायम किया. उल्लेखनीय है कि तेजस्वी यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि शहाबुद्दीन पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे हैं. वह लंबे समय तक सांसद और विधायक भी रहे. उनकी पत्नी और बेटे ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है और इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल कराया है. यह बहुत खुशी की बात है. उनके पार्टी में शामिल होने से सिवान के साथ-साथ पूरे बिहार में पार्टी को मजबूती मिलेगी.

# ओसामा शहाब ने राष्ट्रीय जनता दल का थामा दामन

**पटना (एजेंसी):** बिहार के बाहुबली दिवंगत नेता शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय जनता दल का दामन थाम लिया है. उन्हें पार्टी में शामिल कराने के लिए तेजस्वी यादव के लिए राजद अध्यक्ष लालू यादव भी मौजूद थे.

वहीं शहाबुद्दीन की पत्नी और ओसामा की मां हिना शहाब भी इस कार्यक्रम में शामिल हुई थीं. लोकसभा चुनाव के बाद से ही लालू यादव ने शहाबुद्दीन परिवार के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश शुरू कर दी थी. कुछ महीने पहले ही लालू यादव और तेजस्वी यादव ने हिना शहाब से मुलाकात की थी. जानकारी के मुताबिक, राजद के एमएलसी विनोद जायसवाल ने मीटिंग अरेंज कराई थी.

उसके बाद लालू परिवार और शहाबुद्दीन परिवार के बीच रिश्ते सामान्य होने लगे थे. हालांकि, इस पूरे मामले पर किसी भी तरफ से बयान नहीं आया लेकिन वक्त गुजरता गया और यह बात आज नतीजे के रूप में सामने आ गई.

बता दें कि शहाबुद्दीन और लालू यादव के बीच पारिवारिक रिश्ते थे. लेकिन शहाबुद्दीन के निधन के बाद दोनों परिवारों में मनभेद हो गया था. शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब का आरोप था कि उनके पति आरजेडी के संस्थापक सदस्य थे, लेकिन उनके निधन के बाद पार्टी ने कोई श्रद्धांजलि तक नहीं दी थी. यही वजह रही कि शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब ने इस लोकसभा चुनाव में सीवान से निर्दलीय चुनाव लड़ा था. हालांकि लोकसभा चुनाव के बाद से ही लालू यादव ने गलती सुधारने की कोशिश शुरू कर दी थी.

राजनीतिक जानकारों की माने तो शहाब परिवार और आरजेडी की करीबी से दोनों को ही फायदा होने की संभावना है. दरअसल, हिना शहाब ने आरजेडी से अलग कई बार निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपना भाग्य आजमाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं हाथ लगी.

अब आरजेडी के साथ आने के बाद जहां आरजेडी को सिवान क्षेत्र के मुस्लिम वोटर्स को साधने में आसानी होगी, वहीं ओसामा-हीना के हिस्से भी एक-दो सीट आ सकती है. इस से पहले ओसामा का नाम अपराध में उछलने से आरजेडी उनसे किनारा किये हुए थी.

# पटना डीएम पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश

**पटना (एजेंसी):** पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह बड़ी मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं. दरअसल, सीजेएम कोर्ट ने शनिवार (२६ अक्टूबर) को पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है. यह एफआईआर पटना के गांधी मैदान थाने में आईपीसी की धारा ३०७, १४९, ५०४ और ५०६/३४ के तहत दर्ज की जाएगी. बता दें कि यह मामला साल २०२३ का है, जब आम आदमी पार्टी के नेता बबलू कुमार के साथ मारपीट की गई थी. आप नेता बबलू प्रकाश ने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था. इसी मामले में कोर्ट ने पटना के डीएम के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है.

आप के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश सिन्हा ने बताया कि यह घटना पटना के गायघाट इलाके की है. यहां गरीब परिवारों के घरों को अतिक्रमण के नाम पर तोड़ा जा रहा था. राजेश सिन्हा ने बताया कि उनकी पार्टी के नेता बबलू प्रकाश ने गरीब परिवारों के पक्ष में डीएम से अपील की थी कि उन्हें कुछ समय दिया जाए. इसके बाद भी उनके साथ मारपीट की गई थी और उन्हें झूठे आरोप में जेल भेज दिया गया था. राजेश सिन्हा ने कहा कि बबलू कुमार की अपील तो नहीं ही मानी गई उल्टा उन पर शारीरिक हमला किया गया.कोर्ट के फैसले पर खुशी जताते हुए राजेश सिन्हा ने कहा कि १७ महीने की लंबी और कठिन लड़ाई के बाद आज उन्हें न्याय मिला है. कोर्ट के फैसले पर बबलू प्रकाश ने कहा कि यह सच्चाई की जीत है. एक न एक दिन न्याय होता ही है. प्रशासन ने मेरे साथ जो किया वह बिल्कुल अन्याय था. इस घटना ने मुझे तोड़ दिया था, लेकिन देश के न्यायप्रणाली और संविधान पर मुझे जो विश्वास था, वह आज और ज्यादा मजबूत हुआ है.

# शिक्षकों की सैलरी देने के लिए पत्नियों के साथ ज्वाइंट एकाउंट होना जरूरी

**बदायूं (ईएमएस) :** यूपी के बदायूं जिले में शिक्षा विभाग से एक अनोखा आदेश जारी किया है। यहां शराब पीने वाले पुरुष शिक्षकों को सबक सिखाने के लिये बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शराब पर रुपये उड़ाने वाले शिक्षकों की सैलरी के देने के लिये पत्नी के साथ ज्वाइंट अकाउंट खुलवाने का आदेश दिया है जिससे महिलाएं भी उनके अकाउंट से जरूरत के मुताबिक रुपये निकाल सकें। बदायूं जिले बीएसए आंनद शर्मा का अनोखा और सराहनीय आदेश हर किसी को प्रभावित कर रहा है।

बताया जा रहा है कि उन्हें लंबे समय से कई शराबी शिक्षकों की पत्नी की शिकायतें मिले रही थीं। इसके मद्देनजर बीएसए ने शराब के सेवन में सर्वाधिक वेतन खर्च करने वाले शिक्षकों को लेकर आदेश जारी किया जिसके मुताबिक शराबी शिक्षकों के वेतन पर लगाम लगाने के लिए पत्नी के साथ जॉइंट अकाउंट खोलने का आदेश दिया गया है। शराबी शिक्षकों का पूरा वेतन शराब में खर्च होने से रोकने के लिए बीएसए ने यह आदेश जारी किया है। बीएसए ने संबंधित बैंको से भी आग्रह किया। शराबी शिक्षकों को वेतन मिलने की सूचना उनकी पत्नियों को भी मैसेज भेजकर देने का आग्रह किया है जिससे कि वेतन मिलने की सूचना पाकर पत्नियां समय पर आवश्यक खर्च के लिए वेतन निकाल सकें।

बीएसए ने शराब पर वेतन खर्च करने वाले शिक्षकों की पत्नियों से जॉइंट अकाउंट के लिए आवेदन मांगे हैं। बीएसए बदायूं के आदेश की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। इतना ही नहीं बल्कि शराबी शिक्षकों की पत्नियों में खुशी की दिखाई दे रही है।

# 9 बड़े होटलों को उड़ाने की धमकी

**लखनऊ (ईएमएस):** लखनऊ के ९ बड़े होटलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। रविवार सुबह १० बजे होटलों को धमकी भरा ई-मेल आया। इसमें लिखा- आपके होटल के मैदान में काले बैग में बम है। ५५०० हजार डॉलर (५० लाख रुपए) भेज दो, नहीं तो बम से उड़ा दूंगा। हर जगह खून फैल जाएगा। बमों को निष्क्रिय करने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। बम की सूचना मिलते ही पुलिस और बम स्कायड की टीमें होटलों में पहुंच गईं।

तलाशी अभियान चल रहा है। इधर, दो फ्लाइट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पहली फ्लाइट बेंगलुरु से गोरखपुर आ रही है। इसके चलते एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। बम स्कायड टीम और सीनियर अफसर पहुंच गए हैं। दूसरी फ्लाइट १७३ यात्रियों को लेकर बेंगलुरु से अयोध्या पहुंच गई है। बम स्कायड टीम फ्लाइट के अंदर तलाशी ले रही है।

# कोर्ट ले जाते समय बिगड़ी हालत, युवक की मौत

**लखनऊ,(ईएमएस) :** लखनऊ में एक युवक की कस्टोडियल डेथ का मामला सामने आया है। युवक मोहित पांडे की पुलिस हिरासत में मौत हो गई, जिससे परिजनों में आक्रोश है। दरअसल, शुक्रवार को बच्चों के झगड़े में विवाद के बाद पुलिस ने मोहित पांडे और उनके भाई शोभाराम को गिरफ्तार किया था। शनिवार को कोर्ट ले जाने के दौरान मोहित की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि मोहित के साथ थाने में मारपीट हुई है।

मृतक की मां तपेश्वरी देवी ने एडीसीपी पूर्वी लखनऊ को शिकायत में बताया कि पुलिसकर्मियों और दूसरे पक्ष के कुछ लोगों पर संगीन आरोप लगाए हैं। शिकायत के मुताबिक शुक्रवार रात मामूली विवाद के बाद पुलिस मोहित और आदेश को थाने लेकर आई थी। मोहित का भाई शोभाराम जब उससे मिलने थाने पहुंचा तो उसे भी हिरासत में ले लिया गया। परिजनों का आरोप है कि शोभाराम को पुलिस ने यह कहते हुए बंद कर दिया कि वह शराब के नशे में था, जबकि दूसरे पक्ष को छोड़ दिया गया क्योंकि आदेश के चाचा एक स्थानीय नेता हैं।

परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस ने थाने में मोहित के साथ मारपीट की, जिससे उसकी लॉकअप में ही मौत हो गई। इसके बाद जब परिजन थाने पहुंचे तो उन्हें मोहित से मिलने नहीं दिया गया। बाद में परिवार को सूचना दी गई कि मोहित को लोहिया अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन इस घटना से स्थानीय लोगों में रोष है और निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। पुलिस का कहना है कि मोहित की तबीयत अचानक बिगड़ी थी, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था।

# जिम ट्रेनर के साथ फरार थी कारोबारी की पत्नी

**कानपुर (ईएमएस):** यूपी के कानपुर में चार महीने पहले लापता हुई कारोबारी की पत्नी के मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने जिम ट्रेनर को गिरफ्तार किया है, जिसने हत्या के बाद महिला के शव को दफनाने का दावा किया। अब पुलिस ने कलेक्टर आवास के पास खुदाई कर शव बरामद कर लिया है। यह मामला कानपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

चार महीने पहले कारोबारी की पत्नी एकता गुप्ता को जिम ट्रेनर विमल सोनी ने बहला-फुसला कर अगवा कर लिया था। हत्या के बाद महिला को गड्ढे में दफन कर दिया गया और जिम ट्रेनर लाखों की ज्वेलरी और नगदी लेकर फरार हो गया। जांच के दौरान पुलिस ने जिम ट्रेनर विमल सोनी से पूछताछ की, जिसमें उसने बताया कि उसने महिला का शव कलेक्टर आवास के पास दफनाया है। इसके बाद पुलिस ने उस स्थान पर खुदाई कर शव को बरामद किया। २४ जून को एकता गुप्ता अपने पति राहुल गुप्ता के साथ जिम गई थी और वापस घर नहीं लौटी। उनके पति ने आरोप लगाया था कि जिम ट्रेनर ने प्रोटीन शेक में नशीला पदार्थ मिलाकर उनकी पत्नी को अगवा किया। लापता होने के बाद दोनों के फोन स्विच ऑफ थे, जिससे उनके ठिकाने का पता नहीं चल रहा था।

# बिहार उपचुनाव में जन सुराज के तीनों उम्मीदवार हैं दागी



**पटना (एजेंसी):** बिहार में अपनी नई पार्टी लॉन्च करने वाले प्रशांत किशोर ने प्रदेश की राजनीति में सुचिता लाने का वादा किया था. वह लगातार राजद पर गुंडाराज का आरोप लगाते थे, लेकिन जब चुनावी मंच की बात आई तो खुद भी वही करते हुए नजर आ रहे हैं. दरअसल, बिहार की ४ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए पीके ने जिन तीन उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, वह तीनों दागी हैं. पीके के एक कैंडिडेट पर तो अपहरण तक का केस दर्ज है. प्रशांत किशोर ने कैमूर जिले की रामगढ़ सीट से सुशील कुमार सिंह कुशवाहा को मैदान में उतारा है. वहीं गया की बेलागंज सीट से प्रो. खिलाफत हुसैन का टिकट काटकर मोहम्मद अमजद को मैदान में उतारा है. इसी तरह से तरारी से एसके सिंह का टिकट काटकर अब किरण सिंह पर दांव खेला गया है. गया की इमामगंज से प्रत्याशी जितेंद्र पासवान को टिकट मिला है.

रामगढ़ सीट से जन सुराज के कैंडिडेट सुशील कुमार सिंह पर छख -र्लीं में केस दर्ज हैं. उन पर कुल दो मुकदमे दर्ज हैं. पहले मुकदमे में खझउ की धारा ३४, ३०७, ३२३, ३४१ और ५०४ के तहत केस दर्ज है. तो वहीं दूसरे मुकदमे में सेक्शन १३८ और छख -र्लीं में केस दर्ज हैं. इसी तरह से इमामगंज से प्रत्याशी जितेंद्र पासवान पर अपहरण और धमकी देने का मामला दर्ज है. बेलागंज से जन सुराज के उम्मीदवार मोहम्मद अमजद पर सबसे ज्यादा ५ मामले दर्ज हैं. सभी मामले काफी संगीन हैं. उन पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने, दंगा-फसाद कराने की धाराओं में पांचो मामले दर्ज हैं.

पीके ने पार्टी बनाने से महिलाओं को ४० फीसदी तक हिस्सेदारी देने का वादा किया था, लेकिन उपचुनाव में ऐसा होता नहीं दिख रहा है. हालांकि, उपचुनाव में उन्होंने तरारी विधानसभा सीट से किरण सिंह को टिकट दिया है. पहले यहां से एसके सिंह को उतारा गया था.

जब एसके सिंह की दावेदारी फंसती नजर आई तो पीके ने उनका टिकट काट कर किरण सिंह को खड़ा कर दिया. इस तरह से पीके ने एक महिला को टिकट दिया है. एनडीए की ओर से दो महिलाएं ताल ठोंक रही हैं. हम से केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू तो वहीं जेडीयू से मनोरमा देवी को टिकट मिला है.

# वर्तमान सरकार में जनता के साथ हो रही बदतमीजी : शिवपाल यादव



**लखनऊ,(ईएमएस) :** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने योगी आदित्यनाथ सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में जनता के साथ लगातार हो रही बदतमीजी को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

शिवपाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जनता के साथ ज्यादती होती है और उनके हितों पर कुठाराघात होता है, तो इस सरकार को सत्ता से हाथ धोना पड़ सकता है। लोकतंत्र में जनता की अहमियत होती है, और अगर उनके साथ अन्याय होगा, तो सत्ता बदलने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने प्रशासन के दमनकारी रवैये की आलोचना की और कहा कि पुलिस और अन्य अधिकारियों द्वारा लोगों के साथ की जा रही बदतमीजियों को सहन नहीं किया जा सकता। मौजूदा सरकार लोकतंत्र के सिद्धांतों पर कुठाराघात कर रही है, जिससे साफ है कि उसे जनता के हितों से कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने एक दुखद घटना का जिक्र करते हुए कहा कि कल रात एक गाय दुर्घटना की शिकार हो गई। कई बार वरिष्ठ अधिकारियों को फोन किया, लेकिन किसी ने फोन उठाने की जरूरत नहीं समझी। गाय दर्द से कराह रही थी, कुत्ते उसे नोंच रहे थे। क्या यह एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रशासन की कार्यशैली है? शिवपाल ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अब तक किसी भी सरकार में इतना कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार नहीं देखा। यह सरकार तानाशाही व्यवस्था को आत्मसात कर चुकी है और केवल अपनी मनमानी करने पर उतारू है। लोगों ने ऐसी सरकार की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह सिलसिला जारी रहा, तो इसका नतीजा सत्ता परिवर्तन के रूप में सामने आ सकता है।

# स्कूली बच्चे लिखेंगे पत्र, मम्मी-पापा वोट दो : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

**रांची (एजेंसी):** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य के सभी मध्य एवं उच्चतर विद्यालयों के कक्षा ६-१२ के बच्चे सोमवार को अपने माता-पिता के नाम मतदान करने के लिए पत्र लिखेंगे.

स्कूलों में पत्र लेखन कार्यक्रम २८ अक्टूबर को पूर्वाहन ११ से १२ बजे के बीच होगा. मतदाता जागरूकता के इस नायाब आइडिया के क्रियान्वयन का निर्देश सभी संबंधितों को दिया गया है.

उन्होंने बताया कि बच्चों द्वारा पत्र लेखन के पूर्व विद्यालय के प्रधानाध्यापक और शिक्षक उन्हें मतदान की आवश्यकता और इसकी महता पर सभी बच्चों को उन्मुखीकरण करना सुनिश्चित करेंगे. तय समयसीमा के भीतर पत्र लेखन कर सभी बच्चे अपने पत्र को अपने घर ले जाकर अपने माता-पिता को सौपेंगे और उनसे मतदान के दिन मतदान अवश्य करने का अनुरोध भी करेंगे.

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने बताया कि यह संदेश अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचे, इसके लिए सोमवार को सोशल मीडिया में हैशटैग ''मम्मी पापा वोट दो'' अभियान चलेगा. उन्होंने सभी से अपील की है कि वे इस अभियान से जुड़ें और मतदाता जागरूकता के इस कार्यक्रम को सफल बनायें.

# फिजी गणराज्य ने गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से किया सम्मानित



**रांची (एजेंसी):** दक्षिण प्रशांत के देश फिजी ने वैश्विक आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रवि शंकर को मानवीय आत्मा के उत्थान और विभिन्न समुदायों को शांति और सद्भाव के द्वारा एकजुट करने के उनके योगदान के लिए अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है. फिजी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम रातू विलियामे एम. कटोनिवेर ने गुरुदेव को 'ऑनरेरी ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' की उपाधि से सम्मानित किया. फिजी, ऐसा छठा देश है जिसने आर्ट ऑफ लिविंग के माध्यम से गुरुदेव के मानवीय कार्यों को मान्यता दी है, जो पिछले ४३ वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, महिला और युवा सशक्तिकरण, तनाव राहत और ध्यान कार्यक्रमों में सक्रिय हैं. गुरुदेव की यात्रा के दौरान, उन्होंने फिजी के उपप्रधान मंत्री, विलियम गावोका और संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट समन्वयक डर्क वैगनर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बातचीत की. नेताओं ने चर्चा की कि आर्ट ऑफ लिविंग किस तरह युवाओं को सशक्त बनाकर और स्थानीय समुदायों के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करके फिजी की प्रगति में योगदान कर सकता है.

# सुप्रियो भट्टाचार्य ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार, एवी होमकर व संजय लाटकर पर लगाया आरोप



**रांची (एजेंसी):** जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने भारतीय निर्वाचन आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार, आईपीएस एवी होमकर और संजय आनंद लाटकर के खिलाफ आरोप लगाते हुए पत्र लिखा है. पत्र में पदाधिकारियों द्वारा पद का दुरुपयोग करते हुए चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हुए एक विशेष राजनीतिक दल (भाजपा) के पक्ष में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की बात कही गई है. साथ ही संपूर्ण तथ्यों की निष्पक्ष एवं गहनता से जांच कर उक्त पदाधिकारीयों के कार्यों की समीक्षा की जाये और तत्काल प्रभाव से उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया से विमुक्त करने की बात भी कही गई है. पत्र ने लिखा है कि वर्तमान में हेमंत सोरेन जी राज्य के मुख्यमंत्री भी हैं और जेएमएम पार्टी के स्टार प्रचारक भी हैं. हेमंत सोरेन के नामांकन को प्रभावित करने के लिए उनके प्रस्तावक जिस प्रकार प्रभावित किया गया, यह एक आपराधिक साजिश के साथ साथ आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है.

**क्या लिखा है पत्र में-** २७ अक्टूबर २०२४ को अपराह्न लगभग १ बजे गिरिडीह पुलिस द्वारा वाहन जांच के क्रम में एक वाहन को रोका गया. जिसमें कई व्यक्तियों के साथ श्री मंडल मुर्मू जो हमारे साहेबगंज जिले के ०३ बरहेट (अ.ज.जा) के अधिकृत प्रत्याशी श्री हेमंत सोरेन जी के प्रस्तावक भी हैं, को रोका गया और उनसे उनके गंतव्य के बारे में पूछा गया. वाहन में सवार यात्रियों द्वारा कोई उत्तर ना दिए जाने के कारण वाहन को गिरिडीह पुलिस ने रोक लिया. जिसके पश्चात राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी श्री रवि कुमार (आईएएस), श्री संजय आनंद लाटकर (आई.पी.एस) और श्री अमोल वेनुकांत होमकर के द्वारा अपने पद व प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर गिरिडीह जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पर अनावश्यक दबाव बनाकर गिरिडीह पुलिस के संरक्षण में रहे वाहन को सभी यात्रियों के साथ आनन-फानन में मुक्त कर दिया गया.

## आवश्यक सेवा में लगे कर्मियों को मिलेगी डाक पत्र से वोट करने की मिलेगी सुविधा

**रांची (एजेंसी):** विधानसभा चुनाव के दौरान आवश्यक सेवा में लगे अफसरों और कर्मचारियों को पोस्टल बैलेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. निर्वाचन आयोग ने इसका आदेश सभी जिला के निर्वाचन पदाधिकारियों को दे दिया है.

**इन्हें मिलेगी डाक पत्र से वोटिंग की सुविधा**

रेल परिवहन में लगे कर्मी, बिजली विभाग, बीएसएनएल, पोस्ट एंड टेलीग्राम, दूरदर्शन, आकाशवाणी, स्टेट मिल्क एंड यूनियन मिल्क कॉपरेटिव सोसाइटी, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, नागर विमानन, ट्रैफिक पुलिस, एंबुसलेंस, एयरपोर्ट प्राधिकरण, जेल में कार्यरत अफसर व कर्मी।

# इरफान अंसारी को तत्काल मंत्रिमंडल से हटाए हेमंत सोरेन : बाबूलाल मरांडी

**रांची (एजेंसी):** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अपने 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बातें बताई हैं. इस क्रम में दो महापुरुषों का जिक्र किया है. दोनों महापुरुषों की १५०वीं जयंती शुरू हो रही है. इसमें एक सरदार वल्लभभाई पटेल और दूसरे भगवान बिरसा मुंडा हैं. सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है. उस दिन दिवाली भी है. इस बार सरदार पटेल की जयंती को और धूमधाम से मनाना है. १५ नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है. उनकी भी १५०वीं जयंती प्रारंभ हो रही है. उसको भी पूरे देश में धूमधाम से मानना है.

**भाजपा की सरकार बनाने की है जरूरत**

झारखंड में आज की जो जरूरत भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनाने की है, ताकि झारखंड को हम सब बचा सकें. आज झारखंड जिन लोगों के हाथों में है, दलाल और बिचौलियों के हाथ में झारखंड फंस चुका है. ये लोग सब कुछ लूटने में लगे हुए हैं. झारखंड को लुटेरों से, दलालों से, बिचौलियों से बचने के लिए यह चुनाव है. झारखंड की तमाम जनता से यही अपील करते हैं, निवेदन करते कि झारखंड को बचाने के लिए वे भारतीय जनता पार्टी को वोट करें. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हाथ को मजबूत करना है.

**हेमंत सोरेन हैं लाचार और विवश**

यह तो बिल्कुल स्पष्ट हो चुका है कि हेमंत सोरेन लाचार और विवश हैं. वोट की खातिर वे किसी भी हद तक गिर सकते हैं. पार्टी भले अलग हो लेकिन सीता सोरेन उनकी भाभी है. उनके आंदोलनकारी भाई दुर्गा सोरेन की पत्नी हैं. झारखंड की एक महिला भी हैं.

सीता सोरेन के बारे में जामताड़ा के विधायक इरफान अंसारी इस घटिया शब्द का उपयोग करते हैं. उस शब्द का हम प्रयोग नहीं कर सकते. अगर हेमंत सोरेन के दिल में थोड़ा भी स्वाभिमान है, तो इरफान अंसारी को मंत्रिमंडल से हटा देना चाहिए. इसके बाद भी हेमंत सोरेन चुप हैं. उनको मंत्रिमंडल से भी नहीं हटा रहे तो सोच सकते हैं कि उनसे झारखंड की मां बहनों की रक्षा कैसे हो सकती है. झारखंड की जनता झारखंड की मां बहन इसको अच्छी तरह से देख रही है. हेमंत सोरेन को अब तो कम से कम जाग जाना चाहिए.

## अगर हेमंत सोरेन को शर्म है, तो मंत्री इरफान अंसारी को हटाएं: शिवराज

**रांची (एजेंसी):** केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि झारखंड में सीता सोरेन का अपमान हुआ है. झारखंड सरकार और मंत्री इरफान अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह बयान सरकार की महिला-विरोधी मानसिक्ता को दिखाता है. सीता सोरेन भाजपा की सम्मानित नेता हैं, और उनका अपमान झामुमो सरकार के महिला-विरोधी रवैये को उजागर करता है. सीता सोरेन जी, स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पत्नी, शिबू सोरेन की बहू और हेमंत सोरेन की भाभी हैं. लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिस सरकार के मुखिया हेमंत सोरेन हैं, उसी सरकार का एक मंत्री उनकी भाभी का अपमान कर रहा है.

# झारखंड में जदयू के दोनों उम्मीदवार सीएम को दे चुके हैं मात



**रांची (एजेंसी):** झारखंड में जदयू का कोई खास जनाधार तो नहीं है, लेकिन विधानसभा चुनाव के अखाड़े में खड़े दोनों उम्मीदवार सीएम को मात दे चुके हैं.

सरयू राय ने २०१९ में जमशेदपुर पूर्वी से पूर्व सीएम रघुवर दास को मात दी थी. वहीं राजा पीटर ने २००९ के उपचुनाव में तत्कालीन सीएम शिबू सोरेन को शिकस्त दी थी. शिबू सोरेन की हार के बाद झारखंड की राजनीति में भूचाल आ गया था.

इस हार के बाद शिबू सोरेन को सीएम का पद छोड़ना पड़ा था. राजा पीटर २०१० में कैबिनेट मंत्री भी बने थे. इसके बाद उन्होनें जदयू से किनारा कर लिया था. अब एक बार फिर राजा पीटर जदयू के टिकट पर चुनावी अखाड़े में हैं.

**सरयू राय ने भी रघुवर को दी थी पटखनी**

सरयू राय २००५ में विधायक बने. २००९ में वे कांग्रेस के हाथों पराजित हुए थे. २०१९ तक रघुवर दास और सरयू के बीच दूरी बढ़ती गई.

हालांकि वे रघुवर सरकार में कैबिनेट मंत्री भी थे. २०१९ में भाजपा से टिकट कटने के बाद सरयू ने रघुवर दास के खिलाफ ही चुनावी अखाड़े में उतर गए. इस चुनाव में रघुवर दास जीत नहीं पाए. इस बार भी लोगों की निगाहें जदयू के दोनों उम्मीदवार राजा पीटर और सरयू राय पर टिकी हुई हैं.

# झारखंड विस चुनाव में 14705 होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति के लिए गृह विभाग ने दी स्वीकृति



**रांची (एजेंसी):** झारखंड विधानसभा चुनाव में १४७०५ होमगार्ड जवानों की प्रतिनियुक्ति होगी. प्रतिनियुक्ति १६ दिनों के लिए होगी. इसे लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है.

बता दें कि इससे पहले आईजी अभियान ने होमगार्ड डीजी को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए काफी अधिक संख्या में बलों की प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता होगी.

झारखंड के सभी जिलों में उपलब्ध कुल २१००७ होमगार्ड के जवानों में से ७०% यानी १४७०५ होमगार्डों को चुनाव ड्यूटी में प्रतिनियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत हो रहा है.

**किस जिले से कितने होमगार्ड को चुनाव ड्यूटी में लगाया जायेगा**

रांची : १३५५ खूंटी : ४३६ गुमला : ६३३ सिमडेगा : ४३३ लोहरदगा : ४७७ पलामू : १०९३ लातेहार : ५०५ गढ़वा : ४४५ हजारीबाग : ४८८ रामगढ़ : ६२४ चतरा : ७५२ कोडरमा : २८५ गिरिडीह : ६३७ धनबाद : ७६४ बोकारो : ९६३ देवघर : ४४९ जामताड़ा : ३५६ दुमका : ३५१ साहेबगंज : ५३७ गोड्डा : ४४९ पाकुड : ३५३ जमशेदपुर : ९४९ चाईबासा : ७७४ सरायकेला : ५९९

# झारखंड के अस्पतालों में लगेगा लेटेस्ट एमआरआई और सीटी स्कैन मशीन



**रांची (एजेंसी):** राज्य के मरीजों को अब हाइटेक सुविधा मिलेगी. इसके तहत राज्य के हॉस्पीटल में लेटेस्ट एमआरआई और सिटी स्कैन मशीन लगाई जाएगी. इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने १३२ करोड़ रुपए आबंटित कर दिए गए हैं.

एक थ्री टेसला एमआरआइ मशीन की लागत १७ करोड़ रुपए होगी. जबकि २५६ स्लाइस वाले एक सिटी स्कैन वाली मशीन की कीमत पांच करोड़ रुपए होगी.

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्तमान समय के चिकित्सा प्रणाली में एमआरआइ और सीटी स्कैन मशीन की उपयोगिता अहम हो गई है.

मशीनों की खरीद टेंडर के जरीए की जाएगी. संस्थान के प्राचार्य,अधीक्षक, सिविल सर्जन द्वारा क्रय किए गए मशीन उपकरण, उपस्कर, आदि के संचालन, सुख्क्षा एवं रख-रखाद की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी.

एमजीएम हॉस्पीटल जमशेदपुर।

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, धनबाद।

शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय, हजारीबाग।

फूलो-झानो चिकित्सा महाविद्यालय, दुमका।

मेदिनी राय चिकित्सा महाविद्यालय।

सदर हॉस्पीटल रांची।

# रांची : धुर्वा डैम से युवती का शव बरामद, पुलिस जांच में जुटी

**रांची (एजेंसी):** रांची के धुर्वा डैम से एक युवती का शव बरामद हुआ है. यह मामला नगड़ी थाना क्षेत्र का है. रविवार की सुबह स्थानीय लोगों ने डैम में शव को तिरते हुए देखा. इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गयी. मौके पर पुलिस ने पहुंच कर स्थानीय गोताखोर की मदद से युवती का शव पानी से बाहर निकलवाया. युवती के पॉकेट से आधार कार्ड बरामद हुआ है. जिसमें उसका नाम रेशमा परवीन लिखा हुआ है, और वह जींस और टी शर्ट पहने हुए है. पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है कि युवती ने आत्महत्या की है या फिर उसकी हत्या कर उसके शव को डैम में फेंक दिया गया.

# विधानसभा चुनाव को लेकर एसएसपी ने अर्धसैनिक बल के पदाधिकारियों के साथ बैठक की




**रांची (एजेंसी):** झारखंड विधान सभा चुनाव को लेकर एसएसपी चंदन सिन्हा ने अर्धसैनिक बल के पदाधिकारियों के साथ आज रविवार को एसएसपी कार्यालय में बैठक की. बैठक में विधानसभा चुनाव के शांतिपूर्ण और सुरक्षित समापन के लिए चर्चा की. साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिये.

बता दें कि विधानसभ चुनाव २०२४ की तैयारियों को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह सक्रिय है. जिले के विभिन्न चौक-चौराहों पर स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) द्वारा छोटे-बड़े वाहनों की जांच की जा रही है.

**पहले चरण में 13 नवंबर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को वोटिंग होगी**

झारखंड विधानसभा चुनाव इस बार दो चरणों में होंगे. पहले चरण में १३ नवंबर और दूसरे चरण में २० नवंबर को वोटिंग होगी. पहले चरण में १३ जिलों की ३० सीटों पर मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में १६ जिलों की ३६ सीटों पर वोट डाले जायेंगे. चुनाव के नतीजे २३ नवंबर को आयेंगे.

# मिथिला पंचांग के अनुसार 31 को मनेगी दिवाली

**रांची (एजेंसी):** दिवाली हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है. इसे बड़े उत्साह के साथ मनायी जाती है. इस बार दिवाली की तारीख ३१ अक्टूबर को पड़ रहा है. मिथिला पंचांग के अनुसार ३१ अक्टूबर को दिवाली मनाना शुभ रहेगा. चतुर्दशी तिथि ३१ अक्टूबर को दोपहर ३ बजकर २३ मिनट तक रहेगी. पंडित नितेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मिथिला पंचांग के अनुसार अमावस्या तिथि ३१ अक्टूबर, गुरुवार को दोपहर ३ बजकर २४ मिनट से शुरू हो रही है. इस वजह से दिवाली ३१ अक्टूबर को मनाई जाएगी.

दिवाली के त्योहार पर अमावस्या तिथि रात में हो रही है. जो १ नवंबर, २०२४ को शाम में नहीं है. ३१ अक्टूबर को दोपहर ३:२४ बजे अमावस्या लग रही है. इस दिन अमावस्या पूरी रात है. इस दिन लक्ष्मी पूजन के लिए वृषभ और सिंह लग्न का शुभ समय उपलब्ध रहेगा. पंडित नितेश मिश्रा का कहना है कि प्रदोष काल और मध्य रात्रि में अमावस्या होने के कारण दिवाली ३१ अक्टूबर २०२४ को मनाया जा रहा है. जबकि १ नवंबर को प्रदोष काल कुछ ही मिनटों का है, क्योंकि इस दिन अमावस्या सूर्यास्त के बाद समाप्त हो जाएगी, जिसके कारण अमावस्या तिथि पर लक्ष्मी पूजन का समय नहीं मिलेगा।

**प्रदोषव्यापिनी अमावस्या का है महत्व**

दिवाली में रात्रि व्यापिनी अमावस्या का महत्व है. इस बार अमावस्या ३१ अक्टूबर की रात को है. मान्यता है कि अमावस्या की रात को माता लक्ष्मी धरती पर आती हैं और भक्तों के घर जाती हैं. ३१ अक्टूबर २०२४ को दिवाली पूजा का शुभ मुहूर्त पंडित नितेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मिथिला पंचांग के अनुसार कार्तिक मास की अमावस्या तिथि ३१ अक्टूबर को दोपहर ३:२४ बजे से एक नवंबर को शाम ५:२४ बजे तक रहेगी. दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का सबसे अच्छा समय सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल और स्थिर लग्न में है. भगवान गणेश, देवी सरस्वती और महाकाली की भी पूजा की जाती है. ये सभी मुहूर्त ३१ अक्टूबर को ही मिलेंगे.

अयोध्या में दिवाली का पर्व एक नवंबर को मनाया जाएगा. जबकि, काशी के पंडितों के मुताबिक दिवाली ३१ अक्टूबर को मनाना ही फलदायी रहेगा. साथ ही वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर, नाथद्वार श्रीनाथजी मंदिर, तिरुपति देवस्थानम और द्वारकाधीश में भी दिवाली का पर्व ३१ अक्टूबर को ही मनाया जाएगा. उज्जैन के ज्योतिर्विदों के अनुसार, ३१ अक्टूबर को अमावस्या प्रदोष काल में ही मनाना सही रहेगा और धनतेरस २९ अक्टूबर को मनाया जाएगा. वहीं दृक पंचांग के अनुसार, लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त १ नवंबर को भी रहेगा और इस दिन ही दीपावली मनाई जाएगी.

# वित्त विभाग ने शुरू की वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट बनाने की तैयारी




**रांची (एजेंसी):** वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के लिए बजट बनाने की तैयारी शुरू कर दी है. साथ ही वित्तीय वर्ष २०२४-२५ के पुनरीक्षित बजट का प्राकलन तैयार करने का आदेश जारी किया है. इसके लिए वित्त विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और विभागाध्यक्ष को पत्र लिखा. वित्त विभाग द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि वित्तीय वर्ष २०२५-२६ को लिए बजट निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. संसाधन सीमित है इस कारण सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए राज्य के सतत और समावेशी विकास के लिए आगामी वितीय वर्ष २०२५-२६ का बजट तैयार किया जाना है. बजट प्रस्ताव के गठन में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखे जाने की आवश्यकता है.

**जीवन, आजीविका और विकास पर जोर**

पत्र में कहा गया है कि जीवन और आजीविका की सुरक्षा तथा विकास को ध्यान कर बजट तैयार किया जाएगा. पिछले वर्षों में शुरू की गयी योजनाओं के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सम्यक प्रयास किए जाएं. इस तथ्य का ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि जिन योजनाओं ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है, उनके स्थान पर वर्तमान समय में प्रासंगिक योजनाएं प्रस्तावित की जाएं जिनसे अधिकतम जनकल्याण का लक्षय प्राप्त किया जा सके. समाज के अंतिम कगार पर बैठे व्यक्ति का अधिकतम कल्याण संभव हो सके. बजट प्रस्ताव गठित करते समय मितव्ययिता के सिद्धांत को भी ध्यान में रखा जाए. व्यय का प्रस्ताव एफआरबीएम एक्ट में दी गई सीमाओं के अंतगर्त ही दिए जाएं. इसलके अलावा सेंट्रल और स्टेट स्कीम का पूरा ब्योरा दिया जाए.

**राजस्व प्राप्तियों में इन तथ्यों को किया जाए शामिल**

राजस्व प्राप्तियों में राज्य के स्व-कर से इनकम जैसे ट्रांसपोर्ट, लैंड रेवेन्यू , राज्य उत्पाद कर को शामिल किया जाए. गैर-कर-आय जैसे- रॉयल्टी, सार्वजनिक उपक्रमों से अर्जित लाभांश, सरकारी उधारों पर ब्याज तथा अन्य स्रोतों से विभागों की आय को शामिल किया जाए. इसके अलावा कर और शुल्क (फीस) तथा अधिभारों की वर्तमान दर. पिछले तीन वर्षों में प्राप्ति की वास्तविक स्थिति एवं वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में प्राप्तियों की वृद्धि दर की प्रवृत्ति, पूर्व के वर्षों का बकाया तथा वित्तीय वर्ष २०२५-२६ में उसकी वसूली की संभावना को भी शामिल किया जाए.

**स्थापना व्यय में इन तथ्यों को किया जाए शामिल**

स्थापना व्यय में वेतन, मजदूरी, देशीय यात्रा व्यय, विदेश यात्रा व्यय, कार्यालय व्यय, आपूर्ति एवं सामग्री, मुद्रण एवं प्रकाशन, विज्ञापन, प्रशिक्षण व्यय, मोटर गाड़ी ईंधन एवं मरम्मति, अनुरक्षण, मरम्मति एवं सुसज्ञीकरण, राशन की लागत वर्दी, संविदा व्यय, व्यवसायिक सेवा, किराया दरें एवं कर, पेंशन संबंधी प्रभार, पुरस्कार, मोटरगाड़ी, विद्युत व्यय, ऋण/ब्याज का भुगतान को भी शामिल किया जाए. वित्त विभाग ने विभागों से राजस्व प्राप्तियों का ब्योरा देने के लिए नौ दिसंबर तक की तिथि निर्धारित की है. स्थापना व्यय का ब्योरा देने के लिए २५ नवंबर की तिथि निर्धारित की है. वहीं सामान्य बजट के प्राकलन के लिए १६ जनवरी २०२५ की तिथि निर्धारित की है.

# कोडरमा में पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव आयोजित

**कोडरमा (ससे):** कोडरमा विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन कोडरमा में एक अनोखी पहल की गई है। जिला प्रशासन कोडरमा (निर्वाचन शाखा) अंतर्गत स्वीप कोषांग के तहत झुमरी तिलैया स्थित ब्लॉक मैदान पर निर्वाचन थीम पर पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव का तीन दिवसीय मेला का आगाज किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने फीता काट कर पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव का उद्घाटन किया। तत्पश्चात जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त , पुलिस अधीक्षक पुलिस प्रेक्षक , व्यय प्रेक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग निशांत व अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव अंतर्गत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह,पुलिस प्रेक्षक सुधांशु वर्मा, व्यय प्रेक्षक सुरेन्द्र कुमार मीना, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, उप विकास आयुक्त ऋतुराज समेत अन्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ व शॉल भेंट कर अभिनंदन किया गया।

नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग नीतीश कुमार निशांत ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि मतदाता जागरूकता को लेकर कई तरह की गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है ताकि मतदाताओं को नैतिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा सके। स्वीप कार्यक्रम के तहत खेल कूद प्रतियोगिता, मेंहदी/पेंटिंग/लेखन/वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता, साइकिल रैली समेत अन्य गतिविधियों का आयोजन कर मतदाताओं को नैतिक मतदान करने के प्रेरित किया जा रहा है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि निर्वाचन के थीम पर यह तीन दिवसीय पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव का आयोजन किया गया है। इसमें विभिन्न पब्लिशर और बुक सेलर के द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं। पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव के माध्यम से जिले के शत-प्रतिशत मतदाताओं को नैतिक मतदान करने के लिए संदेश दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस लोकतंत्र के महा उत्सव में सभी मतदाताओं की सहभागिता है और अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए १३ नवंबर को अपने अपने मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करें। इस पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव को सफल बनायें। वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि पुस्तक मेला का अधिक से अधिक लाभ उठायें और यहां पर विभिन्न स्टॉलों में विभिन्न प्रकार के पुस्तकें लगायें गये, उनका लाभ उठायें और आगामी १३ नवंबर २०२४ दिन बुधवार को अपने मतदान केंद्र में जाकर मतदान करें और एक जिम्मेदार मतदाता का फर्ज निभाएं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चलो चले अब आई है अपनी बारी, हम सबको मिलकर निभानी है अपनी जिम्मेदारी, बेकरी की मिठास, बदलाव का एहसास, एक एक वोट के साथ। दीपोत्सव के साथ मतोत्सव मनायें ताकि १३ नवंबर को कोडरमा विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि १३ नवंबर को कोडरमा विधानसभा के लिए ४२९ बूथों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, ज्यादा से ज्यादा लोग दीपावली और छठ महापर्व के साथ लोकतंत्र के महापर्व को भी उत्सव के रूप में मनाए। पुलिस प्रेक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव का आयोजन करना जिला प्रशासन कोडरमा की अच्छी पहल है। अभी चारों तरह चुनाव का माहौल है, इस चुनावी माहौल में १३ नवंबर २०२४ को अपने १९ कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान अवश्य करें।

पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव में लगायें गये स्टॉल पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव में प्रेस गैलरी, हेल्प डेस्क, अर्ट एंड क्राफ्ट गैलरी, अनुज्ञा बुक्स, झारखंड झरोखा, प्रिय साहित्य भवन, यश प्रकाशन, समय प्रकाशन, उड़ान पब्लिकेशन, शर्मा बुक सेंटर वाणी प्रकाशन, जय मां बुक सेंटर, बेकरी की मिठास बदलाव का एहसास वोट के साथ बुमेन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड जयनगर, जेएसएलपीएस समेत अन्य स्टॉल लगायें गये हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक ,पुलिस प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त द्वारा स्टॉल का निरीक्षण किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक,पुलिस प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी शुक्ला, उप विकास आयुक्त द्वारा १३ नवंबर २०२४ को वोट करेगा कोडरमा का गुब्बारा उड़ाया गया और सभी जिलेवासियों से मतदान करने की अपील किया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, पुलिस प्रेक्षक सुधांशु वर्मा, व्यय प्रेक्षक सुरेन्द्र कुमार मीना, वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, उप विकास आयुक्त ऋतुराज व अन्य पदाधिकारियों और कर्मी ने १९ कोडरमा विधानसभा क्षेत्र के लिए हस्ताक्षर बोर्ड पर हस्ताक्षर कर और सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेकर नैतिक मतदान करने का संदेश दिया। पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव में लेखक सम्मेलन, क्रिएटिव राइटिंग व पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित पुस्तक मेला सह निर्वाचन उत्सव में लेखक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के लेखक शामिल हुए और लोकतंत्र में मताधिकार के महत्व पर चर्चा हुई। क्रिएटिव राईटिंग व पेंटिंग प्रतियोगिता विभिन्न विद्यालयों के बच्चे शामिल हुए।

उपस्थिति इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुरेंदु, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, जिला सहकारिता पदाधिकारी रूमा झा, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# कला संस्कृति मंच ने किया डहरे सोहराय का आयोजन

**डुमरी (ससे):** बृहद झारखण्ड कला संस्कृति मंच के बैनर तले रविवार को जीटी रोड पर ८१ गुस्टी ८१आखड़ा व ८१ किमी में डहरे सोहराय ऐतिहासिक रहा। छोटानागपुर पठार के कुड़मी/कुरमी महतो जनजाति समाज के लोगों ने डहरे सोहराय मनाया अपने पारंपरिक वेष भूषा,सोहराय चाइचर,झुमर नाच गान किया गया। कुड़मी जनजाति अपने संस्कृति को आज तक पुरखो के द्वारा चलाये गये को संवार कर रखा है। कुड़मी जनजाति अपने परब त्योहार को बिष की पटल रखने का काम कर रही है।

धनबाद बरवाअड्डा से बगोदर तक के विभिन्न अखाडो पर पहुंच कर समाज के लोगों ने भागीदारी निभाई।मौके पर कुविंयुमो के केन्द्रीय अध्यक्ष थानेश्वर महतो केन्द्रीय महासचिव रामचंद्र महतो केंद्रीय प्रधान प्रवक्ता दीपक महतो जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा प्रवीण कुमार महतो प्रखंड अध्यक्ष कुंजलाल महतो,छोटन प्रसाद त्रिभुवन महतो,उमेश महतो,भुनेश्वर महतो,संजय महतो,मिथलेश महतो आदि सैकड़ों लोग शामिल थे।

# हैदराबाद में सम्मानित होंगे ब्लड मैन सलूजा आज

**हैदराबाद (कासं):** २८ अक्टूबर को यंग इंडियन ब्लड डोनर्स क्लब , हैदराबाद , तेलंगाना द्वारा एक राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मान समारोह में झारखंड से ह्यूमैनिटी सेवियर्स के संस्थापक अध्यक्ष हरबंश सिंह सलूजा को यंग इंडियन सेवा पुरस्कार - २०२४ से सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में देश के सभी राज्यों के रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा।

झारखंड की सामाजिक संस्था ह्यूमैनिटी सेवियर्स , बोकारो के संस्थापक अध्यक्ष हरबंश सिंह सलूजा को उनके द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ रक्त सेवा हेतु इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए चयनित किया गया है।विश्व रिकार्ड धारक हरबंश सिंह सलूजा ने कहा कि हमारी संस्था पिछले १६ वर्षों से रक्तदान के क्षेत्र में एवं अन्य सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सेवा कार्य कर रही है। हमारे निस्वार्थ सेवा कार्यों को देखते हुए हैदराबाद , तेलंगाना में हमें राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। मैं बोकारो के सभी रक्तदाताओं का आभार प्रकट करता हूं जिनके सहयोग से हमारी संस्था पूरे देश एवं दुनिया में बोकारो, झारखंड का परचम लहरा रही है।

# भाजपा ही झारखंड को संभाल और संवार सकती है : कमलेश राम

**रांची (एजेंसी):** भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश राम ने रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार कैसा काम कर रही है, यह सब लोग जानते हैं. हम सभी यहां भाजपा के नेतृत्व में अच्छी सरकार बनाने के लिए कटिबद्ध हैं. झारखंड को बचाने के लिए हमें एकजुट रहना है. बिखरना नहीं है. अभी समय भाजपा को मजबूत करने का है. मेरे लिए भारतीय जनता पार्टी सर्वोपरि है. उन्होंने कहा कि राज्यहित और पार्टी हित को देखते हुए मैंने कांके विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही झारखंड को संभाल और संवार सकती है. राज्य का तेजी से विकास कर सकती है.

कमलेश राम ने कहा कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठिए तेजी से पांव पसार रहे हैं. यह झारखंड और झारखंडवासियों के लिए चिंता की बात है. हेमंत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को आमंत्रित कर रही है. उन्हें शरण दे रही है. भाजपा ही बांग्लादेशी घुसपैठियों से झारखंड को मुक्त करा सकती है. झारखंडियों को उसका हक दिला सकती है. ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करना जरूरी है.

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर कांके विधानसभा क्षेत्र की हर समस्या का समाधान होगा. यह आश्वासन भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने दिया है. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में किसान, आदिवासी, दलित, गरीब, मजदूर का सर्वांगीण विकास संभव है. उन्होंने जनता से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की.

यहां बता दें कि कांके विधानसभा सीट से निर्दलीय ताल ठोकने वाले कमलेश राम को असम के सीएम सह झारखंड बीजेपी के चुनाव सह प्रभारी ने मना लिया है. इसके बाद कमलेश ने अपना नामांकन वापस लेने का ऐलान भी कर दिया है. बताते चलें कि हिमंता कमलेश को मनाने उनके घर पहुंचे थे.

# कांग्रेस ने भी सीता सोरेन के खिलाफ दर्ज कराया मामला

**रांची (एजेंसी):** कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी का वायरल वीडियो प्रकरण का मामला तूल पकड़ता ही जा रहा है. अब जामताड़ा के कार्यकारी जिलाध्यक्ष विजय कुमार दूबे ने जामताड़ा के नगर थाना में सीता सोरेन के खिलाफ मामला दर्ज कराया है. दर्ज किए गए मामले में कहा गया है कि विधायक इरफान अंसारी के बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया है. वीडियो में कांट-छांट की गई है. राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझ कर छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है. वहीं जामताड़ा से बीजेपी उम्मीदवार सीता सोरेन ने कहा कि इरफान अंसारी कोई बच्चा नहीं हैं, जिसे बोलने का ज्ञान न हो. उनपर मुकदमा करूंगी.

जामताड़ा से बीजेपी उम्मीदवार सीता सोरेन के खिलाफ दिए गए विवादित बयान को लेकर इरफान अंसारी के खिलाफ जामताड़ा थाना में एफआइआर दर्ज (कांड संख्या २०८/२४) किया गया है.

# डॉ. रविंद्र राय को भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई

**कोडरमा (ससे):** कोडरमा भारतीय जनता पार्टी के डॉ रविन्द्र राय को झारखंड प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर कोडरमा के भाजपाइयों ने बधाई देते हुए राष्ट्रीय कमेटी जेपी नड्डा के प्रति आभार जताया है। जिला अध्यक्ष अनुप जोशी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में डॉ रविंद्र राय के द्वारा विधानसभा चुनाव में एक नई ऊर्जा का संचार होगा।

पूर्व में डॉ रविंद्र राय प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ कोडरमा के सांसद एवं कई अन्य पदों पर रहते हुए राजनीतिक के क्षेत्र में एक नई पहचान दी है। इधर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है और उनके कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में चुनाव में सत प्रतिशत सफलता मिलेगी।

इसकी उम्मीद की है।बधाई देने वालों में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव, प्रदेश का समिति सदस्य रवि मोदी नितेश चंद्रवंशी,रामचंद्र सिंह,रमेश सिंह , देवनारायन मोदी, शिवेंद्र नारायण सिंह

चंद्रशेखर जोशी शशि भूषण, विरेन्द्र सिंह, प्रकाश राम, प्रसाद गोपाल गुतुल, राजकुमार यादव, राजेश सिंह, सुभाष मोदी,मानिकचंद सेठ, राजेन्द्र सिंह धनजय यादव मनोज चौधरी बालमुकुंद सिंह, नरेश प्रसाद यादव, श्रवण कुमार यादव रंजीत सिंह पुरूषोतम सिंह, अविनाश गोयल, जयशंकर प्रसाद, जवाहरलाल यादव, संजय यादव, मनोज यादव, रामावतार चौधरी,मंटू चौधरी, शिवराज सिंह,व्यास कुमार यादव, रोहित यादव, नन्दलाल साव, सुबोध कुमार सिन्हा,मो नईम उद्दीन,मोहम्द इब्रार अहमद, विवेक पडिय पियुष सहल, सुरज मेहता,अजय पाडेय, नरेन्द्र पाल, मुकेश राम, सुरेन्द्र यादव, सुनील यादव, बालमुकुंद सिंह, सुनील पंडित, नवीन केसरी, जितेंद्र पासवान, नवीन चौधरी संजु शर्मा, बिनोद सिन्हा, राजकिशोर प्रसाद, प्रो.वीएनपी बर्णवाल, आदि सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बधाई दी

# भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर बधाई

**डुमरी (ससे):** कोडरमा के पूर्व सांसद सह पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा रवीन्द्र राय को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर स्थानीय भाजपाईयों ने बधाई दी है। साथ ही आशा व्यक्त की है कि श्री राय के नेतृत्व में प्रदेश में संगठन में और मजबूती आएगी। बधाई देने वालों में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति समिति सदस्य प्रशांत जायसवाल, जिवाधन महतो, कृष्णकांत शर्मा, निर्मल जायसवाल, सुरेन्द्र कुमार, बजल हेम्ब्रम, युगल यादव, पिन्टू कुमार, शिवकुमार सिन्हा, बासुदेव यादव, दीपक श्रीवास्तव आदि शामिल है।

# अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की बैठक में हुई चर्चा

**डुमरी (ससे):** अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की जिला टोली की एक बैठक रविवार को अहिप के प्रदेश उपाध्यक्ष बिरेन्द्र पांडेय के आवास में हुई। बैठक में प्रदेश महामंत्री दिलीप वैद्य एवंबोकेट फार्म के प्रदेश उपाध्यक्ष नित्यानंद प्रसाद विभाग अध्यक्ष रवि शंकर पांडेय जिला अध्यक्ष रितेश पांडेय मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया के नेतृत्व में १४ जनवरी से २६ फरवरी २०२५ तक कुंभ प्रयाग में १ करोड़ हिंदुओं को नि:शुल्क भोजन एवं कंबल का वितरण करने का निर्णय लिया गया।इस कार्य के लिए झारखंड प्रांत के सभी प्रखंडों में स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग रसीद के माध्यम से हिन्दुओं से ली जाएगी। बैठक में जिला महामंत्री सीतारात डुमरी प्रखंड मंत्री योगेश प्रसाद सिंह आदि उपस्थित थे।

# कोल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस 2024 संपन्न, देश के प्रख्यात चिकित्सक हुए शामिल

**रांची (एजेंसी):** सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा २४ से २७ अक्टूबर तक सीसीएल मुख्यालय के कन्वेंशन में आयोजित कोल मेडिकल कॉन्फ्रेंस का रविवार को समापन हुआ. कॉन्फ्रेंस में कोल इंडिया की विभिन्न सहायक कंपनियों के ३०० से अधिक डॉक्टर शामिल हुए.

इस वर्ष के सम्मेलन का विषय स्वास्थ्य प्राथमिकताएं - वर्तमान और भविष्य था. ये सम्मेलन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कई प्रतिष्ठित वक्ताओं की उपस्थिति से सुशोभित था. सम्मेलन के मुख्य आकर्षणों में कोलकाता, दिल्ली, गुरुग्राम , हैदराबाद, फ़रीदाबाद आदि के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ चिकित्सकों के व्याख्यान शामिल थे.

२६ और २७ अक्तूबर को कोल इंडिया की विभिन्न सहायक कंपनियों के डॉक्टरों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न श्रेणियों में कुल ४९ रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए गए. जिसमें फ्री पेपर - ०६ प्रविष्टि, केस प्रेज़न्टेशन - २५ प्रविष्टि, चेयरमैन अवॉर्ड - ०६ प्रविष्टि, डीएनबी सेशन - १२ प्रविष्टि चयनित हुए थे. डीएनबी श्रेणी में पहला पुरस्कार डॉ सिखा भारद्वाज, दूसरा डॉ विकसित जयपुरियार, तीसरा डॉ महेश धनगर को दिया गया. फ्री पेपर में प्रथम पुरस्कार डॉ गौरव कुमार और दूसरा पुरस्कार डॉ पायल वेद्य को दिया गया. चेयरमैन्स अवॉर्ड में प्रथम पुरस्कार डॉ नीता प्रकाश और कंसोलेशन प्राइज डॉ रितेश काले को दिया गया. केस रिपोर्ट की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार डॉ देवी दास, द्वितीय पुरस्कार डॉ नेहा रानी और डॉ खुशबू शरण को मिला जबकि तीसरे स्थान पर डॉ मोहना मंडल और कंसोलेशन प्राइज डॉ मोहम्मद शाहिद कादरी को दिया गया.

डॉ अंकित श्रीवास्तव रांची के प्रसिद्ध एंडोक्रिनोलॉजिस्ट ने एक मधुमेह कार्यशाला का संचालन किया. पद्मश्री डॉ रणदीप गुलेरिया

, मेदांता अस्पताल गुड़गांव से सारकोयडॉयसिस चैलेंजेस इन डायग्नोसिस इन इंडिया पर वर्चुअल रूप से विस्तार से व्याख्यान दिया.

डॉक्टर गुलेरिया ने प्रतिभागियों को क्षेत्र में हो रहे नई तकनीकी नवाचारों से भी अवगत कराया. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली के पद्मश्री डॉ जेएस तीतीयाल एक प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ ने करेंट प्राइयोरीटी ऑफ आई हेल्थकेयर एण्ड फ्यूचर चैलेंजेज़ पर वर्चुअल रूप से जुड़कर विषय विशेष के महत्व को रेखांकित किया. डॉ हृषिकेश कुमार, वाइस प्रेसीडेंट, इंस्टिचयूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज कोलकाता ने अप्रोच टू गेट डिसॉर्डर पर अपने विचार प्रकट किये. डॉ प्रवीण कुमार बंसल, मेट्रो अस्पताल, फरीदाबाद के एक जाने माने मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट है, जिन्होंने ऑन्कोलॉजिकल ईमरजेनसीज पर अपने विचार प्रकट किए.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के डॉ सिद्धार्थ सत्पथी लॉ अप्पलीकेबल फॉर हॉस्पिटल्स पर विस्तृत जानकारी ऑनलाइन विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा साझा किये. नारायणा हृदयालय कोलकाता के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ हृदिश नारायण चक्रवर्ती इंसुलिन थेरापी - पर्लस एण्ड पिटफाल्स पर व्याख्यान दिये. प्रोफेसर (डॉ.) दिलीप कुमार पहाड़ी - मेडिका सुपर स्पेशलिटी अस्पताल कोलकाता में नेफ्रोलॉजी विभाग में निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सक हैं. उन्होंने डायलीसिस सेंटर इन टर्शियरी केयर हॉस्पिटल पर व्याख्यान दिया. डॉ. सौरव दत्ता कोलकाता में सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट हैं. २२ वर्षों के अनुभव के साथ, वह वर्तमान में मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, कोलकाता में वरिष्ठ सलाहकार और निदेशक के रूप में कार्यरत हैं. उन्होंने करेंट सिनारियों एण्ड फ्यूचर ऑफ कैंसर केयर इन ईस्टर्न इंडिया पर प्रस्तुति दिया. डॉ संजीब कुमार बेहरा- क्लिनिकल निदेशक एवं विभागाध्यक्ष अस्थि रोग, केयर हॉस्पिटल , हैदराबाद में कार्यरत हैं. ये जॉइन्ट रिपलेसमेंट, अरथरोस्कोपी, ट्रॉमा शोल्डर स्पाइन एलबो एंड एंकल सर्जरी के विशेषज्ञ हैं. इनकी विडिओ प्रस्तुति मिनी पोस्टीरियर अप्रोच इन्सिज़न टीएचआर विषय पर आधारित थी. डॉ (ब्रिगेडियर) अरविन्द कुमार त्यागी, निदेशक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी, यशोदा हॉस्पिटल गाज़ियाबाद, ने कई वर्षों तक सशस्त्र सैनिक बल हॉस्पिटल्स मे अपना योगदान दिया है. उनकी प्रस्तुति का विषय स्पेक्ट्रम ऑफ ऑनकोलॉजी पर था. डॉ आरके राय सीईओ एंड फाउंडर ट्रस्टी, बिरसा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च, खूंटी चैलेंजेज ऑफ हॉस्पिटल सिस्टम इन प्रेजेंट मिलेनीयम पर अपने विचार साझा किये.

# प्रेक्षकों ने विस चुनाव को लेकर पंडरा स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया

**रांची (एजेंसी):** झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर रविवार को पंडरा स्थित मतगणना स्थल का सामान्य प्रेक्षक वेंकटेशपति (आईएएस), अमिताव बनर्जी (आईएएस), दिनेशन एच (आईएएस), शिवगणनम (आईएएस), आर गिरीश पुलिस अधीक्षक, राहुल मलिक (आईपीएस) के द्वारा निरीक्षण किया गया. मतगणना स्थल की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए प्रेक्षकों ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये. निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक (शहर) रांची, राजकुमार मेहता एवं एसडीओ सदर उत्कर्ष कुमार, एसडीओ बुंडू सहित संबंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे.

सामान्य प्रेक्षक एवं पुलिस प्रेक्षक द्वारा पंडरा स्थित वज्रगृह के पूरे परिसर का अवलोकन करते हुए सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया. साथ ही व्यवस्था को दुरस्त करने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया गया.सामान्य प्रेक्षक सहित पुलिस प्रेक्षकों द्वारा निरीक्षण के क्रम में स्ट्रांग रूम में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के रख-रखाव की व्यवस्था, काउंटिंग कक्ष, पोलिंग पार्टी रूट, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया. मतगणना केंद्र का निरीक्षण के क्रम में उन्होंने सीसीटीवी कैमरा, पंडाल, स्ट्रांग रूम, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षा कर्मियों, शौचालय आदि की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया.

# समुद्र के विशालकाय जीव लाखों और हजारों किलो में है इनका वजन

दोस्तों, दुनियाभर में कई ऐसे विशालकाय जीव हैं, जिनके बारे में जानने की इच्छा हम सभी को होती है। इनमें से धरती पर मौजूद जीवों के बारे में तो ज्यादातर लोगों को आसानी से सुनने और पढ़ने को मिल जाता है, लेकिन समुद्री जीवों के बारे में बहुत कम लोगों को ही पता है। इस बार हम आपको ऐसे 12 समुद्री जीवों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो विशालकाय होने के कारण लोगों को आकर्षित करते हैं। इनमें से किसी का वजन 2 लाख किलो के बराबर है तो किसी का वजन 9 सौ किलो के बराबर। हालांकि, लोग इन जीवों के करीब जाने से भी डरते हैं।

जीव- विशालकाय स्क्वीड
लंबाई- 59 फीट, वजन- 900 किलो

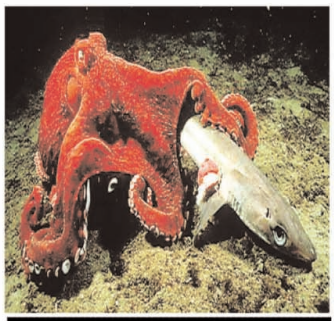

जीव- विशालकाय पैसिफिक ऑक्टोपस
लंबाई- 30 फीट
वजन- 272 किलो

## ब्लू व्हेल

ब्लू व्हेल को धरती का सबसे विशाल जीव माना जाता है। इसका वजन लगभग 200 टन यानी 1 लाख 81 हजार किलो होता है। यह 98 फीट चौड़ी होती है। गर्मी के मौसम में ब्लू व्हेल 4 करोड़ क्रील खा जाती है। क्रील एक छोटा जलीय जीव है।

जीव- फिनबैक व्हेल, लंबाई- 89.5 फीट
वजन- 74 टन (लगभग 67132 किलो)

जीव- विशालकाय समुद्रीय मानटा रे
लंबाई- 30 फीट, वजन- 1350 किलो

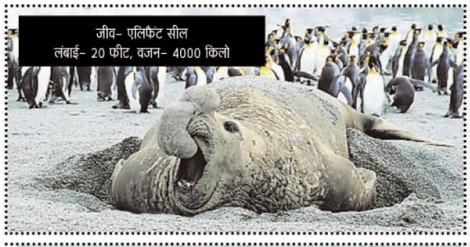

जीव- एलिफेंट सील
लंबाई- 20 फीट, वजन- 4000 किलो

जीव- स्पर्म व्हेल
लंबाई- 67 फीट
वजन- 907 किलो

जीव- विशालकाय ओवरफिश
लंबाई- 36 फीट, वजन- 270 किलो

जीव- व्हाइट शार्क
लंबाई- 21 फीट, वजन- 3324 किलो

जीव- लायंस मेन जेलीफिश
लंबाई- 7 फीट 6 इंच
वजन- 907 किलो

जीव- विशालकाय क्लाम
लंबाई- 4 फीट
वजन- 227 किलो

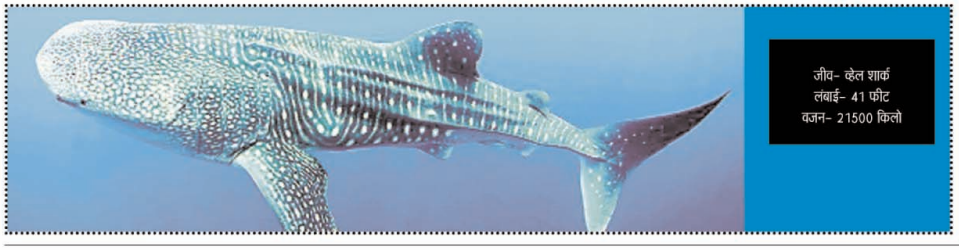

जीव- व्हेल शार्क
लंबाई- 41 फीट
वजन- 21500 किलो

# तरह-तरह के कैलेंडर

दुनिया भर में एक जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। दुनिया भर में तमाम कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। भारत में ही करीब 50 तरह के कैलेंडर (पंचांग) हैं, जिनमें कई का नया साल अलग-अलग दिन होता है।

### ग्रेगोरियन कैलेंडर

यह दुनिया भर में प्रचलित कैलेंडर है, जिसे पोप ग्रेगोरी तेरहवें ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। इसके तहत एक जनवरी से नए साल की शुरुआत होती है।

### भारत के नए साल

भारत में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगू संवत आदि तमाम साल प्रचलित हैं।

### विक्रम संवत

माना जाता है कि विक्रम संवत, गुप्त सम्राट चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने उज्जयिनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम सवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

### शक संवत और राष्ट्रीय संवत

शक सवंत को शालिवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ईस्वी में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है, जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है।

### रोमन कैलेंडर/जूलियन कैलेंडर

रोमन कैलेंडर को सबसे पहला माना जाता है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष मार्च से शुरू होता है।

### हिजरी कैलेंडर

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है।

### चीनी कैलेंडर

पड़ोसी देश चीन का भी अपना अलग कैलेंडर है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है।

# ग्रेगोरियन कैलेंडर
## कुछ रोचक बातें

**दोस्तों, 1 जनवरी ग्रेगोरियन कैलेंडर का पहला दिन होता है। वर्ष 1582 में पोप ग्रेगोरी 13वें ने जूलियन कैलेंडर में सुधार करते हुए 1 जनवरी को नए साल की शुरुआत का दिन तय किया। पेश हैं इस बारे में कुछ रोचक बातें**

- नए साल का धार्मिक महत्व भी है, इसलिए कई देशों में इस दिन अवकाश रहता है। असल में 1 जनवरी ईसा मसीह के जन्म के आठवें दिन होने वाले एक संस्कार का दिन भी है।
- दुनिया में सबसे पहले समोआ द्वीप पर नया साल आता है। वहां भारतीय समयानुसार बुधवार दोपहर 3.30 बजे से ही 2015 की शुरुआत हो जाएगी।
- इसके बाद न्यूजीलैंड के चथाम द्वीप में भारतीय समयानुसार बुधवार 3.45 बजे से नए साल के समारोह शुरू होंगे। इसके बाद रूस और ऑस्ट्रेलिया में नए साल का उत्सव शुरू होगा।
- सबसे अंत में अमेरिका के एक छोटे से इलाके बेकर आइलैंड में नया साल आता है।
- ऐसा माना जाता है कि नए साल पर रिजॉल्यूशन करने का चलन 2600 ईसा पूर्व में ही बेबीलोनिया में शुरू हो गया था।
- इटली में नए साल पर चर्च की घंटियां बजाई जाती हैं, स्विट्जरलैंड में ड्रम बजाए जाते हैं और उत्तर अमेरिका में सायरन बजाए जाते हैं।
- स्पेन के लोग नए साल पर 12 अंगूर खाते हैं ताकि साल के 12 महीने उनके लिए लकी रहें। बेल्जियम में बच्चे नए साल की शुरुआत पर अपने पेरेंट्स को खास लेटर लिखते हैं।
- ग्रीक में नए साल के अवसर पर लोग अपने दरवाजे पर प्याज लटकाते हैं। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। डेनमार्क में लोग नए साल के अवसर पर बड़ा सा केक काटते हैं।
- जापान के लोग ऐसा मानते हैं कि इस दिन नव वर्ष के देवता धरती पर आते हैं। इस दिन बौद्ध मंदिरों में तोशिगामी देवता के स्वागत के लिए 108 बार घंटियां बजाई जाती हैं।
- एस्टोनिया में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 12 बार खाना खाते हैं। अर्जेंटीना में लोग नव वर्ष की पूर्व संध्या पर बीन्स खाते हैं जो अगले वर्ष में कैरियर के लिए भाग्यशाली माना जाता है।
- दुनिया में ज्यादातर जगहों पर लोग नए साल की पूर्व संध्या पर पार्टियां करते हैं, क्लबों में जाते हैं और चौराहों पर जमा होकर हंगामा करते हैं।

## बीटेक कंप्यूटर साइंस से ज्यादा इस इंजीनियरिंग ब्रांच में मिलती है सबसे ज्यादा प्लेसमेंट

**अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस का कोर्स करते है लेकिन इसमें प्लेसमेंट बहुत कम देखने को मिलती है। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरूर जान लें।**

इंजीनियरिंग का सपना देखने वाले छात्रों को यह बात जरुर पता होना चाहिए। वैसे तो देश के कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो लाखों का प्लेसमेंट पैकेज देते हैं। आज के समय में सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर सांइस ब्रांच में सबसे ज्यादा छात्र एडमिशन लेते हैं लेकिन इस ब्रांच में प्लेसमेंट बहुत ही कम मिलते हैं। वहीं, इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लेने से पहले प्लेसमेंट पैकेज के बार में जरुर जान लें।

### बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट में पीछे हुआ

आजकल सबसे ज्यादा लोग बीटेक कंप्यूटर साइंस के ब्रांच से इंजीनियरिंग कर तो रहे है लेकिन कई कॉलेज के प्लेसमेंट रिकॉर्ड में पाया गया है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस प्लेसमेंट काफी पीछे रह गया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर के प्लेसमेंट रिकॉर्ड के बारे में बताएं तो यहां बीटेक कंप्यूटर साइंस में प्लेसमेंट बहुत कम हुआ है। NIT रायपुर में बीटेक कंप्यूटर साइंस में कुल 83.65 फीसदी छात्रों को नौकरी मिली है।

### BTech IT में सबसे ज्यादा प्लेसमेंट

गौरतलब है कि बीटेक कंप्यूटर साइंस से ज्यादा बीटेक आईटी के छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट में जॉब ऑफर ज्यादा मिल रहे हैं। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी यानी BTech IT के 84.47 फीसदी छात्रों का सेलेक्शन कैंपस प्लेसमेंट राउंड में हुआ है।

सूचना क्रांति का जिस क्षेत्र ने सर्वाधिक लाभ उठाया है, उनमें से एक है वेब डिजाइनिंग की फील्ड! डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू, यानी वर्ल्ड वाइड वेब नामक क्रांति ने दुनिया को बदल कर रख दिया है। एक वेबसाइट दुनिया में क्या बदलाव ला सकती है इसे बखूबी दिखलाया है गूगल ने, इसे बखूबी दिखलाया है अमेजन ने, इसे बखूबी दिखलाया है फेसबुक जैसी वेबसाइट ने।

# वेब डिजाइनिंग की फील्ड ने उठाया है सूचना क्रांति का सर्वाधिक लाभ

आप चाहे विकिपीडिया का नाम लें, चाहे फ्लिपकार्ट कहें, चाहे न्यूज की दूसरी वेबसाइट का उद्धरण दें, इसने नए युग में नई क्रांति को जन्म दिया है। छोटा बिजनेस हो, बड़ा बिजनेस हो, किसी आम या खास इंडस्ट्री से संबंधित कंटेंट की वेबसाइट हो, सामान की डिलीवरी हो या फिर कोई और काम, लोगों की जिंदगी में एक वेबसाइट ने आमूलचूल परिवर्तन लाया है। वस्तुतः यह कहने में हमें संकोच नहीं होना चाहिए कि शिक्षा तक की ट्रेडिशनल पद्धति को वेबसाइटों ने ना केवल बदला है, बल्कि इसकी बुनियाद को बदलने में भी अहम भूमिका निभाई है। अब जरा सोचिए! अगर इसका प्रभाव इतना व्यापक है तो इस फील्ड में कार्य करने वाले लोग भला महत्वपूर्ण क्यों नहीं होंगे सच बात तो यह है कि वेब डिजाइनर पिछले कई दशकों से महत्वपूर्ण बने हुए हैं और आज भी इनका महत्व कम नहीं हुआ है। वेब डिजाइनिंग में आप सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट से लेकर, स्टैटिक ऑपरेशन एवं डायनेमिक बिहेवियर वाली वेबसाइट बनाते हैं और उसकी सहायता से अपने कस्टमर को लाभ भी पहुंचाते हैं। वेब डिजाइनिंग के कई भाग है।

### डिजाइनिंग पार्ट

किसी वेबसाइट का ले आउट कैसा रहना चाहिए, इसका यूजर इंटरफेस किस डिजाइन से बेहतर होगा, इसे डिसाइड करने के लिए आप इसकी स्केचिंग करते हो। साथ में किसी सॉफ्टवेयर में इसका प्रोटोटाइप भी बनाते हो। कई लोग इसे तकनीकी लैंग्वेज में पीएसडी बनाना भी बोलते हैं। यहां डिजाइन फाइनल होती है और उसके बाद ही अगले स्टेप की तरफ कोई बढ़ता है। अगर आप इस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो एडोबी का फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर में आपको सिद्धहस्त होना चाहिए। इसे आप एक लेवल पर ग्राफिक डिजाइनर भी बोल सकते हैं और आप जितनी बेहतरीन डिजाइन बनाएंगे, वेबसाइट उतनी ही शानदार तरीके से तैयार होगी। इस फील्ड में उपरोक्त सॉफ्टवेयर की महारत रखने वाले लोग न केवल वेबसाइट का लेआउट बनाते हैं, बल्कि लोगो से लेकर तमाम इमेज वर्क भी इनके हाथ में होता है।

### एचटीएमएल, सीएसएस की जानकारी

इसे फ्रंट एंड कोडिंग भी बोल सकते हैं। मतलब सामने वेबसाइट जो दिखती है, उसकी कोडिंग। ब्राउजर में जब आप कोई भी यूआरएल डालते हैं, तो जो फ्रंट एंड नजर आता है वह एचटीएमएल पर चलता है। एचटीएमएल मतलब हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज। इसके कई वर्जन आ चुके हैं और हाल-फिलहाल एचटीएमएल- 5 पर कार्य हो रहा है। इसी प्रकार एचटीएमएल को खूबसूरत बनाने का काम करती है स्टाइलशीट जिसको सीएसएस (कैस्केडिंग स्टाइल शीट) बोलते हैं। यह दोनों कोडिंग लैंग्वेज ही होती हैं और इन्हें आप एक तरह से स्क्रिप्टिंग भी बोल सकते हैं। वेबसाइट डिजाइन करने में जावास्क्रिप्ट भी यूज होती है, जो खासकर इवेंट के लिए प्रयोग की जाती है। जैसे माउस क्लिक करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, माउस रोलओवर करने पर क्या एक्शन होना चाहिए, स्क्रोलिंग पर क्या एक्शन होना चाहिए, यह कार्य जावास्क्रिप्ट करती है। इसकी जानकारी आपको एचटीएमएल, सीएसएस, जावास्क्रिप्ट में मिलती है। सामान्य तौर पर इसे आसान कोडिंग लैंग्वेज कहा जाता है और आप इसमें भी महारत हासिल कर सकते हैं।

### कोडिंग जोन

यह ऐसा क्षेत्र है जो असली प्रोग्रामिंग की दुनिया में बदलाव लाता है। एक सामान्य वेबसाइट और गूगल में क्या अंतर है यह डिफाइन करता है कि इसमें कोडिंग किस स्तर की हुई है एक सामान्य एचटीएमएल वेबसाइट और फेसबुक में क्या अंतर है, एक सामान्य वेबसाइट और अमेजन में क्या अंतर है, यह कोडिंग डिसाइड करती है। कहने का तात्पर्य यह है कि मनुष्य ऊपर से जैसा भी दिखता हो, किंतु उसके मस्तिष्क में कितनी नसें हैं, ब्लड सर्कुलेशन किस प्रकार होता है यह आप प्रोग्रामिंग समझ सकते हैं।

कोडिंग लैंग्वेज किसी भी वेबसाइट को नियंत्रित करती है। वह वेबसाइट चाहते गूगल जैसा कोई सर्च इंजन हो, फेसबुक जैसा कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हो या फिर फ्लिपकार्ट जैसी कोई शॉपिंग वेबसाइट हो, कोडिंग ही यह तमाम चीजें तय करती है। इसमें पीएचपी से लेकर जावा और एएसपी से लेकर पाइथन और सी प्लस प्लस जैसी हेवी लैंग्वेज होती हैं, जिसके ऊपर कोई भी फंक्शन कार्य करता है। इसमें अगर आप महारत हासिल करते हैं, तो वेबसाइट में बड़ी-बड़ी फंक्शनैलिटी ऐड कर सकते हैं, नयी खोज कर सकते हैं। कॅरियर की बात करें तो, गूगल-फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों में इंजीनियर के पद पर आप मोटी सैलरी भी उठा सकते हैं या फिर अपना कोई स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं।

### वेब कंसलटेंसी

अगर आप ऊपर में से तीन चीजों में से कुछ नहीं करते हैं तो भी आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। आप तमाम सीएमएस में से किसी एक सीएमएस में महारत हासिल करके लोगों को कंसल्टेंसी दे सकते हैं। बहुत सारी ऐसी कंपनियां हैं जो ड्रैग एंड ड्रॉप पर चलती हैं, किंतु लोगों को उसकी जानकारी नहीं होती है। जैसे वर्डप्रेस, ब्लॉगर, टंबलर इत्यादि। तो किस प्रकार से कोई वेबसाइट बनती है, कार्य करती है, आपको इसकी जानकारी देनी होती है, जो सामान्यतः उसके ट्यूटोरियल में दिया भी होता है। इसे आप यूट्यूब से भी स्टेप बाय स्टेप सीख सकते हैं और अच्छा खासा पैसा भी कमा सकते हैं। ऊपर की चीजें ऐसी हैं जो आप फुल टाइम कर सकते हैं और अच्छी खासी अर्निंग कर सकते हैं। इसके साथ ही आपको डोमेन, होस्टिंग की भी जानकारी रखनी होती है, क्योंकि अगर आप यह कार्य करते हैं तो फिर एक संपूर्ण पैकेज के तौर पर अपने कॅरियर में चार चांद लगा सकते हैं।

# आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के टूल्स भविष्य में रोजगार दिलाने में आएंगे बहुत काम

**अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे है, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।**

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शुरुआती दौर में नौकरी छीनने की आशंका को देखते हुए सबसे बड़ा खतरा माना जाता था। लेकिन वर्तमान समय में वास्तविकता एकदम अलग है। क्योंकि एआई न सिर्फ युवाओं को नई नौकरी दिलाने में मदद करता है, बल्कि कौशल निखारने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। छात्रों की पढ़ाई से लेकर शिक्षक और पेशेवरों को पेशेवर तौर-तरीके सिखाने में एआई मदद करता है। ऐसे में अगर आप कॉरपोरेट दुनिया में कॅरियर तलाश कर रहे हैं, या फिर अपने कौशल को निखारना चाहते हैं। तो एआई आपको नए अवसरों की तलाश कर बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकता है।

### एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल

कुछ कंपनियां ऐसी हैं, जहां पर खाली पदों को भरने के लिए कोई विज्ञापन जारी नहीं किया गया है। इसको हिडन जॉब मार्केट कहा जाता है। ऐसी नौकरी की जानकारी के लिए आपके लिए नेटवर्किंग काफी मददगार होती हैं। इसके अलावा लिंक्डइन के एआई कन्वर्सेशन स्टार्टर टूल के माध्यम से संबंधित क्षेत्र के पेशेवरों से जुड़ने एवं अपने कौशल को उजागर करने में भी सहायता मिलती है। लिंक्डइन के अलावा एंगेज और टैप्लियो ऐसे एआई टूल हैं, तो आपकी नेटवर्किंग को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

### रिज्यूमे और कवर लेटर

आपको बता दें कि आकर्षक रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने में भी एआई मदद करता है। जिससे आपके कौशल नियोक्ता के सामने बेहतर और बेहद अच्छे तरीके से उजागर हो पाएंगे। रिज्यूमे और कवर लेटर बनाने के लिए रेजी एक ऐसा ही टूल है, जो कौशल व शैक्षणिक पृष्ठभूमि को आकर्षक आकार देता है और आपके रिज्यूमे को प्रभावी बनाता है। हायरिंग कंपनी के नाम और पद के लिए जारी किए गए विज्ञापन के आधार पर विशेष रूप से बनाया गया जॉब एप्लीकेशन भी तैयार करता है। इसके अलावा यह एप्लीकेशन व्याकरण की गलतियों को भी सुधारने में सहायक है।

### इंटरव्यू के लिए भी करेगा तैयार

इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। इसके लिए आप चैटजीपीटी की मदद ले सकते हैं। हालांकि पूरी तरह से इस पर निर्भर होना भी ठीक नहीं है। चैटजीपीटी केवल संभावित सुझावों के लिए अच्छा ऑप्शन है। आप कंपनी और पद का नाम डालकर इंटरव्यू में पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों की लिस्ट और उस दौरान आपको किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, इसके बारे में जान सकते हैं। आप चैटजीपीटी द्वारा सुझाए गए कौशल और क्षमताओं के आधार पर अपने उत्तर को बेहतर बना सकते हैं। प्रमोशन के लिए एआई सिर्फ नौकरी दिलाने में ही मदद नहीं कर रहा बल्कि इसकी मदद से आप पेशेवर प्रमोशन पाने तक का सफर भी तय कर सकते हैं। चैटजीपीटी और जेमिनी आदि के जरिए आप बॉस से अपने प्रमोशन संबंधी बात करने तरीके के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

# विदेश में करना चाहते हैं जॉब, तो इंजीनियरिंग की इस ब्रांच का कोर्स कर लें

**अगर आप भी अपना करियर इंजीनियरिंग में बनाना चाहते हैं तो पहले जान लें सबसे बेस्ट इंजीनियरिंग ब्रांच के बारे में। इंजीनियरिंग की इस ब्रांच में कोर्स करते हैं तो आपको विदेश में जानें का सुनहरा मौका मिलेगा। मिलती है लाखों में सैलरी। गर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।**

आजकल ज्यादातर लोगों की पसंद इंजीनियर बनना होता है। अगर आप भी करियर में इंजीनियरिंग बनने का सपना देख रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। विदेश की टॉप कंपनियों में काम करने के लिए हर किसी का एक ड्रीम होता है। अगर आप भी विदेश में इंजीनियरिंग की जॉब करना चाहते हैं। तो जान लें कौन-सी ब्रांच में कोर्स करना चाहिए।

### विदेश में मिलती है जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग करना चाहते हैं तो आपको बता दें कि कॉलेज के कैंपस प्लेसमेंट में मल्टी नेशनल कंपनियां भी हिस्सा लेती हैं। विदेश में जॉब करने की इच्छा आप रखते हैं तो इंजीनियरिंग ब्रांच में आप भी देख लें।

### Btech ECE

विदेश में जॉब करने की चाहत रखने वाले लोग बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग ब्रांच की डिमांड जॉब मार्केट में काफी ज्यादा है।

### BTECH Computer Science

Btech CSE कोर्स करने से विदेशी कंपनियां जॉब ऑफर करती है। बीटेक CSE के छात्रों को Google, Infosys और microsoft जैसी कंपनियों में लाखों के पैकेज वाले जॉब ऑफर मिलता है।

### BTECH Chemical Engineering

विदेश में इंजीनियरिंग की इस ब्रांच की काफी डिमांड है। केमिकल इंजीनियर्स को विदेशी कंपानियों में आसानी से लाखों के पैकेज पर जॉब ऑफर होता है। आप भी इस ब्रांच में कोर्स कर सकते हैं।

### Btech Data Science

बीटेक डेटा साइंस एक बेहतरीन इंजीनियरिंग ब्रांच में से एक है। आपको बता दें कि देश के टॉप IITs, NITs और IIITs में यह कोर्स कराया जाता है।

## संक्षिप्त समाचार

### मेक्सिको में भीषण सड़क हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बस, 19 लोगों की दर्दनाक मौत



**मेक्सिको, एजेंसी।** मेक्सिको के मध्य राज्य जकाटेकास में एक राजमार्ग पर एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 19 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना सुबह के समय घटित हुई, जब पीड़ितों को ले जा रही बस, मक्का ले जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पिछले हिस्से से टकरा गई। ज़ाकाटेकास के गवर्नर डेविड मोनरियल ने शनिवार को पहले 24 लोगों की मौत की प्रारंभिक रिपोर्ट दी थी, लेकिन बाद में राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने एक बयान में इस संख्या को संशोधित किया। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि वह ट्रैक्टर-ट्रेलर के चालक को गिरफ्तार करने के लिए जांच कर रहा है। नाम न बताने की शर्त पर एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि शनिवार की सुबह खड्ड में गिरे कुछ शवों को निकालने के प्रयास जारी थे। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में बचाव दल और सैन्य कर्मियों सहित सुरक्षा बलों को क्षेत्र की सुरक्षा करते हुए दिखाया गया है, जबकि बचाव दल शवों को निकालने का काम कर रहे हैं।

### दुनिया की सबसे बड़ी बिल्डिंग बना रहा यह मुस्लिम देश

**दुबई, एजेंसी।** सऊदी अरब की राजधानी रियाद के बीचों बीच एक विशाल क्यूब के आकार की इमारत बनाई जा रही है। इस इमारत का नाम द मुकाब रखा गया है। दावा है कि जब यह बिल्डिंग तैयार हो जाएगी तो यह दुनिया की सबसे बड़ी इमारत होगी। इस विशालकाय इमारत की उंचाई 400 मीटर निर्धारित की गई। रियाद में स्थित, यह गगनचुंबी इमारत लगभग दो मिलियन स्कायर मीटर फर्श क्षेत्र को कवर करेगी जो न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के आकार का बीस गुना है। हालांकि, इस प्रोजेक्ट के ऐलान के बाद सऊदी प्रिंस के फैसले की आलोचना हो रही है। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि प्रिंस सलमान अपने लिए नया काबा बना रहे हैं। इस इमारत को लेकर विवाद इसलिए है क्योंकि यह इमारत जब बन के तैयार हो जाएगी तो यह हू-ब-हू मुसलमानों के पवित्र काबा की तरह नजर आएगी। हालांकि, सऊदी सरकार की तरफ से ऐसा किसी प्रकार का दावा नहीं किया गया है। बीते साल क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया था। न्यू मुरब्बा डेवलपमेंट कंपनी की देखरेख में इसे तैयार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के जरिए रियाद को दुनिया के सबसे बड़े आधुनिक शहर के तौर पर विकसित करने की योजना है। द मुकाब की निर्माण लागत लगभग 50 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, भारतीय रुपये में इस लागत का अनुमान 42 खरब रुपये से ज्यादा है। इस विशाल इमारत में 1,04,000 घरों की योजना बनाई गई है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य लोगों को अद्वितीय रिटेल, कॉर्पोरेट, और सांस्कृतिक अनुभवों का मिश्रण प्रदान करना है, जो इसे व्यापार और मनोरंजन का हब बनाएगा। सऊदी अरब के पब्लिक इनवेस्टमेंट फंड ने एक बयान में कहा कि प्रोजेक्ट में एक म्यूजियम भी तैयार किया जाएगा। यहां एक टेक्निकल इंस्टिट्यूट और विश्वविद्यालय के अलावा एक विशाल थिएटर और 80 से अधिक मनोरंजन स्थल शामिल होंगे। पिछले साल द मुकाब का होलोग्राफिक डिजिटल वीडियो तैयार किया गया था जिसमें प्रोजेक्ट की खूबियों को गिनाया गया है।

# पाकिस्तान में दुष्कर्म की फर्जी खबर फैलाने वालों पर बड़ी कार्रवाई, 16 व्लॉगर्स और टिकटॉकर गिरफ्तार

**लाहौर , एजेंसी।**
पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कॉलेज में दुष्कर्म झूठी खबर फैलने से काफी हिंसा हुई थी, वहीं अब कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक छात्रा से दुष्कर्म के बारे में फर्जी खबरें फैलाने के आरोप में 16 व्लॉगर और टिकटॉकर को गिरफ्तार किया है। पंजाब के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इमरान किश्वर ने शनिवार को कहा कि पुलिस ने तोड़फोड़ और हिंसा में शामिल 40 छात्रों की पहचान भी की है।

एक हफ्ते पहले दुष्कर्म की फर्जी खबर फैलने के बाद पंजाब प्रांत में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। उन्होंने कहा कि संघीय अन्वेषण एजेंसी (एफआईए) और स्थानीय पुलिस ने 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें ज्यादातर बलात्कार के बारे में फर्जी खबर फैलने वाले व्लॉगर और टिकटॉकर हैं। उन्होंने कहा कि तोड़फोड़ और हिंसा में शामिल लोगों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमने घटना के बारे में फर्जी खबरें फैलाने में इस्तेमाल हुए 138 सोशल मीडिया अकाउंट भी ब्लॉक कर दिए हैं। पिछले हफ्ते लाहौर के एक महिला कॉलेज में एक छात्रा से सुरक्षा कर्मी द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म किए जाने की खबर सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पंजाब प्रांत के कई शहरों में हुए हिंसक प्रदर्शनों में कम से कम 50 छात्राएं घायल हो गई थीं जबकि एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई थी। पुलिस ने 600 से ज्यादा छात्रों को हिरासत में भी लिया था। पाकिस्तान में आत्मघाती विस्फोट में आठ लोगों की मौत पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में छह सुरक्षाकर्मियों समेत आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इसी प्रांत के बानू जिले में आतंकियों ने पुलिस गश्ती वैन पर हमला किया और बाद में हुई मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए। नवागी क्षेत्र में पुलिस और फ्रंटियर कोर की संयुक्त चौकी पर भी आतंकियों ने हमला किया। ऑटो सवार आत्मघाती हमलावरों ने अफगानिस्तान सीमा पर मीर अली तहसील स्थित असलम चेक पोस्ट और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मार दी। इससे हुए विस्फोट में चार पुलिसकर्मी, दो सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई। घायल हुए अन्य लोगों को मीरान शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आतंकियों ने पूर्व सीनेटर सालेह शाह के गेस्टहाउस को उड़ा दिया। पुलिस ने कहा कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई है। दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के तिआरजा तहसील में स्थित गेस्टहाउस शुक्रवार रात विस्फोट में पूरी तरह ध्वस्त हो गया। सीनेटर ने कहा कि उन्हें अज्ञात लोगों से फिरौती के लिए धमकी भरे फोन मिल रहे थे।




# कनाडा में गुजराती तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भारतीय भाषा

**टोरंटो, एजेंसी।** कनाडा में गुजराती भाषा की धूम मची है। गुजराती कनाडा में भारतीय प्रवासियों के बीच तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गई है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 1980 से लगभग 87,900 गुजराती भाषी अप्रवासी कनाडा में बस गए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 26 फीसद 2016 और 2021 के बीच देश में आए हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा पंजाबी बोलने वाले लोग यहां बसे जिनकी संख्या 75 हजार 475 आंकी गई। उसके बाद हिंदी बोलने वालों की संख्या 35,170 थी। वहीं, गुजराती भाषी 22,935 अप्रवासियों के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि मलयालम 15,440 और बंगाली भाषी 13,835 लोग हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि गुजराती प्रवासियों ने प्रमुख भाषाई समूहों में दूसरी सबसे बड़ी दशकीय वृद्धि दर्ज की है। साल 2011 से 2021 के बीच 26 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि पंजाबी बोलने वालों में 22 फीसद की वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान हिंदी बोलने वालों में 114 फीसद की सबसे तेज वृद्धि देखी गई। कच्छी बोलने वालों की संख्या साल 2001 से 2010 के बीच 460 से घटकर 2011 से 2021 के बीच 370 रह गई है। 2011 के बाद गुजरात के लोगों को कनाडा सबसे ज्यादा भाने लगा है।

# फिलीपीन में ट्रामी के कारण भीषण बाढ़ और भूस्खलन

**फिजी , एजेंसी।**
फिलीपीन में उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग लापता हैं। राष्ट्रपति ने शनिवार को बताया कि इस प्राकृतिक आपदा के कारण कई क्षेत्रों में पहुंचना मुश्किल हो गया है, जिससे लोग फंस गए हैं।

सरकार की आपदा-प्रतिक्रिया एजेंसी ने पहले जानकारी दी थी कि शुक्रवार को ट्रामी तूफान के कारण 85 लोगों की मौत हुई और 41 लोग लापता हैं। यह दक्षिण-पूर्व एशियाई द्वीपसमूह में इस साल का सबसे घातक और विनाशकारी तूफान साबित हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 126 हो गई है और अभी भी कई लोग लापता हैं। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण मृतक संख्या और बढ़ सकती है।

फिलीपीन के प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस, अग्निशामक और अन्य आपातकालीन कर्मी राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने तूफान ट्रामी के कारण मनीला के दक्षिण-पूर्व में बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि तूफान के कारण असामान्य रूप से भारी बारिश हुई है और कुछ क्षेत्रों में मात्र 24 घंटों में इतनी बारिश हुई जो आमतौर पर एक से दो महीने में होती है। सरकारी एजेंसी ने बताया कि इस उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी से 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

# क्या है साल्ट टाइफून, निशाने पर ट्रंप और कमला हैरिस; अमेरिका के खिलाफ चीन ने चली नई चाल

**वॉशिंगटन , एजेंसी।**
अमेरिका में अगले महीने चुनाव होने हैं। इस बीच खबर आई है कि चीनी हैकर्स ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रनिंग मेट ओहियो सीनेटर जेडी वेंस के फोन को निशाना बनाया है। अमेरिका का दावा है कि यह हमला चीन के साइबर जासूसी समूह द्वारा किया गया था, जिसे साल्ट टाइफून के नाम से जाना जाता है।

जानकारी के मुताबिक, निशाने पर ट्रंप के अलावा, डेमोक्रेट, कैपिटल हिल के प्रमुख व्यक्ति और संभवतः उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के कैंपेन से जुड़े स्टाफ सदस्य भी हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि हैकर्स क्या कुछ खुफिया जानकारी निकालने में सफल रहे या नहीं?

वहीं, दूसरी ओर चीनी दूतावास की ओर से ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल होने से इनकार किया गया है। यह पता लगाया जा रहा है कि कौन से डाटा को निशाना बनाया गया है।

**क्या है साल्ट टाइफून का मतलब:** माइक्रोसॉफ्ट की साइबर सुरक्षा टीम ने चीनी हैकर्स ग्रुप को साल्ट टाइफून नाम दिया है। इस हैकर्स ग्रुप को चीनी सरकार द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। गौरतलब है कि इस ग्रुप का मकसद पारंपरिक हैकिंग या कॉरपोरेट डाटा चुराना नहीं है बल्कि ये ग्रुप खुफिया जानकारी चुराने के लिए जाना जाता है। साल्ट टाइफून, अमेरिकी संपत्तियों की जानकारी भी इकट्ठा करने के लिए जाना जाता है। खुफिया जानकारी चुराने वाली चीनी हैकर्स ग्रुप को साल्ट नाम दिया गया है। वहीं, चीन के हैकर्स को माइक्रोसॉफ्ट ने टाइफून नाम दिया है। इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट ने ईरान के हैकर्स को सैंडस्टोर्म, रूस के हैकर्स को ब्लिजार्ड नाम दिया है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उसके साथी द्वारा उपयोग किए जाने वाले फोन के डाटा की जानकारी चीन के लिए बेहद मूल्यवान साबित हो सकती है। इस प्रकार का डाटा तब और भी उपयोगी हो सकता है, अगर रियल टाइम में इसका अवलोकन कर सकें। अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप कैंपेन टीम को इस सप्ताह अवगत कराया गया था कि रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उनके रनिंग मेट के फोन नंबरों को निशाना बनाया गया था। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या हैकर्स की पहुंच टेक्स्ट संदेशों तक हो पाई। विशेष रूप से एन्क्रिप्टेड चैनलों के माध्यम से भेजे गए संदेशों तक। न्यूयार्क टाइम्स द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों 48 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। इस बीच, एक अपील अदालत ने मिसिसिपी की ओर से मेल द्वारा प्राप्त मतपत्रों की गिनती के लिए पांच दिन की छूट को लेकर कहा कि चुनाव वाले दिन के बाद प्राप्त मेल-इन मतपत्रों की गिनती अवैध है। हालांकि, मिसिसिपी की प्रक्रियाओं में तत्काल कोई बदलाव का आदेश नहीं दिया और आगे का निर्णय निचली अदालत पर छोड़ दिया है।

# जर्मनी ने भारतीय कुशल श्रमिकों के लिए वीजा कोटा 350% बढ़ाकर 90,000 किया

**बर्लिन, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जर्मनी ने कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए अपना वार्षिक वीज़ा कोटा 20,000 से बढ़ाकर 90,000 कर दिया है, जो 3.5 गुना वृद्धि दर्शाता है। इस कदम के बारे में आशा व्यक्त करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बढ़ा हुआ वीज़ा कोटा जर्मनी की कुशल श्रम की मांग को संबोधित करके उसकी आर्थिक वृद्धि को बढ़ाएगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को भी मजबूत करेगा। नतीजतन, भारतीय पेशेवरों को जर्मनी में अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे। जो जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज की भारत यात्रा के बाद हुआ। इससे पहले दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में पीएम मोदी के आधिकारिक आवास पर आमने-सामने की बैठकें कीं। स्कोल्ज़ की तीन दिवसीय भारत यात्रा शनिवार को समाप्त हो रही है। आज बाद में भारत और जर्मनी 7वें अंतर-सरकारी परामर्श का भी आयोजन करेंगे, जिसकी सह-अध्यक्षता दोनों नेता करेंगे। इस दौरान सुरक्षा और रक्षा साझेदारी बढ़ाने, प्रतिभाओं की गतिशीलता बढ़ाने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में कहा- यह वर्ष भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का 25वां वर्ष है।

# खालिस्तानी उग्रवादी समूहों से जुड़ी घटनाओं ने कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई

**टोरंटो एजेंसी।**
हाल के हफ्तों में, खालिस्तानी उग्रवादी समूहों से जुड़े घटनाओं ने कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसने देश की प्रसिद्ध बहुसांस्कृतिक व्यवस्था पर बहस को जन्म दिया है। एडमोंटन से सांसद चंद्र आर्य ने इस मुद्दे पर एक संसदीय बयान दिया। उसने एक चिंताजनक व्यक्तिगत अनुभव साझा किया, जिसमें कहा, दो हफ्ते पहले, मैं एडमोंटन में एक हिंदू कार्यक्रम में केवल आरसीएमपी (रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस) अधिकारियों की सुरक्षा के साथ भाग ले सका, क्योंकि खालिस्तानी विरोधियों ने मेरे खिलाफ प्रदर्शन किया था।आर्य ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, कनाडा में, हमने लंबे समय से खालिस्तानी उग्रवाद की समस्या को पहचाना और अनुभव किया है। कृपया



स्पष्ट कर दूं। कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करना अनिवार्य है और यहां विदेशी हस्तक्षेप किसी भी रूप में अस्वीकार्य है। त्रुत्त्क ने खालिस्तानी उग्रवाद के कारण पैदा होने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया है। आर्य ने आरसीएमपी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा की समस्या है और आरसीएमपी ने कहा है कि राष्ट्रीय कार्यबल इस पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह कार्यबल देश में काम कर रहे विभिन्न उग्रवादी समूहों के द्वारा उत्पन्न खतरों को रोकने और संबोधित करने के प्रयास में है। विशेषज्ञों का मानना है कि उग्रवाद और आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जो राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानते। उग्रवादी विचारधाराएं आसानी से सीमाओं को पार कर सकती हैं। हमारी जुड़ी हुई दुनिया में, डॉ. माया सिंह, टोरंटो विश्वविद्यालय की एक आतंकवाद-निरोधक विश्लेषक ने कहा। कनाडा की विविधता इसकी ताकत है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत तंत्र की आवश्यकता है कि उग्रवादी तत्व सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता को कमजोर न करें।

लिए अधिक सतर्कता की मांग की है। आर्य ने कनाडाई अधिकारियों से अपील की, मैं हमारे कानून प्रवर्तन एजेंसियों से कहता हूँ कि इस मुद्दे को पूरी गंभीरता के साथ लें। समुदाय के नेताओं ने शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। जब हम किसी भी प्रकार के हिंसा या उग्रवाद की निंदा करते हैं, तो यह जरूरी है कि हम समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद करें ताकि उन मुद्दों को समझा जा सके।

# पाकिस्तान में पुलिस वैन पर हमले के बाद मुठभेड़ में 2 आतंकवादी ढेर

**पेशावर , एजेंसी।**
पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों ने शनिवार को एक पुलिस मोबाइल वैन पर हमला कर दिया और इस दौरान जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने बन्नू जिले में छावनी पुलिस थाने के तहत आने वाले क्षेत्र में गश्त पर गयी वैन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। हमले में कोई पुलिस अधिकारी हताहत नहीं हुआ।

प्राधिकारियों ने मृतक आतंकवादियों की शिनाख्त कर ली है। एक अन्य घटना में प्रांत के बजौर जिले के नवागई इलाके में पुलिस और अर्द्धसैन्य फ्रंटियर कोर की एक संयुक्त चौकी पर हमला किया गया। बहरहाल, हमले को विफल कर दिया गया और इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। एक और घटना में जमीयत-ए-उलेमा-इस्लाम (जेयूआई-एफ) से संबद्ध हाजी शरीफुल्ला की बन्नू जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

## खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बड़ा आत्मघाती हमला, आठ लोगों की मौत

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को एक पुलिस चौकी को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती हमले में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के छह कर्मियों सहित कम से कम आठ लोग मारे गए और कई अन्य लोग घायल हो गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले के मीर अली तहसील में असलम जांच चौकी पर हुआ। सूत्रों ने बताया कि तीन पहिया वाहनों पर सवार होकर आए हमलावरों ने जांच चौकी और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मारी, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, मारे गये लोगों में चार पुलिसकर्मी, दो सैनिक और दो नागरिक शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें मीरान शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के अनुसार, हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंदी ने हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में सुरक्षा बलों के बलिदान को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। क्षेत्र से आतंकी संगठनों के पूरी तरह खत्म होने तक उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

# भारत के अर्जुन ने रचा इतिहास

## ● लाइव रेटिंग में 2800 पार , आनंद के बाद बने दूसरे शतरंज खिलाड़ी

**बनयाहा , सर्बिया (एजेंसी)।** यूरोपियन क्लब शतरंज कप 2024 में आखिरकार वह लम्हा आ ही गया जिसकी भनक दुनिया भर के शतरंज प्रेमियों को पिछले कुछ माह से नजर आ रही थी , अर्जुन ने जब इस साल अप्रैल में पहली बार 2756 रेटिंग एक साथ दुनिया के शीर्ष 10 खिलाड़ियों में नौवे स्थान पर जगह बनाई थी तभी से उनके प्रसंशक उनसे 2800 क्लब में शामिल होने की उम्मीद कर रहे थे । यूरोपियन क्लब कप के पांचवें में अर्जुन ने पांचवें राउंड में रूस के दिमित्री आन्द्रेकिन को पराजित करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2802 पर पहुंचा दिया है ।

आने वाले कुछ दिनो में ही अर्जुन भारत के चेन्नई में होने वाले चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज में भाग लेने जा रहे है ,अर्जुन के सामने एक और बड़ा इतिहास इंतजार कर रहा है और वह है फीडे कैंडिडेट में जगह बनाना, अर्जुन फिलहाल वर्तमान फीडे सर्किट में 102 अंको के साथ सबसे आगे चल रहे है और अगर वह चेन्नई ग्रांड मास्टर्स में बेहतरीन खेल दिखाते है तो वह कैंडिडेट में जगह बनाने का इतिहास भी बना सकते है । हालांकि यूएसए के फबियानों करूआना इस दौड़ में उनके बेहद करीब है और यूएसए चैंपियनशिप जीतकर वह भी 95 अंको पर पहुँच गए है पर जिस तरह से अर्जुन खेल रहे है कैंडिडेट में उनका पहुँचना भी एक औपचारिकता नजर आता है ।

इतिहास की बात करे तो अब तक मैगनस कार्लसन ने 2014 में 2889 अंक हासिल किए थे और यह आज भी विश्व रिकॉर्ड है , उनके बाद गैरी कास्पारोव 2856 (वर्ष 2000) , फबियानों करूआना 2851 (वर्ष 2014) , लेवोन अरोनियन 2835 (वर्ष 2014), वेसलिन टोपालोव 2826 (वर्ष 2015), ममेद्यारोव 2826 (वर्ष 2018), वेसली सो 2824 (वर्ष 2017) विश्वनाथन आनंद 2820 (वर्ष 2011), मकसीम लागरेव 2819 (वर्ष 2016), हिकारु नाकामुरा 2819 (वर्ष 2015), व्लादिमीर क्रामनिक 2817 (वर्ष 2016), डिंग लीरेन 2816 (वर्ष 2018), अलेक्जेंडर ग्रीसचुक 2813 (वर्ष 2015), अलीरेजा फिरौजा 2804 (वर्ष 2021), अनीश गिरि 2802 (वर्ष 2015)

और अब अर्जुन एरीगैसी 2802 (वर्ष 2024) कुल 16 खिलाड़ियों ने अब तक यह कारनामा किया है , लेकिन रोचक बात यह है की इनमें से अब तक सिर्फ मैगनस कार्लसन और गैरी कास्पारोव ही ऐसे खिलाड़ी रहे है जो 2800 रेटिंग पार करने के बाद कभी भी इससे नीचे नहीं आए ।तो अब देखना ये होगा की अर्जुन क्या इस रेटिंग को लगातार और बेहतर करते हुए कितना आगे का सफर तय करते है ।

# न्यूजीलैंड से दूसरा टेस्ट हारने के बाद गंभीर का सख्त रुख

## ● रोहित-कोहली की टीम से छीना 'विशेषाधिकार'

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार ने पूरे क्रिकेट जगत को झकझोर कर रख दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार का मतलब है कि भारतीय टीम को 12 साल में पहली बार घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा, इससे पहले 2012 में इंग्लैंड ने उसे हराया था। पहले दो टेस्ट के नतीजों के बाद टीम प्रबंधन ने कथित तौर पर एक सख्त कदम उठाते हुए सभी के लिए 'वैकल्पिक प्रशिक्षण' सत्र रद्द कर दिया है जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ सितारे और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज शामिल हैं। परंपरागत रूप से खिलाड़ियों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र को वैकल्पिक रखा जाता है। यह चलन रहा है कि शीर्ष बल्लेबाज और तेज गेंदबाज अक्सर उस सत्र को छोड़ देते थे और खुद को केवल हल्के प्रशिक्षण तक ही सीमित रखते थे। हालांकि, अब ऐसा नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन ने हर एक खिलाड़ी से अभ्यास सत्र छोड़ने का विकल्प छीन लिया है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों से 30 और 31 अक्टूबर को दो दिन अभ्यास के लिए उपस्थित रहने को कहा है। यह अनिवार्य है और कोई भी इसे छोड़ नहीं सकता। भारत भले ही न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज हार गया हो, क्योंकि मेहमान टीम पहले ही 0-2 की बढ़त ले चुकी है, लेकिन मुंबई में होने वाला तीसरा टेस्ट अभी भी टीम के लिए जीतना जरूरी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम एक और चूक बर्दाश्त नहीं कर सकती। इसलिए भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन के अन्य सदस्य चाहते हैं कि हर खिलाड़ी सभी प्रशिक्षण सत्रों में भाग ले।

# ऑस्ट्रेलिया-जिम्बाब्वे श्रृंखला के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान

## बाबर, शाहीन और नसीम की वापसी

**लाहौर (एजेंसी)।** पूर्व कप्तान बाबर आजम और तेज गेंदबाजों शाहीन शाह अफरीदी तथा नसीम शाह की ऑस्ट्रेलिया में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए रविवार को पाकिस्तान की टीम में वापसी हुई। ये तीनों इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच के लिए टीम का हिस्सा नहीं थे। पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने अगले महीने से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे दौरे के लिए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की घोषणा की।

टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है जबकि फखर जमां और शादाब खान जैसे सीनियर खिलाड़ी टीम का हिस्सा नहीं है। फखर को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की जांच का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर किए जाने के बाद बाबर के समर्थन में ट्वीट किए थे।

पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी आज दोपहर बाद एक मीडिया कांफ्रेंस में सीमित ओवरों के प्रारूपों के लिए नए कप्तानों की घोषणा करेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और सलमान अली आगा सीमित ओवरों की टीम का कप्तान बनाए जाने की उम्मीद है। चयनकर्ताओं ने जिंबाब्वे में होने वाले एकदिवसीय और टी20 मुकाबलों का उपयोग नए खिलाड़ियों को परखने के लिए करने का फैसला किया है।

ऑस्ट्रेलिया में होने वाले तीन एकदिवसीय और टी20 मुकाबलों में सभी मुख्य खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के बाद टीम से बाहर हुए बाबर, शाहीन और नसीम की ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में वापसी हुई है। हालांकि इन्हें जिंबाब्वे दौरे के लिए आराम दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरा चार से 18 नवंबर तक चलेगा। जिम्बाब्वे के बुलावायो में तीन मैचों की एकदिवसीय और टी20 श्रृंखला 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक खेली जाएगी। पाकिस्तान दिसंबर-जनवरी में तीन एकदिवसीय, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा भी करेगा।

### टीम इस प्रकार हैं

**ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एकदिवसीय टीम** - आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अरफात मिन्हास, बाबर आजम, फैसल अकरम, हारिस राऊफ, हसीबुल्लाह, कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सैम अयूब, सलमान अली आगा और शाहीन शाह अफरीदी।

**ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 टीम** - अरफात मिन्हास, बाबर आजम, हारिस रऊफ, हसीबुल्लाह, जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद रिजवान, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, ओमेर बिन यूसुफ, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम और उस्मान खान।

**जिम्बाब्वे दौर की एकदिवसीय टीम** - आमिर जमाल, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, अहमद डेनियल, फैसल अकरम, हारिस राऊफ, हसीबुल्लाह, कामरान गुलाम, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद रिजवान, मुहम्मद इरफान खान, सैम अयूब, सलमान अली आगा, शाहनवाज दहानी और तैयब ताहिर।

**जिम्बाब्वे दौरे की टी20 टीम** - अहमद डेनियल, अराफात मिन्हास, हारिस राऊफ, हसीबुल्लाह, जहांदाद खान, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद इरफान खान, ओमैर बिन यूसुफ, कासिम अकरम, साहिबजादा फरहान, सलमान अली आगा, सुफयान मोकिम, तैयब ताहिर और उस्मान खान।

# डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को 4 टेस्ट जीतने पड़ेंगे

**दुबई (एजेंसी)।** भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है लेकिन शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मिली 113 रन से हार के बाद उसके अंक प्रतिशत (पीसीटी) में गिरावट आई है। न्यूजीलैंड ने पुणे में दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम भारत को 113 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत को इस तरह 12 साल में पहली बार घरेलू मैदान पर टेस्ट श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा।

मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में यह भारत की चौथी हार है जिससे उसका पीसीटी 68.06 से गिरकर 62.82 हो गया। इसके परिणामस्वरूप रोहित शर्मा की टीम अब दूसरे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया (62.50) से सिर्फ 0.32 अंक आगे है। अगले हफ्ते न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगा। भारत ने इससे पहले लगातार 18 श्रृंखलायें जीती थीं और डब्ल्यूटीसी में फाइनल में जगह बनाने के लिए सभी मैच जीतने का प्रबल दावेदार था। लेकिन अब लगातार तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए भारत को अपने बचे हुए 6 में से 4 मैच जीतने होंगे।

भारत ने 359 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए नियमित अंतराल पर विकेट गंवा दिए जिससे न्यूजीलैंड ने मैच और श्रृंखला जीत ली। भारत की हार से डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ सभी के लिए खुल गई है। इससे ऑस्ट्रेलिया के अलावा श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमों को अगले साल डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा।

भारत के खिलाफ ऐतिहासिक जीत ने न्यूजीलैंड को चौथे स्थान पर पहुंचा दिया है जिसका अब उसका पीसीटी 50 हो गया है और वह फिर से फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हो गया है। श्रीलंका (पीसीटी 55.56) तीसरे स्थान पर है जबकि रावलपिंडी में तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ नौ विकेट की जीत ने पाकिस्तान को 33.33 पीसीटी के साथ सातवें स्थान पर पहुंचने में मदद की है। इंग्लैंड (पीसीटी 40.79) छठे स्थान पर है।

# सेंटनर ने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी उजागर की, कोहली की फॉर्म पर भी बोले साइमन डूल

**पुणे (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने टेस्ट श्रृंखला में भारत की हार के लिए उसके बल्लेबाजों की स्पिन गेंदबाजी को खेलने की कमजोरी को जिम्मेदार ठहराया, लेकिन उन्होंने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को चुका हुआ मानने से इनकार कर दिया। बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के 13 विकेट की मदद से कीवी टीम ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में भारत को 113 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

डूल ने कहा, 'यह गलत धारणा है कि भारतीय बल्लेबाज स्पिन के बेहतर खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उनके पास बेहतर स्पिनर हैं और वे विपक्षी बल्लेबाजों की कमजोरी को उजागर करने में सक्षम हैं। लेकिन इस टेस्ट (पुणे) में मिशेल सेंटनर ने शानदार प्रदर्शन करके उनके बल्लेबाजों को थोड़ा बेनकाब कर दिया।

डूल ने कहा कि न्यूजीलैंड का स्पिन आक्रमण विश्व स्तरीय नहीं है और उनके सामने भारतीय बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आपको इस तरह के अच्छे विकेटों पर खेलने की आदत हो जाएगी। लेकिन जब पिच टर्न लेना शुरू करती है तो आपकी कमजोरी उजागर हो जाती है। भारत लंबे समय तक टर्निंग विकेट पर खेलता रहा है। उसके पास अब भी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के रूप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं।

डूल ने कहा, 'उनके गेंदबाज अन्य टीमों को कम स्कोर पर आउट करने में सक्षम हैं लेकिन इस टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया जबकि हमारी टीम के पास विश्व स्तरीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण नहीं है। इसलिए यह भारत के लिए किसी हद तक चिंता का विषय होगा।

वर्तमान श्रृंखला में कोहली का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है तथा यह अनुभवी बल्लेबाज अभी तक चार पारियों में तीन बार स्पिन गेंदबाजों का शिकार बना। डूल ने हालांकि पूर्व भारतीय कप्तान की फॉर्म को ज्यादा तवज्जो नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'स्पिन के खिलाफ कुछ मुद्दे हैं लेकिन वह अकेला बल्लेबाज नहीं है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से नहीं खेल पाया। ऑस्ट्रेलिया में आपको इस तरह के विकेट नहीं मिलेंगे और वहां कोहली अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

डूल ने कहा, 'वह (कोहली) पिछले चार-पांच वर्षों से तेज गेंदबाजों के सामने अच्छा प्रदर्शन कर रहा है इसलिए मुझे नहीं लगता कि उनकी फॉर्म चिंता का विषय है। इस 55 वर्षीय खिलाड़ी ने रक्षात्मक रवैया अपनाने के लिए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का भी बचाव किया और श्रृंखला की हार के लिए टीम के अनुभवी गेंदबाजों को दोषी ठहराया। डूल ने कहा, 'मेरा मानना है कि टॉस जीतना महत्वपूर्ण है। रोहित के लिए बेंगलुरु का गलत फैसला अहम था। उन्होंने इसे स्वीकार भी किया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने इसका फायदा उठाया।

उन्होंने कहा, 'लोगों का कहना है कि रोहित थोड़ा रक्षात्मक हो सकता है लेकिन यह गेंदबाजों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। उनके पास अनुभवी स्पिन गेंदबाज हैं। अगर आप अपनी खुद का क्षेत्ररक्षण सजाने के लिए अश्विन या जडेजा पर भरोसा नहीं कर सकते, तो आप हर समय इसके लिए रोहित को दोषी नहीं ठहरा सकते। मुझे लगता है कि गेंदबाजों को भी इसमें कुछ भूमिका निभानी होगी।

### ब्राजील के फुटबॉल खिलाड़ी को तीन सेकेंड के भीतर दिखाया गया लाल कार्ड

**साओ पाउलो (एजेंसी)।** ब्राजील के एक फुटबॉल खिलाड़ी को शीर्ष डिविजन मुकाबले में दौरान विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मारने के लिए मैच शुरू होने के तीन सेकेंड के भीतर लाल कार्ड दिखाया गया। वरुजेइरो के राफा सिल्वा ने एथलेटिको पैरेनाएंसे के केइके रोचा को मैच शुरू होते ही कोहनी मारी जिससे टीम को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। रैफरी रोड्रिगो जोस परेरा डि तिमा ने वरुजेइरो के 32 साल के खिलाड़ी सिल्वा को लाल कार्ड दिखाया जो फुटबॉल के इतिहास में सबसे जल्दी दिखाए गए लाल कार्ड में से एक है। वरुजेइरो को इस मैच में 0-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

# लुईस का शतक, वेस्टइंडीज ने तीसरे और अंतिम वनडे में श्रीलंका को हराया

**पालेकल (श्रीलंका) (एजेंसी)।** एविन लुईस के नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने शनिवार को वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। श्रीलंका ने 2-1 से श्रृंखला जीती। वर्ष 2021 से अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे लुईस ने छक्के के साथ 61 गेंद में अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बावजूद खेलना जारी रखा। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा और मैच को 23 ओवर का कर दिया गया।

वेस्टइंडीज को 195 रन का लक्ष्य मिला और टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर जीत दर्ज की। श्रीलंका को जीवनदान पाने वाले दोनों सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका (56) और अविष्का फर्नांडो (34) ने पहले विकेट के लिए 17 ओवर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। दोबारा खेल शुरू होने पर कुसाल मेंडिस (नाबाद 56) ने शुरुआती चार गेंद पर चौके लगाए।

निसांका ने रन आउट होने से पहले 58 गेंद में अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया। मेंडिस ने सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक जड़ा। उन्हें भी दो जीवनदान मिले। उन्होंने 22 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके और एक छक्का मारा। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने 36 रन के स्कोर पर ब्रेंडन किंग (16) का विकेट गंवा दिया।

लुईस और कप्तान शाई होप (22) ने दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़कर पारी को संवारा। होप के आउट होने के बाद लुईस और शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 50, 26 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मोर्चा संभाला और एक ओवर शेष रहते टीम को जीत दिलाई दी। रदरफोर्ड ने सिर्फ 26 गेंद में अपना चौथा अर्धशतक पूरा किया।

# कोहली दूसरे टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद नाराज दिखे, पानी के बक्से पर दे मारा बल्ला

**पुणे (एजेंसी)।** पुणे में दूसरे टेस्ट में विराट कोहली के पहली पारी में आउट होने का कारण खराब शॉट चयन हो सकता है, लेकिन दूसरी पारी में वे थोड़े बदकिस्मत रहे, क्योंकि मिशेल सेंटनर की गेंद नीचे रह गई। भारतीय बल्लेबाज निराश थे और वापस पवेलियन लौटते समय उन्हें गुस्सा आ गया और उन्होंने पानी के बक्से पर बल्ला दे मारा जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि जब वे स्टेडियम की सीढ़ियों पर चढ़ रहे थे, तो 35 वर्षीय खिलाड़ी ने गुस्से में पानी के डिब्बे पर बल्ला मारा और गुस्सा निकाला। कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 70 रन बनाए थे। वहीं दूसरे मैच की पहली पारी में भी कोहली का बल्ला नहीं चला था और एक रन पर आउट हो गए थे। लेकिन दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में भी वह कुछ खास नहीं कर पाए और मात्र 17 रन ही बना पाए।

लाल गेंद के क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रहे 35 वर्षीय खिलाड़ी ने सकारात्मक इरादे से बल्लेबाजी की और मिड-विकेट पर कुछ बेहतरीन शॉट खेले। शुरुआत में खराब निर्णय के कारण पंत को विकेट गंवाना पड़ा। जब भारत को साझेदारी की जरूरत थी तब कोहली आउट हो गए और 359 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की स्थिति खराब हो गई। सुबह के सत्र में बल्लेबाजी के साथ अच्छा घंटा बिताने के बाद मेजबान टीम लंच के बाद भी लय खोती रही। अंत में रोहित शर्मा की टीम 113 रन से पीछे रह गई और दूसरे टेस्ट के साथ सीरीज भी हार गई।

# शमी की अनुपस्थिति बड़ा झटका, लेकिन भारत के रिजर्व तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगे : मैकडोनाल्ड

**सिडनी (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का मानना ??है कि अगले महीने से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान भारत को मोहम्मद शमी की बहुत कमी खलेगी लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस अनुभवी तेज गेंदबाज की जगह लेने वाले तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगी।

शमी ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह टखने की चोट के कारण पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेले हैं। उनका ऑपरेशन किया गया। इसके बाद वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में थे। हाल में उनके घुटनों में सूजन आ गई जिससे उनकी पूर्ण फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति उनके लिए बहुत बड़ा झटका है। जिस तरह से हमारे बल्लेबाज उनके जज्बे, उनकी लाइन और लेंथ और अपने काम के प्रति उनके समर्पण की बात करते हैं उसे देखते हुए भारत को उनकी कमी खलेगी।%

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'लेकिन हम जानते हैं कि पिछली बार क्या हुआ था। उनके रिजर्व खिलाड़ियों ने शानदार भारत ने दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार मौका दिया है। तेज गेंदबाज आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा को भी ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। तेज गेंदबाजी विभाग की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे।

प्रदर्शन करके भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, इसलिए उनके खिलाड़ियों को बिल्कुल भी कम करके नहीं आंका जा सकता है।% ऑस्ट्रेलिया घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को अपनी टीम में चुन सकता है। वह उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करने के लिए दौड़ में शामिल हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेंगे और अगर इसमें कोई युवा खिलाड़ी शामिल होता है, तो हम उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यदि चयनकर्ताओं को लगता है कि वह सबसे अच्छा विकल्प है तो हम उसे मौका देंगे।